{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 13 जून 2026
ज्येष्ठ कृष्ण 12 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 259
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

PMG हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	75,527.95
निफ्टी	-	23,622.90
सोना	-	1,71,402
चांदी	-	2,60,000
डॉलर	-	95.03

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

पूर्व राष्ट्रपति को 30 साल अतिरिक्त जेल

सियोल। दक्षिण कोरिया की सियोल जिला अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल को उत्तर कोरिया में ड्रोन भेजकर तनाव भड़काने के मामले में 30 साल अतिरिक्त जेल की सजा सुनाई है। अदालत ने माना कि इस अभियान का मकसद उत्तर कोरिया को उकसाकर आपात स्थिति पैदा करना और बाद में मार्शल लॉ लागू करने के लिए माहौल तैयार करना था। अदालत ने यून सुक योल, पूर्व रक्षा मंत्री किम योंग-ह्यून, डिफेंस काउंटर इंटेलिजेंस कमांड के पूर्व प्रमुख यो इन-ह्युंग और ड्रोन ऑपरेशन कमांड के पूर्व प्रमुख किम योंग-डे को देशद्रोह और सत्ता के दुरुपयोग का दोषी ठहराया।

इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ। अहमदाबाद से लखनऊ होते हुए दिल्ली जाने वाली इंडिगो फ्लाइट की लखनऊ में शुक्रवार को इमरजेंसी लैंडिंग हुई। विमान हवा में ही था, तभी टॉयलेट में एक टिशू पेपर मिला, जिस पर बम लिखा था। इसके बाद पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को सूचना दी और इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी। एटीसी ने एयरपोर्ट अथॉरिटी और सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट किया, फिर लैंडिंग की अनुमति दी। इसके बाद सुबह 11:15 बजे फ्लाइट को लखनऊ एयरपोर्ट पर उतारा गया। फिर सभी 180 यात्रियों और उनके सामान को नीचे उतारा गया। करीब 1 घंटे तक चेकिंग चली। हालांकि, किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। सभी यात्रियों को विमान में बैठा दिया गया।

बिल्डिंग में आग, 3 लोगों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के तुगलकाबाद इलाके में एक बिल्डिंग में आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। इनमें एक युवक और दो महिलाएं हैं। 6 लोगों को बचाया गया है, सभी अस्पताल में भर्ती हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आग पार्किंग में खड़ी गाड़ियों में लगी थी। धीरे-धीरे आग पांच मंजिला बिल्डिंग में फैल गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने छत का ताला काटकर लोगों को बचाया। फायर डिपार्टमेंट के अनुसार, गुरुवार देर रात 2:35 बजे से 2:37 बजे के बीच इमरजेंसी कॉल मिलीं। आग तारा अपार्टमेंट के पास गली नंबर 1 में स्थित एक इमारत में लगी थी। इमारत के अंदर कई लोगों के फंसे होने की खबर मिलने के बाद फायर फाइटर्स ने रेस्क्यू शुरू किया।

शूटर जसपाल राणा का निधन

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज शूटर जसपाल राणा का शुक्रवार को निधन हो गया। 1 जून को जर्मनी से लौटते समय फ्लाइट में 49 साल के राणा की तबीयत बिगड़ी थी। दिल्ली पहुंचने पर उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनके हार्ट में स्टेंट डाला गया था। जसपाल राणा पेरिस ओलिंपिक में डबल ओलिंपिक मेडल जीतने वाली

कुछ ना कहना

मिडिल ईस्ट जंग पर 39 बार झूठा दावा कर चुके डोनाल्ड ट्रंप ने किया ऐलान

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध समाप्त!

ईरान बोला-डील को सर्वोच्च स्तर की मंजूरी मिल चुकी है, अभी हमने कोई फैसला नहीं लिया :: ईरान ने कहा- अमेरिका से डील अभी फाइनल नहीं, होर्मुज पर कंट्रोल नहीं छोड़ेंगे

तेहरान/वाशिंगटन।

अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष को लेकर एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ युद्ध खत्म कर दिया है। हालांकि ईरान ने इस दावे की पुष्टि नहीं की है और कहा है कि अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। राष्ट्रपति ट्रंप ने जॉर्जिया में एक चुनावी रैली को वर्चुअल तरीके से संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध बंद कर दिया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान इस बात पर सहमत हो गया है कि वह कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। सोशल मीडिया पर किए गए अपने पोस्ट में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ बातचीत ईरानी नेतृत्व के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच चुकी है और उसे मंजूरी मिल गई है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के तौर पर उन्होंने ईरान के खिलाफ तय हमले और बमबारी को रद्द कर दिया है।

राष्ट्रपति ट्रंप के मुताबिक, बातचीत के प्रमुख बिंदुओं को अमेरिका, इजरायल, सऊदी अरब, यूएई, कतर, तुर्की, पाकिस्तान, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन, मिस्र और अन्य संबंधित पक्षों ने मंजूरी दे दी है। उन्होंने यह भी कहा कि समझौता पूरी तरह तय होने तक नौसैनिक नाकेबंदी जारी रहेगी और हस्ताक्षर की जगह और समय की घोषणा जल्द की जाएगी। इस बीच कई रिपोर्टों में दावा किया गया है कि ट्रंप के इस ऐलान से इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भी हैरान रह गए। रिपोर्टों के मुताबिक, ट्रंप ने युद्ध बंद करने के फैसले की जानकारी पहले से इजरायल को नहीं दी थी। कहा जा रहा है कि अगर यह डील लागू होती है तो इजरायल को लेबनान में अपने सैन्य अभियान पर असर पड़ सकता है। एक और महत्वपूर्ण दावा यह है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर संभावित हमले को केवल तीन घंटे पहले रोक दिया। इससे पहले उन्होंने ईरान के खार्ग द्वीप पर हमला करने और वहां कब्जा करने की धमकी दी थी। इसी वजह से राष्ट्रपति ट्रंप के अचानक किए गए ऐलान ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

हालांकि ईरान का रुख अभी भी सावधानी भरा है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने ट्रंप के उस दावे को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि डील को सर्वोच्च स्तर की मंजूरी मिल चुकी है। बघाई ने कहा कि ईरान में फैसले लेने की प्रक्रिया स्पष्ट और संस्थागत है। सभी संबंधित अधिकारी बातचीत करेंगे और मंजूरी मिलने के बाद ही किसी समझौते की घोषणा की जाएगी। ईरान की ओर से ट्रंप के दावे खारिज होने से एक फिर से सवाल उठने लगे हैं कि क्या ट्रंप का दावा एक फिर से झूठा है। क्योंकि इससे पहले वो 39 बार दावा कर चुके हैं ईरान के साथ शांति की बात तेजी से चल रही है या युद्ध खत्म होने जा रहा है या जल्द ही सीजफायर होगी। लेकिन, हकीकत ये है कि जंग 28 फरवरी से जारी है और इसका असर पूरी दुनिया पर देखने को मिल रहा है। दूसरी तरफ अमेरिका संभावित समझौते की तैयारियां शुरू कर चुका है। रिपोर्टों के मुताबिक, अमेरिकी वायुसेना के चार सी-17 ग्लोबमास्टर विमान यूरोप भेजे गए हैं। इनमें अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के लिए गाड़ियां भी भेजी गई हैं। दावा किया जा रहा है कि अमेरिका की तरफ से जेडी वेंस ही समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। कुछ रिपोर्टों में जिनेवा को संभावित स्थान बताया गया है। अमेरिकी सेना ईरान पर हमले शुरू करने से केवल तीन घंटे दूर थी, लेकिन ट्रंप ने अंतिम समय में ऑपरेशन रोक दिया। रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिकी सेना अपने लक्ष्य तय कर चुकी थी और नौसेना भी हमले की तैयारी पूरी कर चुकी थी। राष्ट्रपति ट्रंप के हालिया ऐलान के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या वास्तव में अमेरिका और ईरान के बीच समझौता होने जा रहा है या फिर यह ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति है। इसका जवाब अगले कुछ दिनों में सामने आ सकता है। रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया है कि संभावित अमेरिका-ईरान समझौते का असर लेबनान पर भी पड़ सकता है। कुछ मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, डील की संभावित शर्तों में इजरायल को लेबनान में अपने सैन्य अभियान को रोकना और कुछ क्षेत्रों से पीछे हटना शामिल हो सकता है। हालांकि इन दावों पर अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

ईरानी हमले में अमेरिका को काफी नुकसान

इसी बीच खाड़ी क्षेत्र से भी कई दावे सामने आए हैं। सोशल मीडिया और कुछ अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में अमेरिकी सैन्य विमानों और हेलिकॉप्टरों को हुए नुकसान का उल्लेख किया गया है। दावा किया जा रहा है कि इस संघर्ष में कई अमेरिकी विमान या तो नष्ट हुए हैं या गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ईरान ने यह भी दावा किया है कि उसने बहरीन में अमेरिका के एक लंबी दूरी के रडार सिस्टम को निशाना बनाया है। ईरान से जुड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कथित सैटेलाइट तस्वीरें और हमले के दृश्य साझा किए गए हैं। हालांकि अमेरिका और बहरीन की ओर से इन दावों पर विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। फिलहाल दुनिया की नजर अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते पर टिकी हुई है। ट्रंप युद्ध खत्म होने का दावा कर रहे हैं, जबकि ईरान कह रहा है कि अंतिम फैसला अभी बाकी है। ऐसे में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि आने वाले दिनों में बातचीत किस दिशा में आगे बढ़ती है और क्या दोनों देशों के बीच वास्तव में कोई समझौता हो पाता है।

ईरान का दावा- होर्मुज स्ट्रेट पर हमारा फुल कंट्रोल

अमेरिका के साथ बढ़ते सैन्य तनाव के बीच ईरान ने दावा किया है कि होर्मुज स्ट्रेट पर उसका फुल कंट्रोल है। ईरानी सेना के वरिष्ठ अधिकारी एडमिरल हबीबोल्लाह सय्यारी ने कहा कि इस समुद्री मार्ग से कोई भी जहाज ईरान की अनुमति के बिना नहीं गुजर सकता। सय्यारी ने अमेरिका के उन दावों को भी खारिज किया, जिनमें कहा गया था कि हालिया हमलों में ईरानी नौसेना को भारी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि ईरान आज भी क्षेत्र में प्रभावी सैन्य क्षमता रखता है।

असम में आया 4.7 तीव्रता का भूकंप

गुवाहाटी। असम के कछार जिले में गुरुवार रात 4.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया, जिसके झटके मेघालय सहित पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों में महसूस किए गए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि भूकंप से किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान या बड़े हादसे की कोई सूचना नहीं मिली है। अधिकारियों के अनुसार भूकंप गुरुवार रात करीब 9:10 बजे आया। इसका केंद्र असम के कछार जिले में स्थित था। भूकंप की गहराई जमीन से लगभग 39 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई, जिससे इसके झटके आसपास के राज्यों तक महसूस किए गए। भूकंप विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, भूकंप का केंद्र 24.941 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 93.007 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। झटके महसूस होते ही कई लोग एहतियातन अपने घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। कुछ क्षेत्रों में लोगों के बीच थोड़ी देर के लिए दहशत का माहौल भी देखा गया। मेघालय के अलावा दक्षिणी असम और पूर्वोत्तर के अन्य हिस्सों में भी कंपन महसूस किए जाने की खबरें सामने आई हैं।

जिस कोच में संघ प्रमुख सफर कर रहे थे उसी पर हुआ पथराव

कानपुर से दिल्ली आ रही शताब्दी एक्सप्रेस पर पत्थर कांच टूटे

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश से देश की राजधानी दिल्ली आ रही शताब्दी एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12003) में उस समय अचानक अफरा-तफरी और हड़कंप मच गया, जब कुछ अज्ञात तत्वों द्वारा ट्रेन पर पथराव कर दिया गया। यह हैरान कर देने वाली घटना यूपी के फिरोजाबाद जिले के आउटर इलाके में घटित हुई, जहां तेज रफ्तार से गुजर रही शताब्दी एक्सप्रेस को निशाना बनाकर पत्थर फेंके गए। इस पथराव के कारण ट्रेन की खिड़की का शीशा चकनाचूर हो गया। इस घटना ने सुरक्षा एजेंसियों के कान इसलिए खड़े कर दिए क्योंकि जिस वक्त यह हमला हुआ, उस समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत उसी प्रभावित कोच में मौजूद थे। संघ प्रमुख कानपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद इसी लखनऊ-दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस से वापस दिल्ली लौट रहे थे।

यह पूरी घटना गुरुवार की रात करीब 7.20 से 8 बजे के बीच की बताई जा रही है। जब ट्रेन फिरोजाबाद जिले से गुजरते हुए मक्खनपुर स्टेशन को बिना रुके पार कर चुकी थी, तभी अचानक एक बड़ा पत्थर ट्रेन के ई-1 कोच की खिड़की से आकर टकराया। पत्थर इतनी तेजी से लगा कि खिड़की का शीशा टूट गया और अंदर बैठे सहमे यात्रियों में चिंता व सुरक्षा को लेकर खौफ फैल गया। चूंकि इसी विशेष कोच में संघ प्रमुख मोहन भागवत भी यात्रा कर रहे थे, इसलिए शुरुआती तौर पर यह आशंका भी जताई जा रही है कि कहीं ट्रेन को जानबूझकर तो निशाना नहीं बनाया गया था।

गनीमत यह रही कि इस अचानक हुए पथराव में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत समेत ट्रेन में सवार सभी अन्य यात्री पूरी तरह सुरक्षित रहे और किसी को भी किसी तरह की चोट नहीं आई। घटना की गंभीरता को देखते हुए रेलवे प्रशासन और सुरक्षा बल तुरंत हरकत में आ गए। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले के टुंडला जंक्शन पर जैसे ही ट्रेन रुकी, सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) के इंस्पेक्टर शेर सिंह समेत अन्य रेलवे विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भारी सुरक्षा बल के साथ मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों और सुरक्षा जांच टीमों ने तुरंत प्रभावित कोच ई-1 का बारीकी से निरीक्षण किया और स्थिति का जायजा लिया।

सीबीएसई की पोल खोलने वाले छात्र को मिली आईआईटी कानपुर में नौकरी

नई दिल्ली। सीबीएसई पोर्टल की सुरक्षा में खामी उजागर कर चर्चा में आए 19 वर्षीय छात्र निसर्ग आचार्य को आईआईटी कानपुर में नौकरी मिल गई है। नई दिल्ली निवासी निसर्ग ने हाल ही में एक ब्लॉग पोस्ट के माध्यम से सीबीएसई पोर्टल की तकनीकी कमियों की ओर ध्यान आकर्षित किया था, जिसके बाद उनकी प्रतिभा और साइबर सुरक्षा क्षेत्र में विशेषज्ञता की काफी सराहना हुई।

निसर्ग ने इसी वर्ष 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की है और इतनी कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल कर वे देश के सबसे युवा इंजीनियरों में शामिल हो गए हैं। आईआईटी कानपुर ने उन्हें अपनी साइबर सुरक्षा टीम में अनुबंध के आधार पर शामिल किया है। संस्थान के अधिकारियों का कहना है कि निसर्ग की तकनीकी समझ, समस्या पहचानने की क्षमता और शोधपरक दृष्टिकोण ने उन्हें यह अवसर दिलाया है। उनकी सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा का उदाहरण बन गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने पॉक्सो की सज़ा रद्द की : पीड़िता ने आरोपी से शादी कर बसाया घर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसले में पॉक्सो अधिनियम के तहत मिली एक सज़ा को रद्द किया है। यह फैसला इसलिए हुआ, क्योंकि दोषी ठहराए गए व्यक्ति और पीड़िता ने बाद में आपस में शादी कर ली है, और आरोपी ने पीड़िता को 10 लाख रुपये का मुआवजा दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बालिग होने के बाद पीड़िता ने आरोपी से शादी की है और अब वे समाज में पति-पत्नी की तरह शांतिपूर्वक जीवन जीने के लिए स्वतंत्र हैं। पीड़िता ने खुद ही सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी कि उसके पति की सजा रद्द की जाए।

दरअसल यह मामला साल 2018 का है, जब पीड़िता नाबालिग थी और आरोपी के साथ उसके प्रेम संबंध थे। इस संबंध के चलते आरोपी को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉस्को) अधिनियम की धारा 5(1) के तहत दोषी ठहराया गया था और 2019 में ट्रायल कोर्ट ने 10 साल की सज़ा सुनाई थी। मद्रास हाई कोर्ट ने बाद में सज़ा को सस्पेंड किया था, लेकिन 2021 में सज़ा खत्म करने की पीड़िता की याचिका को खारिज किया था। इसके बाद आरोपी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल कर यह निर्णय सुनाया। यह अनुच्छेद शीर्ष अदालत को किसी भी लंबित मामले में पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक आदेश पारित करने का अधिकार देता है।

सोरेन की दिल्ली यात्रा से कांग्रेस हुई बैचेन, इंडिया गठबंधन के बिखराव का डर?

रांची। सीएम हेमंत सोरेन के दिल्ली प्रवास को लेकर झारखंड की राजनीति अभी उफान पर है, लेकिन इस यात्रा ने कांग्रेस की बेचैनी बढ़ा दी है। खास कर राज्यसभा चुनाव को लेकर हेमंत सोरेन का दिल्ली जाना कांग्रेस के रणनीतिकारों को बर्दाश्त नहीं हो रहा है। तात्कालिक वजह भी साफ है कि राज्यसभा के चुनाव में बीजेपी समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी के चुनावी जंग में उतरने से दलों के विधायकों के टूटने का खतरा दिख रहा है। राजनीतिक सूत्रों की माने तो धन बल के इस्तेमाल की भूमि झारखंड बनते दिख रही है लेकिन क्या हेमंत सोरेन सच में राज्यसभा चुनाव को इग्नोर कर रहे हैं या कि कुछ निजी परेशानियां भी हावी हो गई हैं? राज्यसभा चुनाव से ज्यादा परेशानी हेमंत सोरेन के सामने केंद्रीय एजेंसियां खड़ी कर रही है। व्यक्तिगत आरोपों से घिरे हेमंत सोरेन के सामने राज्यसभा चुनाव से ज्यादा बड़ा संकट ईडी और सीबीआई बन चुकी है। राजनीतिक गलियारों की माने तो परिमल नाथवानी की ओर से गृह मंत्री अमित शाह और हेमंत सोरेन की मुलाकात के चर्चे भी हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम हेमंत सोरेन की परेशानी ईडी ने बढ़ा दी है। रांची के बड़गई सर्कल के शांति नगर में 8.86 एकड़ जमीन के अधिग्रहण और उससे जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में कोर्ट ने सोरेन की दलील को खारिज कर दिया वाक्य यह था कि झारखंड के सीएम ने जमीन खरीद के मामले में

अनुशासनहीनता मात्र पर नौकरी से नहीं निकाला जा सकता कर्मचारी - सुप्रीम कोर्ट

शीर्ष अदालत ने कहा– बर्खास्तगी सबसे कठोर सजा, इसका उपयोग केवल गंभीर भ्रष्टाचार, अनैतिक आचरण या संस्थान को नुकसान पहुंचाने वाले मामलों में हो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि किसी कर्मचारी को केवल अनुशासनहीनता, आदेशों की अवहेलना या वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश न मानने के आधार पर नौकरी से नहीं निकाला जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि बर्खास्तगी जैसी कठोर सजा केवल उन मामलों में दी जानी चाहिए, जहां भ्रष्टाचार, अनैतिक आचरण, वित्तीय अनियमितता या नियोक्ता को गंभीर नुकसान पहुंचाने वाली हरकतें साबित हों।

जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एनके सिंह की पीठ ने एक मामले की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि कार्यस्थल पर अनुशासन का महत्व निर्विवाद है, लेकिन अनुशासनहीनता के हर मामले में नौकरी से निकालना न्यायसंगत नहीं माना जा सकता। पीठ ने कहा कि भ्रष्टाचार, अवैध लाभ प्राप्त करना, फंड का दुरुपयोग, संगठन की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना या नियोक्ता को प्रत्यक्ष क्षति पहुंचाने जैसे गंभीर मामलों के अभाव में कर्मचारी को सेवा से हटाना अत्यधिक कठोर कदम होगा। अदालत के अनुसार, किसी भी सजा का संबंध कर्मचारी के कृत्य की गंभीरता, उसके पूर्व सेवा रिकॉर्ड, परिस्थितियों और संस्थान पर पड़े प्रभाव से होना चाहिए।

यह टिप्पणी महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के एक कर्मचारी को वर्ष 2017 में सेवा से बर्खास्त किए जाने के आदेश को निरस्त करते हुए की गई। अदालत ने कहा कि बर्खास्तगी कर्मचारी और नियोक्ता के संबंधों को स्थायी रूप से समाप्त कर देती है तथा कर्मचारी को सेवानिवृत्ति और अन्य सेवा लाभों से भी वंचित कर देती है।

पीठ ने यह भी कहा कि ऐसे निर्णयों का प्रभाव केवल कर्मचारी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके परिवार की आर्थिक सुरक्षा और भविष्य भी प्रभावित होता है। न्यायमूर्ति एन. के. सिंह ने कहा कि नौकरी से निकाले जाने का दाग व्यक्ति के सेवा रिकॉर्ड पर स्थायी रूप से दर्ज हो जाता है, जिससे भविष्य में रोजगार के अवसर प्रभावित हो सकते हैं, विशेषकर सरकारी सेवाओं, सार्वजनिक उपक्रमों और अन्य विनियमित संस्थानों में।

अदालत ने कर्मचारी की 21 वर्षों की सेवा को ध्यान में रखते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि कथित अनुशासनहीनता, आदेशों की अवहेलना और सरकारी दस्तावेजों के नष्ट किए जाने के आरोपों के संदर्भ में दी जाने वाली सजा पर पुनर्विचार किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने दोहराया कि बर्खास्तगी का दंड केवल अत्यंत गंभीर मामलों के लिए सुरक्षित रखा जाना चाहिए, जहां सहानुभूति या नरमी की कोई गुंजाइश न हो।

मीनाक्षी नटराजन को सुप्रीम कोर्ट से करारा झटका

चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप से किया इनकार, याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन को बड़ा झटका देते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी है। राज्यसभा चुनाव के लिए उनका नामांकन रद्द किए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि एक बार चुनावी प्रक्रिया शुरू हो जाने के बाद न्यायालय के हस्तक्षेप की सीमाएं निर्धारित हैं और इस चरण में अदालत चुनाव प्रक्रिया में दखल नहीं दे सकती।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि उसने याचिकाकर्ता की सभी दलीलों पर विचार किया है। याचिका में दावा किया गया था कि रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) ने यह कहते हुए नामांकन खारिज कर दिया कि उम्मीदवार ने अधूरा फॉर्म भरा तथा अपने खिलाफ लंबित शिकायत मामले की जानकारी नहीं दी। याचिकाकर्ता का कहना था कि संबंधित मामले में न तो आरोप तय हुए थे और न ही अदालत ने संज्ञान लिया था, इसलिए ऐसी जानकारी न देने के आधार पर नामांकन रद्द करना मनमाना और अवैध है।

सुनवाई के दौरान यह भी बताया गया कि आरओ के आदेश के खिलाफ निर्वाचन आयोग का रुख किया गया था। याचिकाकर्ता ने लिखित आवेदन देने के साथ आयोग के समक्ष व्यक्तिगत रूप से अपना पक्ष भी रखा, लेकिन आयोग ने कोई आदेश पारित नहीं किया। मामले में याचिकाकर्ता की ओर से संविधान के अनुच्छेद 329(बी) तथा पूर्व के न्यायिक निर्णयों का हवाला देते हुए कहा गया कि उनकी याचिका का उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को बाधित करना नहीं, बल्कि उसे निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से जारी रखना है। वहीं निर्वाचन आयोग और मध्य प्रदेश सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने याचिका की ग्राह्यता पर ही प्रश्न उठाया। उनका तर्क था कि चुनाव लड़ना मौलिक नहीं बल्कि वैधानिक अधिकार है और नामांकन रद्द होने की स्थिति में एकमात्र कानूनी उपाय चुनाव याचिका दायर करना होता है।

मामले की पृष्ठभूमि में मध्य प्रदेश की राज्यसभा सीट का चुनाव है। जांच के दौरान मीनाक्षी नटराजन के नामांकन पत्र में कथित रूप से एक आपराधिक मामले की जानकारी छिपाने का आरोप सामने आया था।

एक नाम, दो डॉक्टर मामला गहराया, जांच के बीच डॉक्टर का वेतन रोका गया

स्वास्थ्य विभाग की SIT सक्रिय, बालाघाट में पदस्थ चिकित्सक अवकाश पर गए

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

प्रदेश में सामने आए स्वास्थ्य विभाग के चर्चित एक नाम, दो डॉक्टर मामले ने अब नया मोड़ ले लिया है। मामला उस समय सुर्खियों में आया था जब यह तथ्य सामने आया कि एक ही नाम के दो डॉक्टर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में सेवाएं दे रहे हैं। हैरानी की बात यह रही कि दोनों चिकित्सकों का नाम, शैक्षणिक योग्यता, पिता का नाम, जन्मतिथि, डिग्री प्राप्त करने का वर्ष, कॉलेज, कोर्स और नौकरी से जुड़ी कई जानकारियां एक जैसी बताई गईं। मामले के सार्वजनिक होने और मीडिया में खबरें सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने इसे गंभीरता से लिया। विभागीय स्तर पर जांच शुरू की गई और बालाघाट में पदस्थ डॉक्टर सुनील कुमार से संबंधित सभी दस्तावेज एवं जानकारी जिला स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा शासन को भेज दी गई थी। अब इस मामले में विभाग ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर दिया है, जो पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच कर रहा है। सूत्रों के अनुसार जांच पूरी होने तक बालाघाट में पदस्थ डॉक्टर सुनील कुमार का वेतन भी रोक दिया गया है। वहीं बताया जा रहा है कि डॉक्टर सुनील कुमार वर्तमान में अवकाश पर चले गए हैं।

स्वास्थ्य विभाग में सामने आए एक चौंकाने वाले मामले ने पूरे प्रशासनिक तंत्र को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। जानकारी के अनुसार एक ही एमबीबीएस डिग्री के आधार पर दो अलग-अलग

व्यक्ति पिछले लगभग 15 वर्षों से डॉक्टर के रूप में सरकारी सेवा दे रहे हैं। इनमें से एक डॉक्टर बालाघाट जिले में पदस्थ है, जबकि दूसरा देवास जिले में अपनी सेवाएं दे रहा है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि दोनों डॉक्टरों का नाम, पिता का नाम, जन्मतिथि और एमबीबीएस डिग्री प्राप्त करने का वर्ष तक एक समान बताया जा रहा है। मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। कागजी रिकॉर्ड के अनुसार दोनों डॉक्टरों की पहचान लगभग एक जैसी दिखाई दे रही है, जिसके चलते यह सवाल उठ खड़ा हुआ है कि आखिर दोनों में से वास्तविक डॉक्टर कौन है और कौन कथित रूप से गलत तरीके से नौकरी कर रहा है। यदि आरोप सही साबित होते हैं तो यह प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग के इतिहास के बडा फर्जीवाड़ों में से एक माना जा सकता है। सूत्रों के अनुसार बालाघाट जिले के बिरसा क्षेत्र में सुनील कुमार नाम का एक डॉक्टर वर्ष 2008 से अपनी सेवाएं दे रहा है और वर्तमान में वह ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (बीएमओ) के पद पर कार्यरत है। वहीं दूसरी ओर देवास जिले में भी सुनील कुमार नाम का एक अन्य डॉक्टर पदस्थ बताया जा रहा है, जिसके दस्तावेजों में भी वही जानकारी दर्ज है जो बालाघाट में पदस्थ डॉक्टर के रिकॉर्ड में मौजूद है। बताया जा रहा है कि दोनों डॉक्टरों ने वर्ष 2006 में एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त की थी और तब से लगातार स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत हैं। दोनों के पिता का नाम, जन्मतिथि और शैक्षणिक विवरण समान होना पूरे मामले को और अधिक गंभीर एवं संदिग्ध बना रहा है। आश्चर्यजनक बात यह है कि यह स्थिति कोई हालिया नहीं बल्कि पिछले करीब 15 वर्षों से चली आ रही है और इस दौरान दोनों को विभाग द्वारा नियमित वेतन का भुगतान भी किया जाता रहा है। अनुमान है कि इस अवधि में करोड़ों रुपये का वेतन भुगतान किया जा चुका है। मामले को लेकर प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी परेश उपलव ने बताया कि प्रारंभिक रूप से उन्हें इस विषय की जानकारी नहीं थी, लेकिन मामला संज्ञान में आते ही इसकी सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों और संबंधित विभाग को भेज दी गई है। उन्होंने बताया कि पूरे प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए विभाग द्वारा विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर दिया गया है, जिसने अपनी जांच प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। सूत्रों की मानें तो जांच पूरी होने तक बालाघाट में पदस्थ सुनील कुमार का वेतन रोक दिया गया है। वहीं संबंधित डॉक्टर के अवकाश पर चले जाने की भी जानकारी सामने आई है। इससे मामले को लेकर और भी कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। अब सभी की नजर एसआईटी की जांच रिपोर्ट पर टिकी हुई है, जो यह तय करेगी कि दोनों में वास्तविक डॉक्टर कौन है और कौन कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर वर्षों से नौकरी कर रहा था। फिलहाल यह मामला स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली, दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया और नियुक्तियों की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

तालाब में डूबने से वृद्ध की मौत-फिट का दौरा पड़ने की आशंका

बिरसा थाना क्षेत्र के ग्राम डोरली की घटना
पुलिस ने मर्ग कायम कर शुरू की जांच

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बिरसा थाना अंतर्गत सालेटेकरी पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम डोरली में एक वृद्ध की तालाब में डूबने से मौत हो गई।बिरसा पुलिस ने मृतक पवन सिंह पिता रिंगदू सिंह मरावी 60 वर्ष का शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। प्रारंभिक जांच में फिट का दौरा पड़ने से तालाब में डूबकर मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पवन सिंह मरावी की दो शादियां हुई थीं। करीब 25 वर्ष पहले उनकी पहली पत्नी बत्ती बाई की मृत्यु हो गई थी।जिसके बाद उन्होंने हिरमत बाई से दूसरा विवाह किया था। जिससे उनकी दो बेटी मोनिका नेताम और भगवंती तिलगाम हैं। मोनिका नेताम का विवाह नया टोला डोरली में हुआ है। बताया गया है कि करीब चार वर्ष पहले मोनिका अपने पति तरुण नेताम और परिवार के साथ अपने माता-पिता के घर में आकर रहने लगी थीऔर खेती-किसानी करते थे। घटना 11 जून की शाम करीब 5 बजे की बताई जा रही है। उस समय मोनिका नेताम अपनी मां हिरमत बाई के साथ घर से कुछ दूरी पर स्थित हैंडपंप से पानी लेने गई थी। घर में पवन सिंह और दामाद तरुण नेताम मौजूद थे। तरुण नेताम घर में लकड़ियां रखने का काम कर रहा था।कुछ देर बाद जब मां-बेटी वापस घर लौटीं तो पवन सिंह घर में नहीं मिले। शाम तक घर वापस नहीं आने पर परिवार के लोगों ने उनकी तलाश शुरू की। तलाश करते हुए जब वे तालाब की ओर पहुंचे तो देखा कि पवन सिंह तालाब में डूबे हुए हैं और उनका एक हाथ पानी के ऊपर दिखाई दे रहा था। इसके बाद मोनिका नेताम और उनके पति तरुण नेताम ने पवन सिंह को तालाब से बाहर निकाले लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।बताया गया है कि पवन सिंह को लंबे समय से फिट की बीमारी थी और उन्हें समय-समय पर दौरे पड़ते थे। उनका इलाज जड़ी-बूटी से कराया जा रहा था। संभावना जताई जा रही है कि तालाब में नहाने के दौरान उन्हें फिट का दौरा पड़ने से वे पानी में डूब गए जिससे उसकी मौत हो गई।सूचना मिलने पर बिरसा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

एक युवक की निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत- कीटनाशक सेवन की संभावना

निजी अस्पताल में चल रहा था इलाज
चांगोटोला पुलिस करेगी मामले की जांच

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के एक निजी अस्पताल में उपचाररत एक युवक की मौत हो गई। मृतक शिव किशोर पिता बृजलाल पटले 36 वर्ष ग्राम हिरवाटोला थाना चांगोटोला निवासी बताए गए है। प्रारंभिक तौर पर इस युवक के द्वारा कीटनाशक दवाई सेवन करने की संभावना जताई जा रही है। कोतवाली पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। मामले की आगे की जांच चांगोटोला पुलिस द्वारा की जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिव किशोर मूल रूप से नगरवाड़ा क्षेत्र का निवासीथा। लेकिन पिछले 5-6 वर्षों से वह अपने परिवार के साथ ग्राम हिरवाटोला में रहकर मजदूरी का कार्य कर रहा था। उसके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। जबकि उसके माता-पिता सहित अन्य परिजन नगरवाड़ा में रहते हैं।बताया गया है कि 11 जून को शिव किशोर घर पहुंचा था। घर आने के कुछ समय बाद ही उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसे लगातार उल्टियां होने लगीं। परिजनों ने तत्काल उसे उपचार के लिए बालाघाट नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराये थे।जहां उसका इलाज चल रहा था।उपचार के दौरान 12 जून को शिव किशोर की मौत हो गई। निजी अस्पताल से सूचना मिलने पर कोतवाली से उप निरीक्षक यशवंत सिंह ने अपने स्टाफ के साथ अस्पताल पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया और पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिये है।प्रारंभिक जांच में शिव किशोर द्वारा कीटनाशक दवाई सेवन करने की संभावना व्यक्त की जा रही है।हालांकि उसने यह कदम किस कारण उठाया। यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।कोतवाली पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई के लिए संबंधित थाना चांगोटोला भेज दी है। मामले की विस्तृत जांच अब चांगोटोला पुलिस द्वारा की जाएगी।

संवैधानिक संस्थाओ की रक्षा करे सरकार, कांग्रेस सेवादल ने राष्ट्रपति के नाम सौपा ज्ञापन

सरकार पर लगाया संवैधानिक संस्थाओ के दुरूपयोग का आरोप
कांग्रेसी बोले - सरकार के दबाव में काम कर रहा प्रशासनिक अमला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राज्यसभा सांसद चुनाव में, कांग्रेस की प्रत्याशी सुश्री मीनाक्षी नटराजन के नामांकन फार्म निरस्त होने पर, कांग्रेसी, नाराज है और लगातार इसको लेकर प्रदर्शन, आंदोलन और ज्ञापन दे रहे है। शुक्रवार को कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष जीतु बर्वे की अगुवाही में कांग्रेस ने डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव को राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें कांग्रेस ने राज्यसभा सांसद चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के नामांकन रद्ध करने का आरोप सत्तारूढ़ सरकार पर लगाते हुए संवैधानिक संस्थाओं की रक्षा की मांग की।इस दौरान अनिल सोनी, मधु गजभिये, ज्योति शर्मा, शिवम विश्वकर्मा, शफकत खान, ऋषभ सहारे सहित कांग्रेस एवं कांग्रेस सेवादल के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल रहे।

संविधान में प्रदत्त नियमों की हो रही अवहेलना

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एवं कांग्रेस सेवादल के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने राज्यसभा सांसद प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन के नामांकन पत्र निरस्त किए जाने के विरोध में राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक मूल्यों की रक्षा की मांग की।ज्ञापन में कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता प्रभावित हो रही है तथा संविधान में प्रदत्त नियमों की अवहेलना की जा रही है। कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर जनादेश की चोरी, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की खरीद-फरोख्त तथा लोकतंत्र को कमजोर करने वाले कदम उठाने का आरोप लगाते हुए अपनी आपत्ति और असहमति दर्ज कराई।कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि राज्यसभा प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किया जाना लोकतांत्रिक परंपराओं के विपरीत है, जिससे लोकतंत्र की भावना आहत हुई है। उन्होंने राष्ट्रपति से संविधान के संरक्षक होने के नाते मामले में संज्ञान लेने तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता एवं संवैधानिक मूल्यों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक संवैधानिक कदम उठाने की मांग की।

लोकतांत्रिक और संवैधानिक संस्थाओं का दुरूपयोग कर रही सरकार- जीतू बर्वे

कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष जीतु बर्वे ने बताया कि भाजपा सरकार लोकतांत्रिक और संवैधानिक संस्थाओं का दुरूपयोग कर रही है। उन संस्थाओ की मजबूती और आम जनता का विश्वास बना रहे, इसको लेकर आज हम कांग्रेसी एकत्रित होकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन देने पहुंचे है।

प्रशासनिक अमले पर सरकार का दबाव नही होना चाहिए- शफकत

कांग्रेस संगठन मंत्री शफकत खान ने बताया कि राज्यसभा चुनाव में सुश्री मीनाक्षी नटराजन का नामांकन फार्म निरस्त करने में प्रशासनिक अमले के साथ ही सरकार का एक बड़ा दबाव है। प्रदेश में सत्तारूढ़ सरकार के दबाव में प्रशासनिक अमला काम कर रहा है, जिसके खिलाफ आज कांग्रेस सेवादल ने ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने बताया कि, हमारी यह लड़ाई अभी जारी रहेगी।

प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह का 13 जून को बालाघाट आगमन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री तथा बालाघाट जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह का 13 जून 2026 को एक दिवसीय प्रवास पर बालाघाट आगमन हो रहा है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वे विभिन्न शासकीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे तथा जिला अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें करेंगे। प्रभारी मंत्री श्री सिंह शनिवार 13 जून को प्रात: 9 बजे ग्राम लोलरी जिला नरसिंहपुर से बालाघाट के लिए प्रस्थान करेंगे। दोपहर 12:30 बजे बालाघाट पहुंचने के बाद वे बालाघाट-कटंगी सेक्शन में निर्मित रेलवे ओवरब्रिज के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम गर्रा स्थित रेलवे क्रॉसिंग क्रमांक बीके-9 के पास आयोजित किया जाएगा। इसके पश्चात प्रभारी मंत्री श्री सिंह दोपहर 1:30 बजे जिला चिकित्सालय बालाघाट में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित एक दिवसीय शिविर में सहभागिता करेंगे तथा स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित गतिविधियों का अवलोकन करेंगे। प्रभारी मंत्री श्री सिंह दोपहर 02 बजे सर्किट हाउस बालाघाट पहुंचेंगे और अपराह्न 03 बजे जिला अधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न विकास कार्यों एवं शासकीय योजनाओं की प्रगति पर चर्चा करेंगे। बैठक में जिले में संचालित प्रमुख योजनाओं, निर्माण कार्यों तथा जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की स्थिति पर चर्चा की जाएगी। अपराह्न 3:30 बजे प्रभारी मंत्री श्री सिंह जिला भाजपा कार्यालय में जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों से भेंट करेंगे तथा उनकी समस्याओं एवं सुझावों से अवगत होंगे। इसके पश्चात वे अपराह्न 4:30 बजे बालाघाट से अपने ग्राम लोलरी जिला नरसिंहपुर के लिए प्रस्थान करेंगे और रात्रि 830 बजे ग्राम लोलरी पहुंचेंगें।

आवश्यकता है
10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई. की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।
-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

नगर पालिका बालाघाट में स्वनिधि महोत्सव

लोक कल्याण मेला एवं जनकल्याण शिविर का हुआ आयोजन, पीएम स्वनिधि योजना के हितग्राहियों को वितरित किए गए ऋण चेक एवं क्रेडिट कार्ड

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा 12 जून 2026 को नगर पालिका परिसर में स्वनिधि महोत्सव, लोक कल्याण मेला एवं जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना तथा स्वरोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। शिविर में बड़ी संख्या में हितग्राहियों ने भाग लेकर विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना (क्रूस्क्ष्वद्धस्नद्ब) के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति चेक वितरित किए गए। इसके साथ ही हितग्राहियों को क्रेडिट कार्ड प्रदान किए गए तथा डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डिजिटल एक्टिवेशन की प्रक्रिया भी संपन्न कराई गई। शिविर में स्ट्रीट वेंडर्स एवं छोटे व्यवसायियों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के अंतर्गत भी पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को योजना की जानकारी देकर अधिक से अधिक लोगों का पंजीयन कराया गया, जिससे उन्हें भविष्य में सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिल सके। शिविर में उपस्थित विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों द्वारा पात्र आवेदकों को त्वरित ऋण स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया पूरी की गई। बैंकर्स ने हितग्राहियों को वित्तीय समावेशन, डिजिटल बैंकिंग एवं स्वरोजगार संबंधी ऋण योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की। लोक कल्याण मेले में विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने विभागीय स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी एवं लाभ प्रदान किए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिलाओं एवं बच्चों के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई, वहीं स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार किया गया। श्रम विभाग ने श्रमिक कल्याण योजनाओं की जानकारी देकर पात्र श्रमिकों का पंजीयन किया तथा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा खाद्यान्न एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई गई।इसके अलावा अन्य विभागों द्वारा भी शासन की विभिन्न योजनाओं के संबंध में हितग्राहियों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया तथा पात्र व्यक्तियों को मौके पर ही योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया गया। शिविर में लोगों की समस्याओं एवं आवेदनों का भी निराकरण किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, सभापतिगण, नगर पालिका परिषद के पार्षदगण, पूर्व नगर पालिका अध्यरक्ष रमेश रंगलानी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सूर्यप्रकाश उके, अन्य जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक एवं हितग्राही उपस्थित रहे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने कहा कि शासन की योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास एवं कल्याण की सुविधाएं पहुंचाना है। स्वनिधि महोत्सव, लोक कल्याण मेला एवं जनकल्याण शिविर जैसे आयोजन शासन और जनता के बीच सेतु का कार्य कर रहे हैं तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ सरलता से उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कार्यक्रम का समापन हितग्राहियों को योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने तथा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के संदेश के साथ हुआ।

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्पलेक्स बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 9425138670
ललित बाघरेचा 9424765679

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

तालाब किनारे मवेशी चराते समय बाघ ने वृद्ध पर किया हमला-बाल-बाल बची जान

कटंगी वन परिक्षेत्र के बोरीखेड़ा में घटना के बाद दहशत

पहले भी हो चुकी हैं ऐसी घटनाएं

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के कटंगी वन परिक्षेत्र के तिरोड़ी थाना अंतर्गत ग्राम बोरीखेड़ा में वन्य प्राणी बाघ के हमले में एक वृद्ध घायल हो गया। 11 जून को दोपहर 4:00 बजे करीब यह घटना उस समय हुई जब यह वृद्ध मवेशी चराने के लिए खेत समीप तालाब तरफ गया था। घायल वृद्ध मिस्तरीलाल पिता टक्के कोकोटे 75 वर्ष को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। इस इलाके में पहले भी वन्य प्राणियों के हमले

की घटनाएं हो चुकी हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बोरीखेड़ा निवासी मिस्तरीलाल खेती-किसानी के साथ अपने घर के मवेशियों को चराने का कार्य करते हैं। उनके परिवार में पत्नी दो बेटियां एक बेटा और बहू हैं। रोज की तरह 11 जून को दोपहर करीब 4 बजे मिस्तरीलाल अपने घर से कुछ दूरी पर स्थित खेत के पास तालाब किनारे मवेशी चराने गए थे।बताया जा रहा है कि मवेशियों के चरने के दौरान एक भैंस तालाब के पानी में उतर गई थी। मिस्तरीलाल उसे बाहर निकालने के लिए तालाब की ओर बढ़े। तभी तालाब किनारे झाड़ियों में छिपे बाघ ने अचानक उन पर हमला कर दिया। बाघ ने पहले उनके दोनों पैरों को जबड़े में दबोच लिया और उन्हें घसीटने लगा। इसके बाद बाघ ने गले पर झपट्टा मारा।लेकिन मिस्तरीलाल ने बचाव में अपना दाहिना हाथ आगे कर दिया। बाघ ने उनके हाथ को पकड़कर खींचना शुरू कर दिया।हमले के दौरान मिस्तरीलाल की चीख-पुकार सुनकर परिवार के सदस्य और आसपास के ग्रामीण मौके की ओर दौड़े। लोगों की आवाज और भीड़ देखकर बाघ जंगल की ओर भाग गया। ग्रामीणों की मदद से घायल मिस्तरीलाल को पहले घर लाया गया। जिसके बाद 108 एंबुलेंस की सहायता से कटंगी अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहा से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया।घटना के बाद ग्रामीणों में भय व्याप्त है। कटंगी वन परिक्षेत्र के जंगल से लगे गांवों में पहले भी बाघ के हमले में ग्रामीण घायल हो चुके हैं और मौत भी हो चुकी है और इस क्षेत्र में बाघ की आवाजाही देखी गई है। जिससे लोगों में लगातार डर बना हुआ है।

एडमिशन से लेकर पास कराने तक की गारंटी हमारी, लेकिन लगेगा पैसा ?

पीजी कॉलेज में प्रवेश और परीक्षा में पास कराने के नाम पर वसूली के आरोप, दलालों की सक्रियता पर एबीवीपी ने की जमकर नारेबाजी, कार्यवाही की मांग को लेकर किया प्रदर्शन, रैली निकालकर दो पूर्व छात्रों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग, कॉलेज प्रबंधन व कोतवाली में सौंपा ज्ञापन, मांगें पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की भी दी चेतावनी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर के अग्रणी शासकीय पीजी कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया और परीक्षा परिणामों को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं।अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने आरोप लगाया है कि कॉलेज में एडमिशन दिलाने तथा परीक्षा में पास कराने के नाम पर छात्रों से पैसों की मांग की जा रही है। परिषद का कहना है कि इस पूरे मामले में कुछ दलाल सक्रिय हैं,जो विद्यार्थियों की मजबूरी का फायदा उठाकर अवैध वसूली कर रहे हैं।इन्हीं आरोपों को लेकर शुक्रवार को एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने कॉलेज परिसर में जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया।कार्यकर्ताओं ने कॉलेज से एक रैली निकालकर कोतवाली थाना में एक ज्ञापन भी सौंपा है। इस ज्ञापन में उन्होंने दो पूर्व छात्रों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने तथा मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है।वहीं ज्ञापन प्राप्त करने के बाद कॉलेज प्रबंधन एवं पुलिस अधिकारियों ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। अब सभी की नजर प्रशासन द्वारा उठाए जाने वाले अगले कदम पर टिकी हुई है।उधर छात्र संगठन एबीवीपी के पदाधिकारियों ने दलालों पर जल्द से जल्द कार्यवाही ना होने, सहित अन्य मांगे पूरी ना होने पर समस्त विघार्थियों को साथ लेकर उग्र आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

एडमिशन के लिए मांग रहे 10 हजार, तो परीक्षा में पास कराने के लिए प्रति विषय 500 रु

एबीवीपी पदाधिकारियों का आरोप है कि कुछ लोग कॉलेज प्रशासन का नाम लेकर छात्रों को गुमराह कर रहे हैं।जो एडमिशन और परीक्षा में पास कराने का झांसा देकर छात्रों से रकम वसूल रहे हैं। इससे कॉलेज की छवि धूमिल हो रही है और विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि 2 पूर्व छात्र ऐसे है जो महाविद्यालय में तगड़ी सेटिंग का दावा कर परीक्षा में पास कराने के लिए प्रति विषय 500 रु मांग रहे है तो वही एडमिशन के लिए छात्रों से 10 हजार, रु की रकम मांगी जा रही है।कुछ छात्रों के द्वारा उन्हें फोन पे के माध्यम और नगदी रकम भी दी गई है।जिनपर वैधानिक कार्यवाही करनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ठ किया कि यदि जल्द ही दलालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं की गई और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच नहीं कराई गई तो संगठन उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। इसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन और संबंधित विभागों की होगी। एबीवीपी ने मांग की है कि कॉलेज परिसर में ऐसे तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि विद्यार्थियों को भयमुक्त और पारदर्शी शैक्षणिक वातावरण मिल सके।

हमारे पास सबूत है,मांग पूरी ना होने पर करेंगे उग्र आंदोलन- आदित्य अग्रवाल

अभाविप जिला संयोजक आदित्य अग्रवाल ने बताया कि पीजी महाविद्यालय में पास कराने, प्रवेश कराने और टीसी जैसे दस्तावेजों को दिलवाने के नाम पर विद्यार्थियों से राशि वसुली जा रही है और यह हम प्रमाणिक रूप से कह रहे है। एडमिशन के नाम पर ऑनलाइन पैसे लिए गए हैं वही पास करने के लिए प्रत्येक विषय 500 रूपये मांगे जाते हैं हमारे पास 4 बच्चों ने शिकायत की है वही पैसे देने के सबूत भी है।परीक्षा में पास कराने के नाम पर दलालों द्वारा कुछ बच्चो को ठगा है। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय में सिडिंकेट रूप से यह काम किया जा रहा है। हम प्रशासन और पुलिस से मांग करते हुए महाविद्यालय में चल रही शिक्षा की दलाली पर रोक लगाई जाए और विद्यार्थियों से अनैतिक रूप से वसुली पर लगाम लगाई जाए।यदि मांग पूरी नहीं होती तो जल्द ही एबीवीपी के बैनर तले उग्र आंदोलन किया जाएगा।

ऐसे आरोप अस्वीकार्य है- मरठे

हालांकि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के महाविद्यालय में दलाली जैसे आरोप को प्राचार्य अशोक कुमार मरठे ने गलत बताया है। दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान उन्होंने बताया कि प्रवेश तो ऑनलाईन है और आरोपो जैसी गतिविधियां कभी महाविद्यालय में हमें दिखाई नहीं दी। उन्होंने बताया कि यह आरोप अस्वीकार्य है।हालांकि पुलिस ने आवेदन लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया है कि मामले की जांच कराई जाएगी।

चार बच्चों की मां की निर्मम हत्या

हत्यारे ने काट दी महिला की गर्दन,बैहर के मोदीनगर का मामला, लहूलुहान हालत में निर्माणाधीन मकान में मिला शव, अज्ञात आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। थाना क्षेत्र बैहर के मोदी नगर में शुक्रवार को उस वक्त सनसनी फैल गई जब किसी अज्ञात हत्यारे ने, धारदार हथियार से चार बच्चों की मां की गर्दन काटकर उसकी हत्या कर दी। मामला बैहर के मोदी नगर स्थित एक निर्माणाधीन मकान का बताया गया है,जहां महिला का शव शुक्रवार की सुबह लहुलुहान हालत मिला है। मृतक महिला का नाम सविता पति स्व. जगानंद धुर्वे (35), बताया गया है।हालांकि यह हत्या किसने की और क्योंकि, फिलहाल यहां स्पष्ट नहीं हो पाया है उधर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बेटियों ने मां की कटी गर्दन देखी, तो मची चीख पुकार

प्राप्त जानकारी के अनुसार सविता पति जगानंद धुर्वे (35), चार बच्चों की मां थी। जिसके पति का निधन पूर्व हो चुका है, वह अपनी बेटियो के साथ रहती थी।बताया गया कि गुरुवार की रात को सविता, घर पर नहीं थी। उसकी दो बेटियां, गुरुवार शाम को काम से लौटी और मां की आसपास तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। जिसके बाद रात को खाना खाकर सो गए।जिसके अगले दिन शुक्रवार को बेटियां, अपने नए निर्माणाधीन मकान में पहुंची तो देखा कि मां सविता धुर्वे का शव खून से सनी हालत में पड़ा था।उसकी गर्दन कटी हुई थी।यह देखते ही वहां चीख पुकार मच गई।जिसके बाद आसपास के लोगो को बेटियों ने जानकारी दी। उधर घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।हालांकि महिला की मौत के कारणों और हत्या के पीछे की वजह का पता लगाने के लिए पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है।घटना से बाद से क्षेत्र में डर और मातम का माहौल है।

परिचितों पर जताया जा रहा हत्या का शक,जांच में जुटी पुलिस

सविता धुर्वे का रक्तरंजित शव मिलने से सनसनी फैल गई। महिला की आधी गर्दन कटी हुई थी। महिला की हत्या की आशंका, उसके परिचित पर जताई जा रही है।बताया गया की महिला का सबसे पहले शव,उसकी बेटियो ने देखा।शव में महिला की गर्दन लटकी हुई थी शरीर, चित्त हालत में पड़ा था। घटना की सूचना मिलने के बाद बैहर पुलिस और बालाघाट से पहुंची एफएसएल टीम ने घटनास्थल की बारिकी से जांच की। हालांकि अब तक हत्या की वजह साफ नहीं हो सकी है। वही बेटिया, कुछ बोलने की हालत में नहीं है।

मामले की जांच जारी है-मर्सकोले

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान बैहर थाना प्रभारी जयंत मर्सकोले ने बताया कि आज सुबह घटना की जानकारी मिली थी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर महिला का शव बरामद कर लिया गया है, मामले में हत्या की कायमी की गई है,जिसमें जांच की जा रही है।

नए शिक्षा सत्र से पहले स्कूल भवनों की बदहाल तस्वीर उजागर, 249 स्कूल जर्जर, बच्चों की सुरक्षा पर खतरा

110 भवन विभाग ने घोषित किए खतरनाक,139 की जांच जारी, स्कूलों की बदहाली पर उठे सवाल, प्रभारी मंत्री के दौरे से जगी उम्मीद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्कूलों की गर्मी की छुट्टियां अब समाप्ति की ओर हैं और कुछ ही दिनों में नया शिक्षा सत्र शुरू होने वाला है। ऐसे समय में जिले के सरकारी स्कूलों की आधारभूत सुविधाओं को लेकर चिंताजनक जानकारी सामने आई है। आंकड़ों के अनुसार कक्षा पहली से आठवीं तक संचालित जिले के विभिन्न ब्लॉकों के लगभग 249 स्कूल भवन जर्जर स्थिति में हैं, जिससे विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इन स्कूलों का निरीक्षण किया है। निरीक्षण में 110 स्कूल भवनों को पूरी तरह जर्जर और असुरक्षित घोषित किया गया है, जबकि 139 अन्य स्कूलों का सत्यापन और तकनीकी जांच अभी जारी है। विभागीय अधिकारियों का मानना है कि जांच पूरी होने के बाद जर्जर स्कूलों की संख्या और बढ़ सकती है। स्कूल भवनों की खराब स्थिति के कारण कई जगह विद्यार्थियों की पढ़ाई वैकल्पिक व्यवस्थाओं के सहारे संचालित की जा रही है। कहीं कक्षाएं सामुदायिक भवनों में लग रही हैं तो कहीं आंगनबाड़ी केंद्रों और वन विभाग के भवनों में बच्चों को पढ़ाया जा रहा है। इससे शिक्षा व्यवस्था प्रभावित होने के साथ-साथ विद्यार्थियों और शिक्षकों को भी अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

एक ओर सरकार शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए लगातार नई-नई योजनाएं संचालित कर रही है, वहीं दूसरी ओर जिले के सरकारी स्कूलों की जर्जर होती आधारभूत संरचना इन प्रयासों पर सवाल खड़े कर रही है। जिले में आज भी सैकड़ों ऐसे स्कूल भवन मौजूद हैं जो पूरी तरह जर्जर हो चुके हैं और जहां बच्चों का अध्ययन करना जोखिम भरा साबित हो सकता है। जिले में जर्जर स्कूल भवनों की स्थिति जानने के लिए जब शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारी भास्कर शिव से अनौपचारिक चर्चा की गई तो उन्होंने चिंताजनक आंकड़े सामने रखे। उपलब्ध जानकारी के अनुसार जिले में लगभग 249 स्कूल भवन जर्जर श्रेणी में शामिल हैं। इनमें से 110 स्कूलों को विभाग द्वारा जर्जर घोषित किया जा चुका है, जबकि 139 अन्य स्कूल भवनों की तकनीकी जांच लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा की जा रही है, ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि वे कितने प्रतिशत क्षतिग्रस्त और उपयोग के लिए असुरक्षित हैं। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि लगभग 77 स्कूल ऐसे हैं जो भवनों के जर्जर होने के कारण अन्य शासकीय भवनों, सामुदायिक परिसरों अथवा निजी भवनों में संचालित किए जा रहे हैं। ऐसे में विद्यार्थियों और शिक्षकों दोनों को अनेक व्यावहारिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर पर्याप्त कक्षों के अभाव में बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। शासन स्तर पर अब तक केवल 36 नए स्कूल भवनों को स्वीकृति मिली है। इनमें से दो भवनों का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जबकि सात भवन बनकर तैयार हो चुके हैं। शेष भवनों के निर्माण की प्रक्रिया अभी भी विभिन्न चरणों में है। यदि आंकड़ों पर नजर डालें तो जिले में जर्जर भवनों की संख्या और स्वीकृत नए भवनों के बीच बड़ा अंतर दिखाई देता है। सैकड़ों जर्जर स्कूलों के मुकाबले केवल 36 भवनों की स्वीकृति यह संकेत देती है कि आने वाले समय में भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी जर्जर या वैकल्पिक भवनों में पढ़ाई करने को मजबूर रह सकते हैं। ऐसे में शिक्षा विभाग और शासन की प्राथमिकताओं पर भी सवाल उठने लगे हैं। इधर नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो चुका है और कुछ ही दिनों में विद्यार्थियों की ग्रीष्मकालीन छुट्टियां भी समाप्त होने वाली हैं। ऐसे में बच्चों की वापसी से पहले जर्जर स्कूल भवनों की मरम्मत या नए भवनों के निर्माण को लेकर कोई विशेष प्रगति दिखाई नहीं देना चिंता का विषय बना हुआ है। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए केवल योजनाएं और घोषणाएं ही पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि सुरक्षित और सुविधायुक्त विद्यालय भवन भी उतने ही आवश्यक हैं। गौरतलब है कि 13 जून को जिले के प्रभारी मंत्री एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह जिले के दौरे पर रहने वाले हैं। ऐसे में जिले के जर्जर स्कूल भवनों का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। अब देखने वाली बात होगी कि शिक्षा मंत्री के इस दौरे से जिले के सैकड़ों जर्जर स्कूलों को कोई राहत मिलती है या फिर विद्यार्थियों और शिक्षकों को इसी तरह असुरक्षित भवनों में पढ़ाई और अध्यापन जारी रखना पड़ेगा।

16 जून से 15 अगस्त तक मत्स्याखेट पर पूर्ण प्रतिबंध

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश नदीय मत्स्य उद्योग नियम 1972 की धारा 3(2) तथा संशोधित अधिनियम 1981 के प्रावधानों के तहत राज्य में 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि को मत्स्य प्रजनन एवं वंशवृद्धि संरक्षण के उद्देश्य से बंद ऋतु (क्लोज सीजन) घोषित किया गया है। कलेक्टर मृणाल मीना ने जिले में इस अवधि में मत्स्याखेट पर पूर्ण प्रतिबंध के आदेश जारी कर दिये है। इस दौरान जिले की नदियों, जलाशयों एवं निर्दिष्ट जलक्षेत्रों में मत्स्याखेट, मत्स्य परिवहन तथा मत्स्य विपणन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। सहायक संचालक मत्स्योद्योग सुश्री पूजा रोडगे ने बताया कि यह प्रतिबंध उन छोटे तालाबों एवं जल स्त्रोतों पर लागू नहीं होगा, जिनका किसी नदी से संबंध नहीं है और जिन्हें निर्दिष्ट जल की परिभाषा में शामिल नहीं किया गया है। इसके अतिरिक्त समस्त नदियों और जलाशयों में बंद ऋतु के दौरान किसी भी प्रकार का मत्स्याखेट प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने बताया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रावधानों के अनुसार दोषी पाए जाने पर एक वर्ष तक का कारावास, पांच हजार रुपये तक का जुर्माना अथवा दोनों दंड दिए जा सकते हैं।

ट्रेन में चढ़ते समय छात्रा को आया चक्कर, प्लेटफॉर्म पर गिरकर हुई घायल

परीक्षा देकर घर लौट रही थी बीएससी की छात्रा, रेलवे पुलिस ने पहुंचाया जिला अस्पताल

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। स्थानीय रेलवे स्टेशन में शुक्रवार को एक छात्रा ट्रेन में चढ़ते समय अचानक चक्कर आने से प्लेटफॉर्म पर गिर गई। हादसे में छात्रा के सिर में चोट आई।जिसके बाद उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया। यह घायल छात्रा प्रिया पिता मोहनलाल राहंगडाले 20 वर्ष ग्राम देवगांव थाना किरनापुर निवासी बताई गई है जिसका इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रिया बालाघाट के गर्ल्स कॉलेज में बीएससी की पढ़ाई कर रही है। इन दिनों उसकी परीक्षाएं चल रही हैं। परीक्षा के चलते वह पिछले 5-6 दिनों से ग्राम पिपरझरी स्थित अपनी मौसी के घर रह रही थी और ट्रेन से बालाघाट आना-जाना कर रही थी।बताया गया है कि 12 जून की सुबह करीब 8 बजे प्रिया ट्रेन से पिपरझरी से बालाघाट परीक्षा देने आई थी। परीक्षा समाप्त होने के बाद दोपहर करीब 12 बजे वह पैदल रेलवे स्टेशन पहुंची और पिपरझरी लौटने के लिए ट्रेन का इंतजार करने लगी।इसी दौरान लंबे समय तक भूखे रहने के कारण उसकी तबीयत बिगड़ने लगी और उसे चक्कर आने लगे। दोपहर करीब 1 बजे जब ट्रेन स्टेशन पर पहुंची और वह ट्रेन में चढ़ने लगी। तभी अचानक चक्कर आने से वह प्लेटफॉर्म पर गिर पड़ी। गिरने से उसके सिर में चोट लग गई और वह घायल हो गई।घटना के बाद रेलवे स्टेशन में मौजूद रेलवे पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए छात्रा को अपनी मोटरसाइकिल

से जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां उसका उपचार जारी है।घटना के बाद रेलवे स्टेशन में कुछ देर अफरा-तफरी का माहौल बन गया था।

बड़ी दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा सर्राटी नदी गाडर का ब्रिटिशकालीन लोहे का पुल, विभाग की अनदेखी पड़ सकती है भारी

अत्यंत जर्जर स्थिति में पहुंचा पुल, जगह-जगह से टूट रही हैं लोहे की रॉड, एंगल की हो रही चोरियां, जिम्मेदार मौन, जीर्णोद्धार की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 2 किमी. दूर ग्राम अमोली-आमाटोला ददिया मार्ग से गुजरी वैनगंगा ढूटी वीयर बड़ी नहर के ऊपर से गाडर के समीप ब्रिटिशकालीन लोहे का पुल इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। अत्यंत पुराना होने के कारण यह पुल पूरी तरह से जर्जर और कमजोर हो चुका है, जो कभी भी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस ब्रिटिशकालीन लोहे के पुल का मरम्मत कार्य करवाने हेतु कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। साथ लोहे के एंगल की चोरियां भी की जा रही है और लोहे के रॉड जगह-जगह से टूटने लगे है, जिससे पुल कमजोर हो चुका है। अगर ओवरलोड वाहन के गुजरने पर लोहे का पुल किसी भी समय टूटकर धराशायी हो सकता है जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। जबकि लंबे समय से जर्जर हो चुके लोहे के पुल का मरम्मत कार्य करवाने की मांग की जा रही है। लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे शासन-प्रशासन के प्रति लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

पुल के ऊपर से बड़े एवं ओवरलोड वाहनों पर प्रतिबंध लगाने की मांग

आपको बता दे कि अंग्रेजों के शासनकाल में वैनगंगा ढूटी वीयर बड़ी नहर का निर्माण किया गया है एवं सर्राटी नदी नहर के ऊपर से गुजरी है और उक्त स्थान से आवागमन का साधन न होने पर लोहे का पुल का निर्माण करवाया गया था। पुल के ऊपर से दुपहिया एवं चौपहिया वाहन सहित ग्रामीणजन आना-जाना करते है परन्तु लंबे समय से किसी प्रकार का मरम्मत कार्य नही होने के कारण पुल जर्जर हो चुका है। साथ ही अज्ञात चोरों के द्वारा लोहे के एंगल जो सुरक्षा की दृष्टि से पुल के उपर लगाये गये है, उसकी भी चोरियां की जा रही है। ऐसी स्थिति में पुल से गुजरते समय अगर बाईक अनियंत्रित होती है या बरसात के दिनों में नदी से पानी बहते समय कोई व्यक्ति लोहे के एंगल को पकड़कर नीचे देखते समय अनियंत्रित हो जाता है तो वहां सीधे 30 फीट नीचे नदी में गिर सकता है जिससे बड़ा हादसा घटित हो सकता है एवं पूर्व में भी इस तरह की दुर्घटनाएं भी घटित हो चुकी है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जल्द पुल के ऊपर से बड़े एवं ओवरलोड वाहनों पर प्रतिबंध नही लगाया गया तो किसी भी समय बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है।

पुल के जीर्णोद्धार या नये पुल के निर्माण की स्वीकृति दिलवाने की उठी मांग

ब्रिटिश शासन काल में निर्मित यह लोहे का पुल क्षेत्र के दर्जनों गांवों को आपस में जोड़ने वाली मुख्य लाइफलाइन है। प्रतिदिन ग्रामीण, स्कूली बच्चे और राहगीर इसी पुल से होकर आवागमन करते हैं। वर्तमान में खरीफ सीजन की तैयारियां शुरू होने वाली हैं, ऐसे में क्षेत्र के किसान भी अपने भारी-भरकम कृषि उपकरण, ट्रैक्टर-ट्रॉली आदि लेकर इसी पुल से गुजरते हैं। पुल के कमजोर होने से अब हर समय जान-माल का खतरा बना रहता है। वहीं स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पुल के मुख्य ढांचे में बड़ी-बड़ी दरारें आ चुकी हैं। नीचे लगी लोहे की रॉड और एंगल जंग खाकर जगह-जगह से टूट चुके हैं। भारी वाहन गुजरते समय पूरा पुल थरथराने (कंपन करता) लगता है। ग्रामीण एवं किसानों ने बताया कि 100 साल पहले अंग्रेजों के शासनकाल में वैनगंगा ढूटी वीयर बड़ी नहर का निर्माण के साथ ही पुल-पुलियों का भी निर्माण किया गया था जिसके बाद विगत वर्ष पूर्व नहर का करोड़ों रूपयों की लागत से सीमेन्ट्रीकरण किया गया है परन्तु पुल का निर्माण नही करवाया गया है। साथ ही यह भी बताया कि अमोली-आमाटोला पहुंच मार्ग के बीच से वैनगंगा ढूटी वीयर बड़ी नहर गुजरी है जो आगे बैलगांव होते हुए मिरेगांव, निलजी सहित अन्य ग्रामों को जो जाती है और ढूटी बांध का पानी नहर के माध्यम से क्षेत्र के किसानों के खेतों में पहुंचता है जिससे फसल की सिंचाई होती है परन्तु अमोली-बेलगांव की सीमा सर्राटी नदी गाडर के बीच में नदी होने के कारण आवागमन करने में परेशानी को देखते हुए अंग्रेजों के शासनकाल में लोहे का पुल का निर्माण किया गया था परन्तु समय-समय पर मरम्मत कार्य नही होने एवं ट्रेक्टर, पीकअप व अन्य भारी वाहनों के आवागमन के कारण पुल क्षतिग्रस्त हो चुका है और लोडिंग वाहन के गुजरते ही पुल कम्पन करने लगता है। जिससे ऐसा लगता है कि किसी भी समय पुल क्षतिग्रस्त हो सकता है एवं पुल से गुजरते समय सावधानीपूर्वक आना-जाना करना पड़ता है क्योंकि सुरक्षा के लिए जो लोहे के एंगल लगाये गये थे उसे अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी की जा रही है। साथ ही यह भी बताया कि इस मार्ग से मोटरसाइकिल, साइकिल व पैदल आने-जाने वाले लोग आवागमन करते है अगर बाईक अचानक अनियंत्रित होती है तो व्यक्ति सीधे 30 फीट नीचे नदी में गिर सकते है जिससे उसकी मौत भी हो सकती है। ग्रामीण एवं राहगीरों ने पुल का जीर्णोद्धार एवं नवीन पुल का निर्माण करवाने एवं पुल के दोनों ओर भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक के संकेतक बोर्ड लगाये जाने की मांग की है।

लोहे का पुल कमजोर हो चुका है - दिनेश

किसान कांग्रेस पूर्व उपाध्यक्ष दिनेश मरार ने बताया कि अमोली से आमाटोला पहुंच मार्ग के बीच से गुजरी ढूटी वीयर वैनगंगा बड़ी नहर गाडर सर्राटी नदी के ऊपर अंग्रेजों के शासनकाल का बना लोहे का पुल जर्जर हो चुका है और अज्ञात चोरों के द्वारा लोहे के एंगल की चोरियां की जा रही है। साथ ही जगह-जगह बड़े-बड़े होल हो चुके है, अगर कोई मवेशी पुल के ऊपर से गुजरता है और उनके पैर उक्त होल (दरार) में जाते है तो बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। श्री मरार ने बताया कि लोहे का पुल जानलेवा बन गया है और पुल के ऊपर से गुजरते समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है अगर वाहन अनियंत्रित होते है तो सीधे नदी में 25 से 30 फीट नीचे गिरेगें जिससे उनकी जान भी जा सकती है। इसलिए जल संसाधन विभाग से मांग है कि पुल का जीर्णोद्धार, नये पुल का निर्माण करवाये एवं बड़े वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाये।

स्वास्थ्य व्यवस्था की खुली पोल, समय पर इलाज न मिलने से 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत

परिजनों में भारी आक्रोश, परिवार का मुखिया था मृतक छबिलाल नागेश्वर, लापरवाह चिकित्सक पर कार्यवाही की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा में एक बार फिर स्वास्थ्य सेवाओं की कथित लापरवाही के चलते एक परिवार का चिराग बुझ गया। समय पर उचित डॉक्टरी इलाज नहीं मिलने के कारण 12 जून को एक 45 वर्षीय व्यक्ति को अपनी जान गंवानी पड़ी। जिसका मुख्य कारण है कि जिस चिकित्सक की ड्यूटी अस्पताल में थी वह नदारत था। जिस कारण से समय पर इलाज नही मिलने से परिवार के मुखिया की मौत हो गई। इस दु:खद घटना के बाद

से मृतक के परिवार में मातम पसरा हुआ है। साथ ही ग्रामीणों और परिजनों में अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ भारी आक्रोश देखा जा रहा है। वहीं मृत व्यक्ति के परिजनों एवं ग्रामीणों ने ड्यूटी में तैनात रहने के बाद अस्पताल से गायब चिकित्सक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए प्रशासन से ऐसे लापरवाह चिकित्सक पर कठोर कार्यवाही करने की मांग की है।

अस्पताल की व्यवस्था में सुधार करने की उठी मांग

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत पांदरवानी के अंतर्गत आने वाले ग्राम आमाटोला निवासी 45 वर्षीय छबिलाल नागेश्वर अपने तीन साथियों के साथ आमाटोला निवासी शैलेष रंगारे के मकान में शुक्रवार को काम करने गये थे तभी शाम में अचानक उनकी तबियत खराब हुई और वे गिर गये। जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ते देख उनके साथी एवं मकान मालिक ने आनन फानन में उन्हें शाम करीब 6 बजे उपचार के लिए शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा लेकर पहुंचे, जहां पर समय पर चिकित्सक नहीं होने व उपचार नहीं मिलने से उसकी मौत हो गई। वहीं मृत व्यक्ति के परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में भर्ती करवाने के काफी देर बाद तक भी मरीज को कोई आपातकालीन चिकित्सा या वरिष्ठ डॉक्टर की सेवाएं नहीं मिल सकीं। परिजनों ने बताया कि वे बार-बार डॉक्टरों और ड्यूटी स्टाफ से इलाज शुरू करने की गुहार लगाते रहे, लेकिन अस्पताल प्रशासन की ओर से संवेदनहीनता नही दिखाई गई। सही समय पर प्राथमिक उपचार और दवाइयां न मिलने के कारण छबिलाल की हालत लगातार बिगड़ती चली गई और अंतत: उन्होंने अस्पताल परिसर में ही तड़प तड़प कर दम तोड़ दिया। वहीं परिजनों का कहना है वे समय पर मरीज को अस्पताल लेकर आ गये थे और डॉक्टरों ने तुरंत इलाज शुरू कर दिया होता तो आज हमारे घर का सदस्य (परिवार) का मुखिया हमारे बीच होता। यह सीधे तौर पर अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही है। छबिलाल नागेश्वर की असमय मौत की खबर जैसे ही उनके गृह ग्राम आमाटोला पांदरवानी पहुंची तो पूरे गांव में शोक की लहर व्याप्त हो गई है। इस घटना ने एक बार फिर लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की बदहाल व्यवस्थाओं और आपातकालीन सेवाओं पर बड़े सवालिया निशान खड़े कर दिये हैं। क्षेत्र के नागरिकों ने मांग की है कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की जाये और दोषी डॉक्टरों व स्टाफ के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्यवाही करने की मांग की है। ताकि भविष्य में किसी और मासूम को अपनी जान न गंवानी पड़े। वहीं बीएमओ डॉ. रितु धुर्वे से दूरभाष पर अस्पताल में ड्यूटी में तैनात चिकित्सक के उपस्थित नही रहने एवं अस्पताल में भर्ती मरीज को समय पर उपचार नही मिलने से उसकी मौत हो जाने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

समय पर नही मिला इलाज - इंद्रराज

इंद्रराज मेश्राम ने बताया कि आमाटोला में शैलेष रंगारे के घर में मकान का निर्माण कार्य जारी था, जहां हम लोग छबिलाल के साथ काम कर रहे थे, तभी अचानक उनका स्वास्थ्य खराब हुआ और बेहोश होकर नीचे गिर गये। जिसके बाद 108 एम्बुलेंस को फोन लगाये तो वह काफी देर बाद पहुंची जिससे छबिलाल को लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शाम 6 लेकर आये किन्तु एक घंटे से भी अधिक का समय बीत जाने के बाद भी कोई डॉक्टर अस्पताल नही पहुंचा और समय पर इलाज नही मिलने से उसकी मौत हो गई। श्री मेश्राम ने बताया कि अस्पताल के चिकित्सकों की लापरवाही से छबिलाल की मौत हुई है, अगर समय पर इलाज मिल जाता तो उसकी जान बच जाती, लापरवाह चिकित्सक पर कार्यवाही होनी चाहिए।

आशा पर्यवेक्षकों को 5 माह से नही मिला मानदेय, आर्थिक संकट से जूझ रही पर्यवेक्षक

बीएमओं के नाम सौंपा ज्ञापन, 7.88 लाख रूपये का भुगतान लंबित, विभागीय कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल, जल्द मानदेय दिलवाने की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा अंतर्गत कार्यरत आशा पर्यवेक्षकों का लंबे समय से लंबित भुगतान अब बड़ा प्रशासनिक मुद्दा बनता दिखाई दे रहा है। करीब 5 माह से आशा पर्यवेक्षकों को मानदेय एवं अन्य देय राशि प्राप्त नहीं होने से परेशान आशा पर्यवेक्षकों ने 12 जून को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचकर बीसीएम श्रीमती सपना धुर्वे को खंड चिकित्सा अधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपकर जल्द 5 माह का मानदेय दिलवाने की मांग की है। वहीं मांगे पूरी नही होने पर कठोर कदम उठाने की प्रशासन को चेतावनी भी दी है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि सभी आशा पर्यवेक्षक शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्रामों में लगातार फील्ड कार्य, विभागीय गतिविधियों एवं विभिन्न योजनाओं का दायित्व नियमित रूप से करते है। लेकिन कार्य के अनुरूप भुगतान समय पर नहीं किया जा रहा। जिसके कारण हम लोग मानसिक रूप से परेशान है एवं जीविकोपार्जन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। फरवरी 2026 से यानि 5 माह का मानदेय अब तक नही मिला है। इसके अलावा जनवरी 2026 माह की प्रति आशा पर्यवेक्षक 6,633 रूपये की राशि भी लंबित है। वहीं अगस्त, सितंबर, अक्टूबर एवं नवंबर 2025 की बढ़ी हुई अतिरिक्त राशि 633 रूपये प्रति माह भी अब तक जारी नहीं की गई है। इस तरह से एक-एक कर्मचारी का कुल लंबित भुगतान लगभग 71,697 रूपये तक पहुंच चुका है। लालबर्रा विकासखंड में वर्तमान में कार्यरत 11 आशा पर्यवेक्षकों का कुल लंबित भुगतान लगभग 7,88,667 (सात लाख अट्ठयासी हजार छ: सौ सड़सठ रूपये) बाकी है। समय पर भुगतान नही होने से सभी आशा पर्यवेक्षक परेशान है। जबकि लंबे समय से प्रशासन से जल्द भुगतान करवाने की मांग कर रहे है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा हमारी मांगों की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। वहीं आशा पर्यवेक्षकों का कहना है कि विभागीय स्तर पर कार्यों को लेकर निरंतर दबाव बनाया जाता है, लेकिन भुगतान संबंधी जानकारी, समयसीमा या समाधान स्पष्ट नहीं किया जाता। उनका आरोप है कि सीमित संसाधनों और व्यक्तिगत खर्च पर क्षेत्रीय कार्यों का निर्वहन किया गया, फिर भी समय पर भुगतान नहीं होने से कई कर्मचारियों को परिवार चलाने के लिए निजी उधार एवं ब्याज पर राशि लेना पड़ रहा है। लगातार बढ़ते आर्थिक बोझ के कारण पारिवारिक जीवन प्रभावित हो रहा है। इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि 5 माह का एक साथ मानदेय दिलवाये।

5 माह का नही मिला है मानदेय - ममता

आशा पर्यवेक्षक श्रीमती ममता भोयर ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के द्वारा फील्ड कार्य, विभागीय गतिविधियों एवं विभिन्न योजनाओं का दायित्व सौंपा गया है जिसका हम लोग ईमानदारी से निर्वहन करते हुए अपना कार्य करते है। लेकिन फरवरी 2026 से वर्तमान समय यानि की 5 माह का मानदेय नही मिला है। इस तरह से हम फील्ड में लगातार कार्य कर रहे हैं लेकिन भुगतान नहीं मिलने से कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्रीमती भोयर ने बताया कि समय पर मानदेय नहीं मिलने से दूसरे से कर्ज एवं रूपये उधार लेकर जीविकापार्जन कर रहे है और मानदेय भी बहुत कम मिलता है, इतनी महंगाई में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि 5 माह का मानदेय जल्द दिलवाये।

इनका कहना है-

शासन स्तर से ही बजट का अभाव है, हमारे द्वारा सभी आशा पर्यवेक्षकों का मानदेय दिये जाने पूर्व में भी उच्चाधिकारियों को अवगत करवा दिया गया है, बजट आते ही मानदेय उनके खातों में आ जायेगी।

डॉ. रितु धुर्वे
बीएमओं
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा।

क्षेत्र में बिजली कटौती से ग्रामीणजन परेशान

विद्युत ट्रांसफार्मर, पोल एवं तार में तकनीकी खराबी है तो उसमें सुधार का नियमित रूप से बिजली प्रदाय करने की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित ग्राम पंचायत खमरिया एवं आसपास के ग्रामीण अंचलों में बार-बार बिजली कटौती होने से क्षेत्रीयजनों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही रात्रि के समय बिजली कटौती होने से ग्रामीणों को अंधेरे में रात गुजारनी पड़ती है और रात्रि के समय अंधेरा रहने पर कीड़े-मकोड़े के काटने का डर बना हुआ है। साथ ही गर्मी लगने से लोग परेशान है इसलिए विद्युत विभाग से बिजली कटौती बंद कर 24 घंटे बिजली प्रदाय करने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि दिन में तेज धुप लगने के बाद रात्रि में उमस गर्मी पड़ने से क्षेत्रीयजन परेशान है। साथ ही लालबर्रा एवं खमरिया क्षेत्र में लगातार बिजली कटौती की जा रही है और बिजली की आंख-मिचौली से विद्युत विभाग के प्रति लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। साथ की मौसम बदलने के साथ ही तेज आंधी-तूफान चलने से विद्युत पोल एवं तार क्षतिग्रस्त होने से भी बार-बार बिजली गुल होती है जिससे क्षेत्रीयजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जबकि ग्रामीणजनों के द्वारा विद्युत विभाग को बिजली कटौती से हो रही समस्या से अवगत करवा दिया गया है उसके बावजूद भी बार-बार बिजली कटौती की जा रही है। ग्रामीणजनों ने विद्युत विभाग से विद्युत ट्रांसफार्मर, पोल एवं तार में तकनीकी खराबी आ गई है तो उसमें सुधार का नियमित रूप से बिजली प्रदाय करने की मांग की है।

फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर लाखों की धोखाधड़ी

वारासिवनी में पूर्व सरपंच राजा अली और साथियों के खिलाफ थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। ट्रेडिंग के नाम पर अधिक मुनाफे का लालच देकर क्षेत्र के भोले भाले लोगों की गाढ़ी कमाई हड़पने का एक बड़ा मामला प्रकाश में आया है। वारासिवनी वार्ड नंबर १ के निवासी नागेंद्र रंगारे,मिनाज अली , शहिद खान, आदिल कुरैशी सहित कई अन्य पीड़ित नागरिकों ने पुलिस थाना वारासिवनी के थाना प्रभारी को लिखित शिकायत देकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ितों ने ग्राम वारा के पूर्व सरपंच रिजवान उर्फ राजा अली ,मुद्दसर, तौसीफ और फरहान पर फॉरेक्स ट्रेडिंग के बहाने लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने और पैसे वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। थाने में सौंपी गई शिकायत में बताया कि रिजवान उर्फ राजा अली ने पीडित नागेंद्र रंगारे, मिनाज अली , आदिल कुरैशी, शहिद खान और अन्य लोगों से लगातार संपर्क साधकर उन्हें एक तथाकथित ट्रेडिंग कंपनी में निवेश करने के लिए प्रेरित किया था। और दावा किया था कि वह स्वयं उस कंपनी में काम करता है और कई बड़े व नामी लोग इसमें पैसा लगाकर भारी मुनाफा कमा रहे हैं। लगातार दिए गए प्रलोभनों के बाद पीडितों को झांसा दिया कि यदि वे एकमुश्त राशि जमा करते हैं तो उन्हें प्रति माह ५ प्रतिशत की दर से लाभांश दिया जाएगा। साथ ही यह आश्वासन भी दिया था कि यदि कंपनी डूबती है तो वह अपने पास से पूरा पैसा वापस लौटाएगा।

फर्जी ऐप और आईडी बनाकर की धोखाधड़ी

पीड़ितों का आरोप है कि पैसे लेने के बाद रिजवान अली ने उन्हें एक ऑनलाइन आईडी और पासवर्ड बनाकर दिया था जिसमें उनकी बैंक डिटेल फीड थी। शुरुआत में कुछ महीनों तक ५ प्रतिशत की दर से राशि दी गई लेकिन कुछ समय बाद आईडी से ट्रांजैक्शन बंद हो गया। जब पीड़ितों ने इस पर आपत्ति जताई तो तकनीकी खराबी का बहाना बनाया और बाद में पता चला कि राजा अली ने स्वयं की गारंटी लेते हुए ट्रेडिंग कंपनी के नाम पर एक फर्जी मोबाइल ऐप तैयार किया था। इस फर्जी ऐप के जरिए शुरुआत में थोड़ा लाभ दिखाकर पीड़ितों का विश्वास जीता गया और बाद में पूरा पैसा ब्लॉक कर दिया गया। प्रचार प्रसार के लिए राजा अली के व्हाट्सएप ग्रुप मोबाइल नंबर ९९२६८४४५८३ एवं ९४२५४४७३३१ का भी संचालन किया जा रहा था।

राजा अली ने मुझे ट्रेडिंग लाभांश का झासा देकर फसाया- नागेंद्र रंगारे

पीड़ित नागेंद्र रंगारे ने बताया कि मैं वार्ड नंबर एक रहता हूं २०२४ में वारा के पूर्व सरपंच राजा अली ने मुझे बुलाया और ट्रेडिंग के बारे में समझाया ।मुझे रिस्क पता था पर उन्होंने ६ प्रतिशत हर महीने मिलने की बात कहीं और मुझे लेकर

अपनी प्रॉपर्टी दिखाने गए और कहां की तुमने नौकरी में क्या कमाया है ।कई सम्मानजनक लोगों के नाम भी बताएं कि इन्होंने इन्वेस्ट किया है तो इन्होंने मुझे पहली बार ३ लाख और फिर दो.दो लाख कर ७ लाख रुपए मेरे लगाएं मेरे खाते को एक अपने ऐप में जोड़ा। इसमें राजा अली इनवेस्ट करता था हम लोगों से केवल ओटीपी मांगता है राजा अली ,मुदस्सर ,फरहान और तौसीफ यह चार लोग है जब हमने रुपए मांगने के लिए संपर्क किया तो इन्होंने देने से इनकार कर दिया।

वारासिवनी में यह मामला २५ करोड़ का है जो राजा अली ने सबको फसाया है- मिनाज अली

मिनाज अली ने बताया कि मैं वार्ड नंबर ७ में रहता हूं राजा अली ने मोबाइल पर संपर्क मुझे किया ट्रेडिंग का बताया लगने वाले पैसे की फुल गारंटी ली । भरोसा बताया तो हमने भी अपने रुपए लगा दिए तीन से चार महीने अच्छा वापस दिया और फिर अचानक बंद कर दिया। पूछने पर टालमटोल करने लगे मैंने पहले ५ लाख फिर ४ लाख ऐसे कुल ९ लाख रुपए मेरे हैं । यह मामला बहुत बड़ा है करीब वारासिवनी में २५ करोड रुपए का मामला है। इन्होंने पूरे रुपए समेट कर प्रॉपर्टी खरीद ली है अब कहते हैं कि जो बनता है कर लो जबकि इन्हें वादे के अनुसार हमें हमारे रुपए देने चाहिए । क्योंकि इन्होंने हमें हमारी इच्छा पर विड्रोल की भी बात कही थी परंतु वह हो नहीं रहा है ।हम पुलिस अधीक्षक के भी पास इस मामले में जाने वाले हैं।

राजा अली के द्वारा धमकी दी जाती है की रिपोर्ट करोंगे तो पैसे नही मिलेंगे- शहिद खान

शहिद खान ने बताया कि कोई ट्रेडिंग कंपनी की जानकारी लेकर मुद्दसर तौसीफ के साथ हमारे घर आया और हमें समझाया । यह रोज आते थे कहते थे हमारी कंपनी में इन्वेस्ट करो अच्छा वापस देंगे तो हमने रुपए लगा दिए, चार माह तक इन्होंने रुपए वापस किया फिर साइड बंद हो गई। कन्वर्ट हो रही है ऐसे कई प्रकार के बहाने बताएं दो तीन बार हमने इन्हें अपना पैसा मांगा तो कहा कि आगे से पैसा आते ही हम दे देंगे । ९ जून को हमने इन्हें फोन किया तो यह कहते हैं कि अभी कोई चांस नहीं है रुपए मिलने का रिपोर्ट लगाओगे तो रुपए नहीं मिलेंगे तो हमने थाने में शिकायत की है।

लगातार ट्रेडिंग कंपनी में पैसा डालने दबाव बनाया जा रहा था- आदिल कुरैशी

आदिल कुरैशी ने बताया कि २०२३ में मुद्दसर मेरे पास आकर लगातार ट्रेडिंग कंपनी में पैसा डालने के लिए फोर्स कर रहा था बहुत ज्यादा परेशान कर दिया था। फिर भी काफी हमारे द्वारा उसे मना किया गया परंतु जुलाई २०२४ में वह घर आकर जिद करने लगा तो हमने १ लाख रूपये डाले। इन्होंने हमें अच्छा लालच दिखाया और दबाव भी बनाया अब जब हम पैसा मांगने के लिए फोन लगाया तो ब्लैक लिस्ट में हमारा नंबर डाल दिए। कंपनी बंद हो गई तो रुपए नहीं मिलेंगे कहते हैं हम यही चाहते हैं कि हमें हमारे रुपए मिले और इन लोगों पर कठोर कार्यवाही हो।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि फॉरेक्स ट्रेडिंग के माध्यम से लाभ कमाने का प्रलोभन देकर लोगों के पैसे बड़ी मात्रा में लगाने की शिकायत कुछ शिकायतकर्ताओं के द्वारा थाना प्रभारी को की गई थी। जिसमें जांच की जा रही है और पता लगाने का कार्य किया जा रहा है कि यह जो लोग हैं वह किसी कंपनी से जुड़े थे किस पद पर कार्य कर रहे थे। जांच में आए तथ्यों के आधार पर आगे विधि सम्मत कार्यवाही की जाएगी।

अभिषेक चौधरी
एसडीओपी वारासिवनी

हितग्राही मूलक योजनाओं में हितलाभ प्रदान करने नपा में शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्य प्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग भोपाल के द्वारा जारी आदेशानुसार विश्व पर्यावरण दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मध्य जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु विशेष

अभियान संचालन हेतु जारी दिशा निर्देशों के परिपालन में मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश ऊके के द्वारा बताया कि शासन के द्वारा १२ जून से १८ जून २०२६ के मध्य प्रत्येक विकासखंड एवं नगरीय निकाय मुख्यालय पर ३ दिवसीय जनकल्याण शिविर आयोजित किए जाने निर्देश जारी किए गए है। इसी अनुक्रम में १२ जून को वार्ड क्रमांक १,२,३ का संयुक्त शिविर नगर पालिका परिषद के द्वारा स्थान गणेश चौक वार्ड क्रमांक २ में आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा नागरिकों की समस्याएं सुनी गई तथा प्राप्त आवेदनों पर आवश्यक कार्यवाही की गई। शिविर में नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा पात्र हितग्राहियों के आवेदन प्राप्त किए गए। साथ ही राजस्व, स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, संपत्तिकर, जन्म,मृत्यु प्रमाण पत्र पीएम स्वनिधि श्रम योगी मानधन योजना सामाजिक सुरक्षा पेंशन तथा अन्य हितग्राही मूलक योजनाओं सहित अन्य जनसुविधाओं से संबंधित शिकायतों एवं मांगों का निराकरण किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने नागरिकों से शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने तथा अपनी समस्याओं के समाधान हेतु ऐसे शिविरों में सहभागिता करने का आग्रह किया। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे एवं उन्होंने शिविर की सराहना की। नगर पालिका के द्वारा बताया कि आमजन की समस्याओं के निराकरण एवं बेहतर नागरिक सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से शासन के निर्देशानुसार १५ जून २०२६ को वार्ड क्रमांक ४,५,६,७ का शिविर स्थान वार्ड क्रमांक ५ स्व. अटल बिहारी वाजपेई सामुदायिक भवन ,१६ जून को वार्ड कमांक ८,९,१० का शिविर स्थान वार्ड क्रमांक ९ अयोध्या बस्ती आंगनवाड़ी केंद्र,१७ जून को वार्ड क्रमांक ११,१२,१३ का संयुक्त शिविर वार्ड क्रमांक १२ शीतला माता मंदिर परिसर एवं १८ जून को वार्ड क्रमांक १४,१५ का शिविर स्थान नगर पालिका कार्यालय में आयोजित किया गया है। इस प्रकार के जनकल्याण शिविरों का आयोजन कर समस्त हितग्राही मूलक योजनाओं में लाभ से वंचित हितग्राहियों का पंजीयन कर हितलाभ प्रदान किया जाएगा ।

डोगरिया के फार्म हाउस में आधी रात को तंत्र मंत्र और गुप्त धन की खुदाई, महाराष्ट्र के ४ तांत्रिक रंगे हाथों गिरफ्तार

शराब मुर्गा और हिरन का पुतला रखकर चल रही थी पूजा, भूमि मालिक ने साथियों के साथ मिलकर पुलिस को सौंपा

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम डोंगरिया में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां कथित रूप से गड़े धन की खोज और तंत्र मंत्र के चक्कर में एक फार्म हाउस के गेट का ताला तोड़कर अवैध रूप से खुदाई कर रहे महाराष्ट्र के चार आरोपियों को पुलिस ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। भूमि मालिक की सजगता और वारासिवनी पुलिस की त्वरित मुस्तैदी से एक बड़ी आपराधिक व तांत्रिक गतिविधि को नाकाम कर दिया गया है। पुलिस ने इस मामले में अपराध क्रमांक ०२९९/२०२६ के अंतर्गत चारों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता २०२३ की धारा ३३१,४ एवं ३/५ के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

ऐसे खुला तांत्रिकों का राज

फरियादी सेवेन्द्रसिंह परिहार निवासी वार्ड नं ३३ स्टेट बैंक कॉलोनी बालाघाट जो पेशे से ठेकेदार हैं। उसने ने पुलिस को बताया कि ११ जून की रात करीब ८.३० बजे उनके ड्राइवर पंकज ब्रम्हे ने फोन पर सूचना दी कि डोंगरिया स्थित फार्म हाउस के मुख्य गेट का ताला तोड़कर कुछ अज्ञात लोग जबरन अंदर घुस गए हैं। सूचना मिलते ही सेवेन्द्रसिंह अपने साथी अमित शर्मा और इंदरचंद बसेना

को साथ लेकर तुरंत फार्म हाउस पहुंचे। वहां मुख्य गेट के बाहर एक संदिग्ध ग्रे रंग की आई.१० कार क्रमांक एम एच ४९ यु ७७३८ खडी थी। जब भूमि मालिक अपने साथियों के साथ फार्म हाउस के अंदर बने लेबर क्वार्टर और किचन के बीच खाली जगह पर पहुंचे तो वहां का नजारा देखकर दंग रह गए।आरोपी वहां गैती और फावड़े से करीब डेढ़ फीट गहरा गड्ढा खोद चुके थे। गड्ढे के पास तांत्रिक क्रिया की सामग्री जैसे सिंदूर, कुमकुम, पुराने सिक्के, कौड़ी, शराब, मुर्गा और हिरन का पुतला रखा हुआ था। वे सभी किसी गुप्त धन को निकालने की नीयत से पूजा पाठ और खुदाई कर रहे थे।

यह पकड़े गए आरोपी स्थानीय संरक्षकों ने रची थी साजिश

मौके से पुलिस और नागरिकों की मदद से पकड़े गए आरोपी में ललित चिताडे निवासी पिपलाकाटा हुडकेश्वर रोड नागपुर महाराष्ट्र, हीराधर जगताप निवासी वार्ड न. ३२ अयोध्या नगर नागपुर महाराष्ट्र, पुनाजी मेश्राम निवासी बोरगांव चन्द्रपुर महाराष्ट्र, धर्मेश कुल्हे निवासी पंचपाओली नागपुर शहर महाराष्ट्र को गिरफ्तार कर कड़ाई से पूछताछ की गई। पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्हें डोंगरिया निवासी किशोर दमाहे और मशीनटोला निवासी अखिल कालबेले ने इस फार्म हाउस में भारी मात्रा में गड़ा हुआ धन होने का लालच देकर बुलाया था। स्थानीय आरोपियों के कहने पर ही ये लोग ताला तोड़कर अंदर घुसे थे। घटना की जानकारी लगते ही भूमि मालिक और उनके साथियों ने तत्परता दिखाते हुए वारासिवनी थाना पुलिस को सूचित किया। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर चारों आरोपियों को दबोचकर थाने ले आई। पुलिस ने आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त कार खुदाई के उपकरण और तंत्र मंत्र की सामग्री जब्त कर ली है। फरार स्थानीय आरोपियों की तलाश की जा रही है और मामले की विस्तृत विवेचना जारी है।

जायद फसलों की गिरदावरी में कम प्रगति पर जताई नाराजगी, तहसीलदारों का वेतन रोकने के दिए निर्देश

फार्मर रजिस्ट्री, नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा एवं सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की हुई विस्तृत समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में 12 जून को जिला कार्यालय में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर श्री जी.एस. धुर्वे एवं श्री डी.पी. बर्मन ने की। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न राजस्व कार्यों, लंबित प्रकरणों तथा शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई और अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्री एम.आर. कोल, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव एवं अधीक्षक भू-अभिलेख कृष्णा नायक उपस्थित रहे। वहीं जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं तहसीलदार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

फार्मर रजिस्ट्री कार्य में तेजी लाने के निर्देश

बैठक के दौरान अपर कलेक्टर श्री डी.पी. बर्मन ने फार्मर रजिस्ट्री कार्यों की तहसीलवार समीक्षा की। कुछ तहसीलों में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को विशेष शिविर आयोजित कर शेष किसानों की फार्मर रजिस्ट्री शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं का लाभ किसानों तक पहुंचाने के लिए फार्मर रजिस्ट्री महत्वपूर्ण है। इसलिए यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र किसान इस प्रक्रिया से वंचित न रहे।

नक्शा तरमीम एवं अभिलेख अद्यतन कार्यों की समीक्षा

नक्शा तरमीम कार्यों की समीक्षा करते हुए अपर कलेक्टर श्री बर्मन ने सभी तहसीलदारों को इसमें तेजी लाने तथा नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व अभिलेखों का अद्यतन एवं त्रुटिरहित होना प्रशासनिक व्यवस्था की आधारशिला है। राजस्व अभिलेखों में शुद्धता और समय पर अद्यतन कार्य सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

जायद फसलों की कम गिरदावरी पर वेतन रोकने के निर्देश

बैठक में जायद फसलों की गिरदावरी की प्रगति की समीक्षा के दौरान कई तहसीलों में कार्य की गति संतोषजनक नहीं पाए जाने पर अपर कलेक्टर श्री बर्मन ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सभी संबंधित तहसीलदारों का वेतन रोकने के निर्देश देते हुए कहा कि गिरदावरी कार्य शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है और इसमें किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गिरदावरी कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण कर उसकी नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।

नामांतरण, सीमांकन एवं बंटवारा प्रकरणों का समय पर निराकरण करें

बैठक में नामांतरण, सीमांकन एवं बंटवारा प्रकरणों सहित विभिन्न राजस्व मदों की वसूली की

भी गहन समीक्षा की गई। अपर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी राजस्व प्रकरण अनिवार्य रूप से आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज किए जाएं तथा अविवादित नामांतरण एवं बंटवारा प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण से आम नागरिकों को राहत मिलती है तथा प्रशासन के प्रति विश्वास भी मजबूत होता है। इसलिए लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए।

500 दिवस से अधिक की लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों पर विशेष ध्यान

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा के दौरान अपर कलेक्टर श्री बर्मन ने कुछ तहसीलों में लंबित शिकायतों की संख्या पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को निर्देश दिए कि 500 दिवस से अधिक अवधि से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों द्वारा दर्ज शिकायतों का समय पर समाधान प्रशासन की जवाबदेही का महत्वपूर्ण हिस्सा है। शिकायतों के निराकरण में देरी से आमजन को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है, इसलिए सभी अधिकारी गंभीरता के साथ इन प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करें।

समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने पर दिया जोर

बैठक के अंत में अपर कलेक्टर श्री धुर्वे एवं श्री बर्मन ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे शासन की प्राथमिकता वाले सभी कार्यों की नियमित समीक्षा करें तथा निर्धारित समय-सीमा में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग से जुड़े कार्य सीधे आम नागरिकों के हितों से जुड़े हैं, इसलिए पारदर्शिता, जवाबदेही और संवेदनशीलता के साथ कार्य करना आवश्यक है। राजस्व अधिकारियों की इस समीक्षा बैठक में लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण, किसान हित से जुड़े कार्यों में गति लाने तथा प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

सांसद श्रीमती भारती पारधी का 13 जून का दौरा कार्यक्रम बालाघाट में विभिन्न कार्यक्रमों में होंगी शामिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी 13 जून 2026 (शनिवार) को बालाघाट जिले के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सांसद श्रीमती पारधी प्रातः 10 बजे अपने गृह निवास पर आमजन एवं पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगी। इसके पश्चात दोपहर 12 बजे बालाघाट के गर्रा स्थित रेलवे लेवल क्रॉसिंग क्रमांक बी.के. 09 पर कटंगी सेक्शन के रेलवे ओवरब्रिज के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होंगी। दोपहर 1:30 बजे सांसद श्रीमती पारधी जिला चिकित्सालय बालाघाट में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर में सहभागिता करेंगी। शिविर में बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार संबंधी गतिविधियों का अवलोकन किया जाएगा।इसके उपरांत सांसद श्रीमती पारधी प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह के साथ बालाघाट में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मिलित होकर विकास एवं जनकल्याण से जुड़े कार्यों में भाग लेंगी।

खत्म हुआ निष्पक्षता का दौर-चुनाव आयोग की बची-कुची साख का अंतिम संस्कार

भारत में एक दौर वह भी था जब चुनाव आयोग का नाम सुनते ही बड़े से बड़े राजनेताओं के पसीने छूट जाते थे, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषन के जमाने में जनता को यह अटूट भरोसा था कि व्यवस्था चाहे जितनी भी रसूखदार हो, लोकतंत्र का यह पहरेदार किसी के आगे नहीं झुकेगा। लेकिन आज वह भरोसा इतिहास की धूल में मिल चुका है। हालिया मध्य प्रदेश और झारखंड के राज्यसभा चुनाव के दौरान जो कुछ भी हुआ, उसने यह साफ कर दिया है कि चुनाव आयोग अब अपनी निष्पक्षता और विश्वसनीयता की पूरी तरह खो चुका है। यह संस्था अब लोकतंत्र की रक्षक नहीं, बल्कि सत्ता की सहूलियत के हिसाब से पर्चियां काटने वाला एक सरकारी महकमा बनकर रह गई है। इस संस्था की साख खत्म होने का सबसे ताजा और पुख्ता सबूत मध्य प्रदेश में कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन के नामांकन का रद्द होना है, एक ऐसे मामले में, जो कानूनी तौर पर पूरी तरह से एक सामान्य नोटिस था और जिस पर अदालत ने संज्ञान तक नहीं लिया था, आयोग के रिटर्निंग ऑफिसर ने महज़ 15 मिनट के भीतर उनका पर्चा खारिज कर दिया। विपक्ष के किसी उम्मीदवार की जरा सी तकनीकी चूक या तथाकथित खामी पर आयोग का यह सुपरफास्ट एक्शन उसकी नीयत को जगजाहिर कर देता है। लोकतंत्र का तकाजा कहता है कि हर उम्मीदवार को अपनी बात रखने और गलती सुधारने का मौका मिलना चाहिए, लेकिन यहाँ विपक्ष के लिए नियम पत्थर की लकीर बना दिए गए। असली खेल तब समझ में आता है, जब हम इसी आयोग का दूसरा चेहरा ठीक उसी समय झारखंड में देखते हैं। झारखंड में एनडीए और भाजपा समर्थित एक बड़े कॉरपोरेट उम्मीदवार परिमल नाथवानी के नामांकन पत्र में जब विपक्ष ने पाँच से अधिक गंभीर खामियों और अधूरी जानकारियों की लिखित शिकायत दर्ज कराई, तब आयोग के नियम अचानक मोम की तरह पिघल गए। जहां मध्य प्रदेश में विपक्ष के उम्मीदवार को 15 मिनट की मोहलत नहीं मिली, वहीं झारखंड में सत्ता समर्थित रसूखदार उम्मीदवार को अपनी गलतियां सुधारने और नया हलफनामा दाखिल करने के लिए बकायदा 24 घंटे से अधिक का समय दे दिया गया। एक ही देश में, एक ही राज्यसभा चुनाव के लिए, एक ही चुनाव आयोग के दो अलग-अलग राज्यों में ये दो अलग-अलग कानून इस बात की गवाही हैं कि आयोग का दोहरा मापदंड अब अपनी चरम सीमा पर पहुंच चुका है। एक तरफ बिना किसी ठोस कानूनी आधार के पर्चा तुरंत खारिज कर दिया जाता है ताकि सत्ता पक्ष की वॉकओवर मिल सके, और दूसरी तरफ रसूखदारों की कमियों को छुपाने और सुधारने के लिए पूरी व्यवस्था पलकें बिछाए खड़ी रहती है। इसे आप क्या कहेंगे? क्या यह निष्पक्षता है? या फिर सत्ता की हुजूरी में लोकतंत्र का खुला चीरहरण? एक आम वोटर के नजरिए से देखें तो यह स्थिति बेहद डरावनी है। कोई भी नागरिक इस उम्मीद के साथ वोट देता है कि वह देश की व्यवस्था को तय कर रहा है। लेकिन जब मीनाक्षी नटराजन जैसे उदाहरण सामने आते हैं, जहां नियमों का इस्तेमाल केवल एकतरफा कार्रवाई के लिए किया जाता है, तो जनता के भीतर की उम्मीद पूरी तरह दम तोड़ देती है। लोगों के मन में यह बात पत्थर की तरह बैठ चुकी है कि वे चाहे जिसे भी चुनें, चुनाव आयोग और पूरी मशीनरी अंत में वही करेगी जो सत्ता में बैठे लोग चाहेंगे।

फिर सुलग़ रही खाड़ी-होर्मुज जलडमरूमध्य बंद, दुनियाँ में हड़कंप

भारत की ऊर्जा सुरक्षा, महंगाई और अर्थव्यवस्था पर मंडराता संकट? -व्यापक समग्र विश्लेषण

वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया एक बार फिर वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल का केंद्र बन गया है। 11 जून 2026 को स्थिति तब और गंभीर हो गई जब ईरान ने अमेरिका के साथ बढ़ते सैन्य टकराव के बीच दुनियाँ के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य, को सभी वाणिज्यिक जहाजों और तेल टैंकरों के लिए बंद करने की घोषणा कर दी। ईरानी सैन्य नेतृत्व ने चेतावनी दी है कि जलडमरूमध्य से गुजरने की कोशिश करने वाले किसी भी जहाज को निशाना बनाया जाएगा। यह कदम कथित रूप से अमेरिका और ईरान के बीच समुद्री टकराव तथा अमेरिकी सैन्य कार्रवाइयों के बाद उठाया गया है। इसके साथ ही वैश्विक ऊर्जा बाजारों में भारी बेचैनी फैल गई है। ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 95.40 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई लगभग 92.6 डॉलर प्रतिबैरल तक पहुंच गया है। दुनियाँ की लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस आपूर्ति इसी मार्ग से गुजरती है, इसलिए इस घटनाक्रम ने ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार, मुद्रास्फीति और आर्थिक स्थिरता को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने भी खाड़ी क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर बढ़ते हमलों और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताव्यक्त की है। वर्तमान घटनाक्रम केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूँ कि यह बिल्कुल सही है कि होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व ऊर्जा व्यवस्था की धुरी माना जाता है। फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह संकरा समुद्री मार्ग सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, कतर, इराक और ईरान जैसे प्रमुख ऊर्जा उत्पादक देशों के निर्यात का मुख्य रास्ता है। सामान्य परिस्थितियों में प्रतिदिन करोड़ों बैरल तेल और विशाल मात्रा में एलएनजी इसी मार्ग से दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचती है। यही कारण है कि जब भी इस जलमार्ग में व्यवधान आता है, उसका असर सीधे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर दिखाई देता है। वर्तमान संकट में भी निवेशकों और ऊर्जा कंपनियों ने आपूर्ति बाधित होने की आशंका को देखते हुए तेल खरीदना शुरू कर दिया,जिसके परिणामस्वरूप कच्चे तेल की कीमतों में तत्काल उछाल देखने को मिला। साथियों, अंतरराष्ट्रीय बाजारों की पहली प्रतिक्रिया तेल कीमतों में तेजी के रूप में सामने आई है। ब्रेंट क्रूड लगभग 95 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया है जबकि डब्ल्यूटीआई भी 92 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है। ऊर्जा विश्लेषकों का मानना है कि यदि जलडमरूमध्य लंबे समय तक बंद रहता है या सैन्य संघर्ष और बढ़ता है तो तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर भी जा सकती हैं। वैश्विक वित्तीय बाजारों में भी अस्थिरता बढ़ने की आशंका है क्योंकि ऊर्जा लागत लगभग हर आर्थिक गतिविधि को प्रभावित करती है। साथियों, भारत के लिए यह संकट विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि देश अपनी आवश्यकता का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। भारत की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से पूरा होता है और उसका एक बड़ा भाग होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। इसलिए इस मार्ग में किसी भी प्रकार की रुकावट का सीधा असर भारतीय ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ता है। यदि तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है तो भारत का आयात बिल बढ़ेगा,चालू खाता घाटा बढ़ सकता है और रुपये पर दबाव पड़ सकता है। ऊर्जा आयात पर बढ़ती लागत अंततः उपभोक्ताओं तक पहुंचती है और महंगाई को बढ़ावा देती है।सबसे पहला प्रभाव पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर दिखाई दे सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल महंगा होने से भारतीय तेल विपणन कंपनियों को लागत बढ़ जाती है। यदि मौजूदा तनाव कुछ और दिनों या सप्ताहों तक बना रहता है तो पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। विशेषज्ञों का अनुमान है कि लंबी अवधि तक ऊंचे तेल मूल्य बने रहने पर ईंधन की कीमतों में कई रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हो सकती है। इसका सीधा असर आम नागरिकों, किसानों, उद्योगों और परिवहन क्षेत्र पर पड़ेगा।पेट्रोल और डीजल केवल वाहन चलाने का साधन नहीं हैं बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा हैं। डीजल की कीमत बढ़ने का अर्थ है कि ट्रकों, बसों और मालवाहक वाहनों की परिचालन लागत बढ़ जाएगी। जब परिवहन महंगा होता है तो फल, सब्जियों, दूध, अनाज, दवाइयों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ने लगती हैं। यही कारण है कि तेल कीमतों में वृद्धि को अक्सर 'महंगाई की जननी' कहा जाता है। एक बार यदि ईंधन लागत बढ़ती है तो उसका असर अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र में सटीकता से दिखाई देता है। साथियों, 7 जून 2026 से मुग लग गया है व खेती के कार्य शुरू हो चुके हैं,कृषि क्षेत्र भी इस संकट से अछूता नहीं रहेगा। भारत में सिंचाई, कृषि मशीनरी और खाद्य आपूर्ति श्रृंखला का बड़ा हिस्सा डीजल पर निर्भर है। डीजल महंगा होने से किसानों की लागत बढ़ेगी और इसका असर खाद्यान्न कीमतों पर पड़ सकता है। इसके अलावा उर्वरक उद्योग प्राकृतिक गैस और पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर निर्भर है। यदि ऊर्जा लागत बढ़ती है तो उर्वरकों का उत्पादन भी महंगा हो सकता है।विमान ईंधन की लागत एयरलाइंस के कुल खर्च का बड़ा हिस्सा होती है। यदि अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतें लगातार ऊंची बनी रहती हैं तो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हवाई किराए में वृद्धि संभव है। इससे पर्यटन उद्योग, व्यापारिक यात्राओं और विमानन क्षेत्र की मांग पर असर पड़ सकता है।

साथियों, भारत के लिए चिंता का एक और बड़ा विषय एलएनजी यानी तरल प्राकृतिक गैस की आपूर्ति है। भारत कतर सहित खाड़ी देशों से बड़ी मात्रा में एलएनजी आयात करता है और उसका महत्वपूर्ण हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आता है। यदि इस मार्ग में लंबे समय तक व्यवधान रहता है तो सीएनजी और पीएनजी की उपलब्धता तथा कीमतों पर असर पड़ सकता है। इससे घरेलू उपभोक्ताओं के साथ- साथ बिजली उत्पादन, उर्वरक निर्माण और औद्योगिक इकाइयों की लागत भी बढ़ सकती है।हालांकि स्थिति गंभीर है, लेकिन भारत पूरी तरह असहाय नहीं है। पिछले वर्षों में भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। देश के पास रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार मौजूद हैं जिनका उपयोग आपातकालीन परिस्थितियों में किया जा सकता है।विशाखापट्टनम मैंगलोर और पादुर जैसेस्थानों पर स्थापित भूमिगत भंडारण सुविधाएं सीमित अवधि के लिए देश को राहत प्रदान कर सकती हैं। ये भंडार किसी भी अचानक आपूर्ति संकट के दौरान महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच साबित हो सकते हैं।इसके अतिरिक्त भारत नेऊर्जा आयात के स्रोतों में विविधता लाने की रणनीति अपनाई है। रूस से बढ़ते तेल आयात ने भारत को एक वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत उपलब्ध कराया है। रूस से आने वाला तेल सामान्यतः अन्य समुद्री मार्गों से आता है, इसलिए होर्मुज संकट की स्थिति में यह भारत के लिए एक महत्वपूर्ण विकल्प बन सकता है। यदि आवश्यकता हुई तो भारत रूस तथा अन्य गैर-खाड़ी आपूर्ति कर्ताओं से आयात बढ़ाने की दिशा में सटिकता से कदम उठा सकता है। साथियों, सऊदी अरब,यूएई और अन्य खाड़ी देशों के पास भी कुछ वैकल्पिक पाइपलाइन मार्ग उपलब्ध हैं जिनके माध्यम से सीमित मात्रा में तेल निर्यात किया जा सकता है। हालाँकि ये मार्ग होर्मुज के पूर्ण विकल्प नहीं हैं, फिर भी वे वैश्विक बाजार में आपूर्ति के पूर्ण ठहराव को रोकने में मदद कर सकते हैं। इसी कारण ऊर्जा बाजारों में अभी भी आशा बनी हुई है कि राजनयिक प्रयासों के माध्यम से स्थिति को नियंत्रित किया जा सकेगा।भू-राजनीतिक दृष्टि से यह संकट केवल तेल या गैस तक सीमित नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व समुद्री व्यापार के सबसे संवेदनशील मार्गों में से एक है। इसके बंद होने से बीमा लागत, माल ढुलाई शुल्क और शिपिंग समय में वृद्धि होती है। अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक कंपनियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने पड़ते हैं, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। कोविड-19 महामारी और यूक्रेन संकट के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले ही आपूर्ति व्यवधानों का अनुभव कर चुकी है; ऐसे में होर्मुज संकट नई चुनौतियां पैदा कर सकता है। साथियों, भारत ने संयुक्त राष्ट्र में स्पष्ट रुप से कहा है कि क्षेत्र में बढ़ते हमले और समुद्री असुरक्षा वैश्विक व्यापार तथा भारतीय नागरिकों दोनों के लिए चिंता का विषय हैं। भारत की प्राथमिकता अपने नागरिकों, व्यापारिक जहाजों और ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसलिए नई दिल्ली स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कूटनीतिक समाधान का समर्थन कर रही है।वर्तमान परिस्थितियों में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि यह संकट कितने समय तक चलता है। यदि राजनयिक प्रयास सफल होते हैं और जलडमरूमध्य जल्द खुल जाता है तो तेल बाजारों में स्थिरता लौट सकती है। लेकिन यदि सैन्य टकराव बढ़ता है या मार्ग लंबे समय तक बंद रहता है तो वैश्विक अर्थव्यवस्था को गंभीर झटका लग सकता है। तेल की कीमतें तीन अंकों तक पहुंच सकती हैं, महंगाई बढ़ सकती है और कई आयात- निर्भर देशों को आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि होर्मुज जलडमरूमध्य का बंद होना केवल पश्चिम एशिया का संकट नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी है। ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार, महंगाई, समुद्री सुरक्षा और भू-राजनीतिक स्थिरता,सभी इस एक समुद्री मार्ग से जुड़े हुए हैं। भारत के लिए यह समय ऊर्जा स्रोतों में विविधता, रणनीतिक भंडारों के विस्तार और दीर्घकालिक ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रयासों को और तेज करने का है।आने वाले दिनों में दुनिया की नजरें पश्चिम एशिया पर टिकी रहेंगी, क्योंकि होर्मुज की स्थिति केवल तेल की कीमतों का नहीं बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता का भी निर्धारण करेगी।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच अस्तित्व की लड़ाई में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस

दिल्ली में राहुल गांधी और अभिषेक बनर्जी की मुलाकात तथा उससे पहले सोनिया गांधी और ममता बनर्जी के बीच हुई बातचीत ने राष्ट्रीय राजनीति में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। इन बैठकों को लेकर भले ही किसी भी पक्ष ने औपचारिक रूप से किसी गठबंधन या विलय की संभावना की पुष्टि नहीं की हो, लेकिन राजनीति में संकेतों का महत्व हमेशा शब्दों से अधिक माना जाता है। विशेष रूप से तब, जब दोनों दल अपने-अपने राजनीतिक जीवन के कठिन दौर से गुजर रहे हों। ऐसे समय में लगातार हो रही मुलाकातें केवल शिष्टाचार तक सीमित नहीं मानी जा सकतीं। इनके पीछे बदलते राजनीतिक समीकरणों और भविष्य की रणनीतियों की झलक भी दिखाई देती है। भारतीय राजनीति में कांग्रेस कभी देश की सबसे शक्तिशाली राजनीतिक पार्टी रही है। स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत और लंबे समय तक केंद्र तथा राज्यों में सत्ता के कारण कांग्रेस का प्रभाव लगभग पूरे देश में फैला हुआ था। लेकिन पिछले एक दशक में पार्टी का जनाधार लगातार कमजोर हुआ है। कई राज्यों में उसका संगठन लगभग निष्क्रिय हो चुका है। उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे बड़े राज्यों में कांग्रेस अब मुख्य राजनीतिक शक्ति नहीं रह गई है। राष्ट्रीय स्तर पर भी उसका वोट प्रतिशत और सीटों की संख्या पहले की तुलना में काफी घट चुकी है। कांग्रेस की सबसे बड़ी चुनौती यह रही है कि वह भाजपा के उभार के सामने एक प्रभावी वैकल्पिक राजनीतिक कथा प्रस्तुत नहीं कर सकी। कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस के पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगाई। कहीं जातीय राजनीति ने जगह बनाई तो कहीं क्षेत्रीय अस्मिता का मुद्दा कांग्रेस पर भारी पड़ा। परिणाम यह हुआ कि राष्ट्रीय पार्टी होने के बावजूद कांग्रेस का प्रभाव सीमित क्षेत्रों तक सिमटता गया। हालांकि राहुल गांधी की यात्राओं और विचारधारा एकता के प्रयासों ने पार्टी को कुछ हद तक राजनीतिक चर्चा के केंद्र में बनाए रखा, लेकिन यह भी सच है कि कांग्रेस अभी तक अपनी पुरानी ताकत हासिल नहीं कर सकी है। दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस की कहानी भी कम दिलचस्प नहीं है। ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में तीन दशक से अधिक समय तक सत्ता में रही वामपंथी सरकार को हटाकर एक नई राजनीतिक शक्ति खड़ी की थी। बाद में उन्होंने भाजपा की चुनौती को भी सफलतापूर्वक मुकाबला किया। एक समय ऐसा लगा कि तृणमूल कांग्रेस केवल बंगाल तक सीमित पार्टी नहीं रहेगी बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। गोवा, त्रिपुरा और पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों में पार्टी ने विस्तार की कोशिशें भी कीं। लेकिन राजनीति में सफलता स्थायी नहीं होती। यदि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को अपेक्षित समर्थन नहीं मिलता और पार्टी के भीतर असंतोष बढ़ता है, तो यह उसके लिए गंभीर चुनौती बन सकती है। किसी भी क्षेत्रीय दल की ताकत उसके मजबूत संगठन और निर्विवाद नेतृत्व पर आधारित होती है। जब संगठन में टूट-फूट शुरू होती है और नेताओं का विश्वास डगमगाने लगता है, तब राजनीतिक भविष्य को लेकर चिंताएं स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती हैं। ऐसे माहौल में राष्ट्रीय स्तर पर सहयोगी तलाशना एक व्यावहारिक राजनीतिक विकल्प बन जाता है। यही कारण है कि राहुल गांधी और अभिषेक बनर्जी की मुलाकात को केवल एक सामान्य राजनीतिक बैठक के रूप में नहीं देखा जा रहा। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है जब कांग्रेस अपने खोए हुए जनाधार को वापस पाने की कोशिश कर रही है और तृणमूल कांग्रेस अपने राजनीतिक प्रभाव को बनाए रखने की चुनौती से जूझ रही है। दोनों दलों की परिस्थितियां अलग-अलग हैं, लेकिन उनकी चिंता एक जैसी है—राजनीतिक प्रासंगिकता को बनाए रखना।

कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के संबंधों का इतिहास भी उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। ममता बनर्जी स्वयं कांग्रेस की ही उपज हैं। उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस बनाई थी और बाद में बंगाल की राजनीति में कांग्रेस को काफी पीछे छोड़ दिया। लंबे समय तक दोनों दलों के बीच प्रतिस्पर्धा और अविश्वास का माहौल रहा। कई चुनावों में दोनों एक-दूसरे के खिलाफ लड़े। इसलिए आज यदि दोनों दलों के बीच संवाद बढ़ रहा है तो यह केवल वैचारिक निकटता का परिणाम नहीं बल्कि राजनीतिक आवश्यकता का संकेत भी माना जा सकता है। राजनीति में स्थायी मित्र और स्थायी शत्रु नहीं होते। परिस्थितियां बदलती हैं तो रणनीतियां भी बदलती हैं। यदि कांग्रेस को लगता है कि क्षेत्रीय दलों के साथ बेहतर तालमेल के बिना भाजपा का मुकाबला कठिन है, तो वह पुराने मतभेदों को पीछे छोड़ सकती है। इसी प्रकार यदि तृणमूल कांग्रेस को लगता है कि राष्ट्रीय स्तर पर अकेले आगे बढ़ना मुश्किल है, तो वह भी पुराने रिश्तों को फिर से मजबूत करने की कोशिश कर सकती है। हालांकि किसी संभावित गठबंधन या समझौते के सामने कई चुनौतियां भी हैं। कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी है और उसकी अपनी संगठनात्मक संरचना है। वहीं तृणमूल कांग्रेस का पूरा राजनीतिक मॉडल ममता बनर्जी के नेतृत्व के इर्द-गिर्द विकसित हुआ है। दोनों दलों के कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं के बीच भी कई क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा रही है। ऐसे में किसी भी बड़े राजनीतिक समझौते को जमीन पर लागू करना आसान नहीं होगा।

फिर भी यह तथ्य नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि भारतीय राजनीति में जनाधार का क्षरण दलों को नए विकल्प तलाशने के लिए मजबूर करता है। जब राजनीतिक समर्थन घटने लगता है तो विचारधारात्मक मतभेद भी अपेक्षाकृत कम महत्वपूर्ण हो जाते हैं और अस्तित्व का प्रश्न प्रमुख हो जाता है। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस की वर्तमान स्थिति को इसी दृष्टि से देखा जाना चाहिए। आज कांग्रेस अपने गौरवशाली अतीत और अनिश्चित भविष्य के बीच खड़ी है। वहीं तृणमूल कांग्रेस अपने क्षेत्रीय प्रभुत्व को बचाए रखने की चुनौती का सामना कर रही है। दोनों दलों के सामने सबसे बड़ी आवश्यकता जनता का विश्वास दोबारा अर्जित करने की है। केवल राजनीतिक समीकरणों और नेताओं की मुलाकातों से जनाधार वापस नहीं आता। इसके लिए मजबूत संगठन, सशक्त नेतृत्व, विश्वसनीय नीतियों और जनता के मुद्दों से निरंतर जुड़ाव आवश्यक होता है। राहुल गांधी, सोनिया गांधी, ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी को हालिया मुलाकातों ने राजनीतिक अटकलों को जरूर हवा दी है, लेकिन इन मुलाकातों का वास्तविक महत्व आने वाले समय में ही स्पष्ट होगा। फिलहाल इतना जरूर कहा जा सकता है कि यह दौर भारतीय राजनीति में नए समीकरणों के निर्माण का है। जिन दलों ने कभी एक-दूसरे के खिलाफ अपनी राजनीतिक पहचान बनाई थी, वे आज बदलती परिस्थितियों के कारण संवाद की राह पर दिखाई दे रहे हैं। यह केवल दो दलों की कहानी नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति के उस बड़े सत्य का उदाहरण है जिसमें जनाधार ही सबसे बड़ी शक्ति होता है। जब जनाधार मजबूत होता है तो दल आत्मविश्वास से भरे रहते हैं, लेकिन जब वह कमजोर पड़ने लगता है तो नए सहयोगियों की तलाश और पुराने रिश्तों की पुनर्स्थापना राजनीति की अनिवार्यता बन जाती है। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस की मौजूदा स्थिति भी इसी राजनीतिक यथार्थ को प्रतिबिंबित करती है। आने वाले महीनों में यह स्पष्ट होगा कि ये मुलाकातें केवल राजनीतिक शिष्टाचार थीं या फिर भारतीय राजनीति में किसी नए अध्याय की शुरुआत का संकेत।

-कांतिलाल मांडोत

विकसित भारत का मार्ग-नीति आयोग की 11वीं शासी परिषद बैठक से निकला नया विकास मंत्र

-विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सम्पन्न नीति आयोग की 11वीं शासी परिषद की बैठक केवल एक प्रशासनिक औपचारिकता नहीं थी,बल्कि भारत के भविष्य की विकास दिशा तय करने वाला एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय विमर्श था। विकसित राज्य से विकसित भारत की थीम पर आयोजित इस बैठक में विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने अपने- अपने प्रदेशों की आवश्यकताओं, चुनौतियों और विकास संबंधी सुझावों को केंद्र सरकार के समक्ष रखा।सर्वविदित रहे यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का

लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। वर्तमान में देश की अर्थव्यवस्था लगभग 4.3 ट्रिलियन डॉलर के स्तर पर पहुंच चुकी है और अगले दशक में इसे 10 ट्रिलियन डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।ऐसे में राज्यों की भागीदारी और उनकी विकास क्षमता निर्णायक महत्व रखती है।लेकिन में प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट कहा कि विकसित भारत का सपना दिल्ली में बैठकर पूरा नहीं किया जा सकता।इसके लिए राज्यों को विकास का इंजन बनना होगा। उन्होंने राज्यों से निवेश आकर्षित करने, रोजगार सृजन,कृषि आधुनिकीकरण,कौशल विकास और डिजिटल प्रशासन को बढ़ावा देने का आह्वान किया।इस बैठक का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों द्वारा रखे गए सुझाव और मांगें रहीं।इन सुझावों ने यह स्पष्ट कर दिया कि राज्यों की प्राथमिकताएं अलग-अलग हो सकती हैं,लेकिन लक्ष्य एक ही है—तेज,समावेशी और सतत विकास। मोहन यादव ने मध्य प्रदेश को कृषि एवं औद्योगिक हब बनाने के लिए सिंचाई परियोजनाओं, लॉजिस्टिक कॉरिडोर और कृषि प्रसंस्करण उद्योगों के विस्तार पर बल दिया। उन्होंने केंद्र से अधोसंरचना परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त सहयोग की माँग की।नवाब सिंह सैनी ने हरियाणा को विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए औद्योगिक गलियारों, कौशल विकास और एमएसएमई क्षेत्र को और मजबूत बनाने की आवश्यकता बताई।उन्होंने कृषि में ड्रोन तकनीक तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग को बढ़ावा देने का सुझाव भी दिया।भजन लाल शर्मा ने जल संकट को राजस्थान की सबसे बड़ी चुनौती बताते हुए नदी जोड़ो परियोजनाओं और जल संरक्षण कार्यक्रमों में केंद्र के सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।साथ ही उन्होंने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में राजस्थान की भूमिका को और मजबूत करने की बात कही।योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के तेजी से बढ़ते औद्योगिक निवेश,एक्सप्रेसवे नेटवर्क और डिफेंस कॉरिडोर का उल्लेख करते हुए राज्यों को अधिक वित्तीय लचीलापन देने की मांग रखी ताकि विकास परियोजनाओं को गति मिल सके।देवेन्द्र फडनवीस ने मुंबई महानगर क्षेत्र, सेमीकंडक्टर उद्योग और हरित ऊर्जा निवेश को राष्ट्रीय विकास का प्रमुख आधार बताते हुए वैश्विक निवेश आकर्षित करने के लिए राज्यों को अधिक नीति समर्थन देने की बात कही।पूर्वोत्तर राज्यों के प्रतिनिधियों ने सड़क,रेल और डिजिटल कनेक्टिविटी को अपनी प्रमुख प्राथमिकता बताया।उनका मत था कि बेहतर संपर्क व्यवस्था ही क्षेत्रीय विकास और राष्ट्रीय एकीकरण का आधार बनेगी।इस बैठक में कृषि क्षेत्र पर विशेष चर्चा हुई।आज भी लगभग 45 प्रतिशत भारतीय आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है। राज्यों ने प्राकृतिक खेती,सूक्ष्म सिंचाई,कृषि निर्यात और भंडारण सुविधाओं के विस्तार पर जोर दिया। कई मुख्यमंत्रियों ने कृषि मूल्य श्रृंखला को मजबूत बनाने के लिए केंद्र और राज्यों के संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता बताई।स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र भी चर्चा के केंद्र में रहे। राज्यों ने चिकित्सा शिक्षा संस्थानों की संख्या बढ़ाने, जिला अस्पतालों को सुदृढ़ बनाने तथा नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता पर बल दिया।भारत की 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। इसलिए कौशल विकास और रोजगार सृजन को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाने पर व्यापक सहमति दिखाई दी। हरित ऊर्जा को लेकर भी महत्वपूर्ण विचार सामने आए। भारत ने वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर- जीवाश्म ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य रखा है राजस्थान,गुजरात,तमिलनाडु और महाराष्ट्र जैसे राज्यों ने सौर एवं पवन ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश बढ़ाने के लिए केंद्र के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

डिजिटल इंडिया की उपलब्धियों का भी उल्लेख हुआ।आज भारत में 150 करोड़ से अधिक आधार प्रमाणीकरण प्रतिमाह हो रहे हैं और यूपीआई लेन-देन विश्व का सबसे बड़ा डिजिटल भुगतान नेटवर्क बन चुका है।राज्यों ने डिजिटल प्रशासन और सेवा वितरण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणालियों को अपनाने का सुझाव दिया।इस बैठक का सबसे महत्वपूर्ण संदेश सहकारी संघवाद की भावना का और अधिक मजबूत होना रहा।केंद्र और राज्यों के बीच संवाद,सहयोग और साझेदारी के माध्यम से विकास के नए मॉडल विकसित करने पर सहमति बनी। यह स्पष्ट हुआ कि विकसित भारत का मार्ग राज्यों से होकर ही गुजरता है।

निष्कर्षतः नीति आयोग की 11वीं शासी परिषद की बैठक ने केवल नीतिगत चर्चा नहीं की,बल्कि भारत के अगले दो दशकों के विकास का व्यापक खाका प्रस्तुत किया।मुख्य मंत्रियों के सुझावों और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की विकास दृष्टि ने यह संकेत दिया है कि आने वाले वर्षों में भारत का विकास मॉडल अधिक विकेंद्रीकृत,सहभागी और परिणामोन्मुख होगा।यदि इस बैठक में सामने आए सुझावों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है, तो वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य केवल एक सरकारी संकल्प नहीं,बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक उपलब्धि बन सकता है।यही इस बैठक का सबसे बड़ा संदेश और सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष है।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। दिसावरी मजबूती से शुक्रवार को किराना बाजार में कालीमिर्च बाजार मजबूती के रहे। खाद्य तेलों में बाजार बने रहे। तिलहनों में सोयाबीन में मजबूती देखी गयी। दलहनों में चना हल्के मालों में घटाकर बोला गया। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार कालीमिर्च में पूछपरख सामान्य ही है। दिसावरी बाजारों में बनी तेजी का असर भावों पर है। शक्कर में कामकाज सामान्य रहे। खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। तिलहनों में सोयाबीन बाजार टिके रहे। दलहनों में चना हल्के मालों में घटकर 6000 रू. क्विंटल पर आ गया। भाव इस प्रकार रहे -

किराना- शक्कर 4210-4280, खोपरा गोला 380-410, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-750, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1150-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, बाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (320) 950-1000, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2200-2250, (160) 2300-2350, (200) 2400-2450, (250) 2700-2750

तेल- सींगदाना 1570-1590, मुम्बई 1610, राजकोट तेलिया 2490, सोया साल्वेंट 1395-1400, सोया रिफाइंड 1460-1470, कपास्या 1480-1485, धूलिया 1490, कड़ी 1490,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1540, मुम्बई पाम 1480, मुम्बई सोया 1490,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7800-8000, रायडा 6800-7000, सोयाबीन 7100, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6000-6100, एवरेज 6000-6050, विशाल 5900-6000, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7300-7400, मूंग पुराना बोल्ड 7900-8100, मीडियम 7600-7800, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7700-7800, एवरेज 7200-7300, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7500-7600, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2450-2475, लोकवन एवरेज 2600-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2050-2100, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। विश्व बाजार में बनी तेजी के चलते शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 238300, चाँदी (99) 238000, टंच 237500, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 147000,

अमेरिका में गेहूं का उत्पादन घटा पर नहीं बढ़ेंगी कीमतें

नई दिल्ली। एजेंसी। दुनिया के गेहूं बाजार में एक दिलचस्प विरोधाभास देखने को मिल रहा है। अमेरिका में उत्पादन में गिरावट के बावजूद, वैश्विक स्तर पर गेहूं की उपलब्धता मजबूत बनी हुई है, जिससे कीमतों में बड़ी तेजी की आशंका कम है। दरअसल, रूस, तुर्की और यूक्रेन जैसे प्रमुख उत्पादक देशों में रिकॉर्ड फसल की उम्मीद है, जो इस संतुलन को बनाए रखेगी। अमेरिका में गेहूं का उत्पादन कम होने के अनुमानों के बावजूद, वैश्विक गेहूं बाजार में स्थिरता बनी हुई है। यूएसडीए के अनुसार, 2026-27 सीजन में अमेरिकी गेहूं उत्पादन घटकर 1.543 अरब बुशल रह सकता है, मुख्य रूप से हार्ड रेड विंटर गेहूं की कमजोर पैदावार के कारण। इससे वहां का गेहूं भंडार भी लगभग 20 फीसदी कम होने का अनुमान है।

ईरान-अमेरिका समझौते की उम्मीद से झूमा शेयर बाजार

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार को दमदार बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों और पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीद ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया। खास तौर पर अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते की खबर से बाजार में उत्साह का माहौल दिखा, जिससे प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती कारोबार में ही शानदार तेजी दर्ज करते हुए चढ़ गए। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 967.34 अंक की मजबूती के साथ 74,799.89 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं एनएसई निफ्टी50 भी 275.85 अंक की बढ़त के साथ 23,437.45 पर कारोबार कर रहा था। वहीं गुरुवार को कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 150.63 अंकों की गिरावट के

साथ बंद हुआ। इस गिरावट के बाद सेंसेक्स 73,832.55 के स्तर पर आ गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी इस सुस्ती से अछूता नहीं रहा। निफ्टी में 53.35 अंकों की कमजोरी देखी गई, जिसके बाद यह 23,161.60 के स्तर पर बंद हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि वॉशिंगटन और तेहरान एक महत्वपूर्ण समझौते पर सहमत हो गए हैं, जिसका अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। उन्होंने जल्द हस्ताक्षर की उम्मीद जताई, जिससे होर्मुज जलडमरूमध्य दोबारा खुलने की संभावना बढ़ी। इस खबर ने वैश्विक स्तर पर निवेशकों की धारणा को मजबूत किया और इसका सीधा असर भारतीय बाजारों पर भी पड़ा, जिससे खरीदारी तेज हुई। निफ्टी50 में लार्सन एंड टुब्रो, श्रीराम फाइनेंस और इंटरग्लोब एविएशन जैसे दिग्गजों ने सबसे ज्यादा बढ़त हासिल की। बाजार की चौड़ाई भी मजबूत रही, जिसमें निफ्टी मिडकैप इंडेक्स लगभग 1.38 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 1.61 फीसदी चढ़े, जो व्यापक बाजार में खरीदारी का संकेत था।

डिजिटलीकरण के बावजूद सार्वजनिक बैंकों में बंपर भर्तियां, 8 बैंकों ने की रिकॉर्ड भर्ती

नई दिल्ली। एजेंसी। वित्तीय वर्ष 2025-26 में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने अपने कार्यबल में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। देश के 12 में से आठ सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने इस अवधि में कुल 13,223 नए कर्मचारियों की नियुक्ति की है, जिससे उनका कुल कार्यबल बढ़कर 6.28 लाख से अधिक हो गया है। यह वृद्धि ऐसे समय में हुई है जब बैंकिंग क्षेत्र में डिजिटलीकरण और स्वचालन पर जोर दिया जा रहा है, जो बैंकों की विस्तार और ग्राहक सेवा रणनीतियों को दर्शाता है। आठ सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार 31 मार्च, 2026 तक इनका कुल कर्मचारी बल 6,28,203 रहा, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह 6,14,980 था। इस भर्ती अभियान में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) सबसे आगे रहा, जिसने पिछले वित्त वर्ष में 8,905 कर्मचारियों की नियुक्ति की। एसबीआई का कार्यबल अब 2,45,131 हो गया है, और देश के सबसे बड़े बैंक की नियुक्तियों में 67 प्रतिशत हिस्सेदारी रही। एसबीआई के अलावा बैंक ऑफ बड़ौदा ने 1,685 और बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने 1,005 कर्मचारियों को नियुक्त किया। केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन बैंक ने भी अपने कार्यबल में वृद्धि की। यह विस्तार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बेहतर वित्तीय प्रदर्शन और मजबूत बही-खाते का परिणाम है, जिससे वे प्रौद्योगिकी, जोखिम प्रबंधन और शाखा बैंकिंग जैसे क्षेत्रों में मानव संसाधन बढ़ा रहे हैं। चार अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन ओवरसीज बैंक ने अभी तक अपनी वार्षिक रिपोर्ट जारी नहीं की है।

थोक ग्राहकों की पेट्रोल पंपों से खरीद पर प्रतिबंध, सरकार की नई गाइडलाइन

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल की खरीद को लेकर नई गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत अब औद्योगिक, वाणिज्यिक और संस्थागत ग्राहकों को सीधे रिटेल पेट्रोल पंपों से ईंधन खरीदने की अनुमति नहीं होगी। यह नियम शुरुआती तौर पर 90 दिनों के लिए लागू किया गया है। सरकार ने यह कदम अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में अचानक आई तेजी और घरेलू आपूर्ति पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए उठाया है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण कच्चे तेल के दाम बढ़े हैं, लेकिन आम उपभोक्ताओं पर बोझ न पड़े इसलिए रिटेल पेट्रोल पंपों पर कीमतें सीमित रखी गईं। वहीं, थोक ग्राहकों के लिए दरें अधिक थीं। अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में इस अंतर के चलते कई बड़े उपभोक्ता, जैसे फैक्ट्रियां और टेलीकॉम टावर, सस्ते ईंधन के लिए रिटेल पंपों का रुख कर रहे थे। इससे आम उपभोक्ताओं के लिए ईंधन उपलब्धता बाधित हो रही थी और आपूर्ति तंत्र पर अत्यधिक दबाव बढ़ रहा था। इसी स्थिति को नियंत्रित करने के लिए नए आदेश जारी किए गए हैं। अब औद्योगिक और व्यावसायिक इकाइयों को केवल अधिकृत थोक डीलरों से ही ईंधन खरीदना होगा। इसके अलावा, रिटेल पंपों से किसी भी वाहन या ग्राहक को एक दिन में अधिकतम 200 लीटर डीजल ही दिया जा सकेगा। पेट्रोल पंप से खरीदे गए ईंधन की कालाबाजारी या आगे मुनाफे के लिए बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित है, उल्लंघन पर आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। नियमों के पालन के लिए सख्त निगरानी व्यवस्था भी लागू की गई है, जिसमें डीएसपी रैंक के अधिकारी व तेल कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी जांच कर सकेंगे। सरकार ने राज्यों को भी जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के विशेष निर्देश दिए हैं।

मेष- आज का दिन आपके लिए आर्थिक मामलों में नई उम्मीदें लेकर आया है। निवेश और पैसों से जुड़े फैसलों में अगर धैर्य रखेंगे, तो अच्छे लाभ के संकेत मिल सकते हैं। कामकाज में आपका जोश देखते ही बनेगा और आप अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पूरे उत्साह से जुटे रहेंगे। जीवनसाथी के साथ बिताए गए खुशनुमा पल रिश्ते में और मिठास घोलेंगे। बिजनेस करने वाले लोग कमाई बढ़ाने के नए रास्तों पर गंभीरता से विचार करेंगे। सेहत को लेकर छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज न करें।

वृषभ- आज का दिन आपको सोच-समझकर कदम बढ़ाने का संकेत दे रहा है। जितनी समझदारी से काम करेंगे, उतनी ही सफलता आपके करीब आएगी। मान-सम्मान बढ़ने से आत्मविश्वास भी ऊंचा रहेगा। परिवार में विवाह से जुड़ी कोई रुकावट दूर होने से घर का माहौल खुशियों से भर सकता है। यात्रा के दौरान कोई खास जानकारी मिल सकती है, जो आगे आपके लिए फायदेमंद साबित होगी।

मिथुन- आज आप अपने काम और लाइफस्टाइल दोनों में बदलाव लाने की कोशिश करेंगे और यही बदलाव आपको आगे बढ़ाएंगे। परिवार में किसी नए सदस्य के आने की खबर माहौल को खुशियों से भर सकती है। विवाह से जुड़ी परेशानियां दूर होती नजर आएंगी। पिताजी की सलाह आज आपके लिए बेहद काम की साबित होगी। ऑफिस में किसी जरूरी चर्चा के दौरान आपके विचारों की तारीफ होगी और वरिष्ठ लोग भी आपके सुझावों से प्रभावित नजर आएंगे।

कर्क- आज आपके जीवन में सुख-सुविधाओं का स्तर बढ़ता हुआ दिखाई देगा। नया वाहन या घर के लिए कोई जरूरी सामान खरीदने का विचार बन सकता है। यदि लोन लेने की सोच रहे हैं, तो उसमें भी आसानी के संकेत हैं। सरकारी कामों में थोड़ी देरी जरूर हो सकती है, लेकिन धैर्य रखने से सब ठीक होगा। किसी दोस्त की आर्थिक मदद करके आप रिश्तों को और मजबूत बनाएंगे।

सिंह- आज का दिन आपके लिए लाभ और संतोष दोनों लेकर आएगा। बिजनेस में अच्छे परिणाम मिलने से मन खुश रहेगा और मेहनत का फल साफ दिखाई देगा। शेयर बाजार से जुड़े लोगों के लिए भी दिन सकारात्मक रह सकता है। प्रेम जीवन में मिठास बनी रहेगी और साथी के साथ बिताया गया समय दिल को सुकून देगा। सिंगल लोगों की किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है।

कन्या- आज का दिन मिला-जुला रहेगा, लेकिन आपकी मेहनत और ईमानदारी आपको आगे बढ़ाएगी। नौकरीपेशा लोगों की लगन देखकर अधिकारी खुश होंगे। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में लगेगा और अच्छे परिणाम मिलने की संभावना बनेगी। खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। वैवाहिक जीवन में तालमेल और समझदारी बनी रहेगी। अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें, क्योंकि छोटी बात भी विवाद का कारण बन सकती है।

तुला- आज आर्थिक मामलों में समझदारी से चलना आपके लिए बेहद जरूरी रहेगा। खर्च और आय के बीच संतुलन बनाकर चलेंगे तो भविष्य सुरक्षित रहेगा। बिजनेस में आपकी योजनाएं धीरे-धीरे लाभ देने लगेंगी। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का मौका मिल सकता है, जिससे रिश्ते में नई ताजगी आएगी। कामों को टालने की आदत से बचें, क्योंकि बाद में यही परेशानी बढ़ा सकती है। परिवार में धैर्य बनाए रखें और गुस्से से दूरी बनाएं।

वृश्चिक- आज आपको आर्थिक मामलों में थोड़ा संभलकर चलने की जरूरत है। सोच-समझकर खर्च करेंगे तो आने वाला समय ज्यादा सुरक्षित रहेगा। आसपास का कोई विवाद खत्म होने से मन को राहत मिलेगी। खानपान पर ध्यान देना जरूरी होगा, क्योंकि सेहत का असर आपके मूड पर भी पड़ सकता है। पुराने दोस्त से मुलाकात भावुक भी करेगी और खुशियां भी देगी। परिवार की परेशानियां धीरे-धीरे कम होती नजर आएंगी।

धनु- आज का दिन सुख और समृद्धि लेकर आने वाला है। जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें सफलता मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। सम्मान या पुरस्कार मिलने की संभावना भी बन रही है। बिजनेस की उलझनें सुलझेंगी और योजनाएं स्पष्ट होंगी। विद्यार्थियों को मानसिक राहत मिलेगी और पढ़ाई का दबाव कम महसूस होगा।

मकर- आज का दिन थोड़ा उलझनों से भरा रह सकता है, इसलिए हर फैसला सोच-समझकर लें। किसी काम को लेकर मन में संदेह है, तो फिलहाल उसे टालना ही बेहतर रहेगा। पिताजी की किसी बात से मन दुखी हो सकता है, लेकिन समय के साथ सब सामान्य हो जाएगा। नए काम की योजना बन सकती है, जो भविष्य में फायदेमंद साबित होगी। विवादों से दूरी बनाए रखें।

कुंभ- आज का दिन सामान्य रहेगा, लेकिन कुछ छोटी चुनौतियां सामने आ सकती हैं। ऑफिस में कोई सहयोगी आपके खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश कर सकता है, इसलिए सतर्क रहें। बढ़ते खर्च चिंता दे सकते हैं, इसलिए फिजूलखर्ची से बचें। संतान से जुड़ी कोई बात मन को थोड़ा परेशान कर सकती है।

मीन- आज आप ऊर्जा और सकारात्मक सोच से भरपूर रहेंगे। अच्छे कामों में मन लगेगा और सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय रहेंगे। बिजनेस की लंबी योजनाएं गति पकड़ेंगी और रुका हुआ धन वापस मिलने से राहत मिलेगी। सरकारी काम या टेंडर मिलने की संभावना उत्साह बढ़ा सकती है। परिवार में किसी सदस्य को सरप्राइज देकर खुशियों का माहौल बनाएंगे और रिश्तों में अपनापन और गहरा होगा।

शब्दजाल - 8288

चे	क	ल	व	ग	आ	ना	क	प	ल	क
र	श	ल	न	व	जी	इ	द	इ	ट	कि
त	स	व	ल	र्म	छ	पु	य	रा	ख	स
क	ज	ज	न	पु	अ	ड	र	र	ल	ले
क	क	दो	ज	श्री	लं	का	तू	ग	झ	व
ज	ति	श	री	ह	इ	नि	ना	ण	घ	को
ती	आ	स	लि	या	प	ल	स	र	ला	ल
क	ता	शे	ई	सि	व	ते	फ	न	श	पा
वे	बा	बे	न	व	जी	ल	बे	ग	प	कि
द	पा	त	प	न	जी	र्त	ऐ	त	प	स्ता
क	अ	व	प	ची	न	रा	बा	द	प	न

शब्द जाल में यहूदी कलेंडर के 10 महीनों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

तिशरी, चेशवन, किसलेव, तेवेत, शेवेत, अडर, निसन, आइयर, सिवन, अव

शब्दजाल - 8287 का हल

फिल्म वर्ग पहेली - 7232

बायें से दायें:-

१. ऋषिकपूर, मनीषा की 'दिल की कहीं न जाए' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली रितिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
६. कृतिका, सोनू की 'सुबह सुबह जब खिड़की' गीत वाली फिल्म-२
७. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
९. फिल्म 'चोरी चोरी' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'रणभूमि' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१२. ऋषिकपूर, डिम्पल की 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'पिया तू अब तो आजा' गीत वाली फिल्म 'कारवाँ' का नायक-३
१४. प्रशांत, ऐश्वर्या की 'कोलंबस कोलंबस' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली मनोज वाजपेयी, तब्बू की फिल्म-२
१६. जैकी, जूही, अमृता की 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दम भर जो उधर मुँह फेरे' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-३
२०. धर्मेन्द्र, हेमा की 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
२१. 'पार्दे' में रितिक की नायिका -३
२३. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मेरी जाँ प्यार करो' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी, रंजीता की फिल्म-२
२८. शत्रुघ्न, मिथुन, हेमा, अनिल राज की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देवआनंद, माला की फिल्म-२
३०. 'अगर जिंदगी हो तेरे संग हो' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'चंदा ने दी चाँदनी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

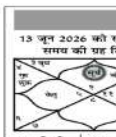

१. 'हँसदे हँसदे' गीत वाली कमल हासन, रवीना, मनीषा की फिल्म-३
२. अमिताभ, शाहरुख, उदय चोपड़ा, ऐश्वर्या, किम शर्मा, प्रीति की फिल्म-४
३. 'आजा आजा दिल की ए' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
५. 'दिल क्यों धड़कता है' गीतवाली फिल्म-३
६. 'सुनिये तो रुकिये तो' गीत वाली शाहरुख, जूही चावला की फिल्म-२,२
८. फिल्म 'सवेरे वाली गाड़ी' में नायक-२
११. मिथुन, आदित्य, रेखा की 'मेरा नाम बिल्लू' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'अभी साँस लेने की' गीत वाली सलमान, सनी, करिश्मा की फिल्म-२
१५. सनी, मीनाक्षी, ममता की 'कोई जाए तो ले' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मेरे सपनों की रानी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१७. मिथुन, अतुल, पूजाभट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'जीवन के सफर में राही' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-४
१९. 'कभी हाँ कभी ना' में सुचित्रा कृष्णामूर्ति के चरित्र का नाम-२
२२. 'सनम तेरी कसम' में नायिका कौन-२
२३. सनी, अमृता की 'तेरी तस्वीर मिल गई' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'प्यार कोई खेल नहीं' की नायिका-३
२५. 'रुके रुके से' गीत वाली फिल्म जिसमें संजीव, शर्मिला थे-३
२६. फिल्म 'संन्यासी' में नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7231

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

13 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय
सूर्य	वृष में	मिथुन 05.27 बजे से
चंद्र	वृष में	कर्क 07.40 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह 09.57 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या 12.09 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला 14.19 बजे से
शुक्र	कर्क में	वृश्चिक 16.34 ब.से
शनि	मीन में	धनु 18.50 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर 20.55 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ 22.42 बजे से
राहुकाल		मीन 00.14 बजे से
9.00 से 10.30		मेष 01.45 बजे से
बजे तक		वृष 03.25 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 164 वा दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ पक्ष कृष्ण
तिथि त्रयोदशी 16.08 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 01.17 बजे रात्र को समाप्त।
योग सुकर्मा 17.29 बजे को समाप्त।
करण गर 05.56 बजे, वणिज 16.08 बजे तदनन्तर विष्टि 02.16 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 12'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872739
जूलियन दिन 2461204.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447 महीना जिल्हेज
तारीख 27 विशेष मासिक शिवरात्रि।

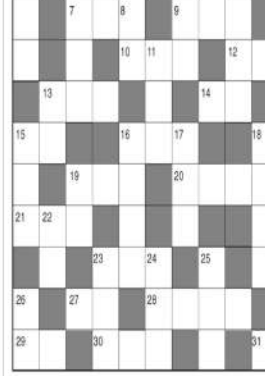

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः लालच

रेलवे स्टेशन पर मालगाड़ी से शीरे के बड़े-बड़े ड्रम उतारे जा रहे थे। उन ड्रमों से थोड़ा-थोड़ा शीरा मालगाड़ी के पास नीचे जमीन पर गिर रहा था। जहाँ शीरा गिरा था मक्खियाँ आकर बैठ गई और शीरा चाटने लगीं। ऐसा करने से उनके छोटे-छोटे मुलायम पंख उस शीरे में ही चिपक गए, फिर भी मक्खियों ने उधर ध्यान न देकर शीरे का लालच न छोड़ा और काफी देर तक शीरा चाटने में ही मगन रहीं। कुछ समय बाद वहाँ एक कुत्ता भी आ गया। कुत्ते को देखकर वे मक्खियाँ डरीं और वहाँ से उड़ने की कोशिश करने लगीं, परंतु पंख शीरे में चिपक जाने के कारण वे उड़ नहीं सकीं और शीरे के साथ-साथ वे सब भी कुत्ते का भोजन बनती गई। उसी समय उड़ते-उड़ते और कई मक्खियाँ भी उस शीरे पर आकर बैठती गई। उन सबके पंख भी शीरे में चिपक गए और वे भी उस कुत्ते का भोजन बन गई। उन्होंने पहले से पड़ी मक्खियों की दुर्गति और विनाश देखकर भी उनसे कोई सीख नहीं ली, जबकि वही विनाश उनकी भी प्रतीक्षा कर रहा था। यही दशा इस संसार की है। मनुष्य देखता है कि लोभ-मोह किस तरह आदमी को दुर्गति में, संकट में डालता है, फिर भी वह दुनिया के इन दुर्गुणों से बचने की कोशिश कम ही करता है। परिणामतः अनेक मनुष्यों की भी वही दुर्गति होती है, जो उन लोभी मक्खियों की हुई।

सूडोकू नवताल- 7541

मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -7540 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8756

बाएँ से दाएँ

1. चोगा, गाऊन-3
3. पायजामा, शलवार-4
6. भाग्य, लक-3
7. सूर्य, भास्कर-2
8. बिता हुआ दिन-2
10. न्यूनता, निम्नता-5
12. मैडल, पदक-3
15. माला का मोती-3
17. कुलिन स्त्री-5
20. थूक, लेस-2
22. विलंब, लेट-2
23. जाँच, निरीक्षण-3
24. श्मशान, शवदाहगृह-4
25. साफ, बेदाग-3

ऊपर से नीचे

2. दानशीलता, उदारता-5
3. पाठ, शिक्षा-3
4. रात्रि जागरण-4
5. नेत्रावरण-3
7. लीन, मगन-2
9. बुरी आदत-2
11. कामदेव-3
13. मगरमच्छ-3
14. इंतजार करना-2,3
15. आलेप, लोशन-4
16. सफेद का विलोम-2
18. पानी से सराबोर-2
19. माजरा, हालात-3
21. रिपोर्ट-3

शब्द पहेली -8755 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

कृषि विभाग द्वारा कृषि केन्द्रों का किया जा रहा औचक निरीक्षण

किसानों को उच्च गुणवत्ता के बीज तथा संबधित कृषि सामग्री हो उपलब्ध

पद्मेश न्यूज। लांजी। जिले भर में कृषि विभाग के द्वारा लगातार कृषि केन्द्रो का औचक निरीक्षण किया जा रहा है उद्देश्य है किसानों को उच्च्य गुणवत्ता के बीज तथा संबधित कृषि सामग्री उपलब्ध हो तथा सभी कृषि केन्द्र नियमों के आधार पर ही कृषि केन्द्रो का संचालन करे। इसी कड़ी में 12 जुन को जिला कलेक्टर मृणाल मीना एवं उप संचालक कृषि फूल सिंह मालवीय के निर्देशन में जिलेभर में कृषि आदान विक्रेताओं की जांच अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा चौधरी ट्रेडर्स कृषि केंद्र, भानेगांव का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एसडीओ खुदीराम सनोडिया, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कुलदीप गणवीर, कृषि विस्तार अधिकारी अमित नारनौरे अपने दल के साथ उक्त चौधरी ट्रेडर्स कृषि केन्द्र भानेगांव पंहुचे, निरीक्षण के दौरान संचालक संजय चौधरी विक्रेता द्वारा कई अनियमितताएं बरती गई है। अधिकारियों ने पाया कि केंद्र में स्टॉक बुक संधारित नहीं की जा रही थी, प्रिंसिपल सर्टिफिकेट संलग्न नहीं था, बिल बुक उपलब्ध नहीं थी तथा लाइसेंस निर्धारित स्थान पर चस्पा नहीं किया गया था। उक्त अनियमितताओं को गंभीरता से लेते हुए कृषि विभाग के अधिकारियों के द्वारा संबंधित कृषि केंद्र का विक्रय कार्य तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर दिया गया है। साथ ही बीजों की गुणवत्ता की जांच के लिए बीज के नमूने भी संग्रहित किए गए, जिन्हें परीक्षण हेतु जांच लैब भेजा जाएगा। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज एवं कृषि आदान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ऐसे निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे। कृषि विभाग ने किसानों से भी अपील की है कि उच्च्य गुणवत्ता वाले बीज एवं अन्य सामग्री की जांच कर खरीदी की जाये।

कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन 15 जून को, नव नियुक्त पदाधिकारियों को मिलेंगे नियुक्ति पत्र

पद्मेश न्यूज। लांजी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संगठनात्मक विस्तार और कार्यकर्ताओं को सक्रिय रूप से जोड़ने के उद्देश्य से आगामी 15 जून 2026 को कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लांजी एवं बहेला के कार्यकर्ताओं का संयुक्त सम्मेलन आयोजित होगा, जिसमें पंचायत स्तर पर नव नियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए जाएंगे। सम्मेलन का आयोजन सुबह 11 बजे सिद्धेश्वर मंगल भवन लांजी में किया जाएगा। कार्यक्रम में कांग्रेस संगठन के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रहेगी। सम्मेलन का उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाना, कार्यकर्ताओं को संगठन की गतिविधियों से सक्रिय रूप से जोड़ना तथा आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों और रणनीतियों पर चर्चा करना है। साथ ही नए पदाधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियों एवं संगठनात्मक दायित्वों के संबंध में मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान पंचायत समिति स्तर पर नियुक्त किए गए पदाधिकारियों को औपचारिक रूप से नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। कांग्रेस नेताओं का मानना है कि इससे संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति मिलेगी और जमीनी स्तर पर संगठन और अधिक सशक्त होगा। सम्मेलन में संगठन की नीतियों, जनहित से जुड़े मुद्दों तथा क्षेत्रीय विकास संबंधी विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की जाएगी। इस सम्मेलन के माध्यम से कार्यकर्ताओं के बीच आपसी समन्वय, संवाद और संगठनात्मक एकजुटता को मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम की सफलता के लिए ब्लॉक एवं नगर स्तर के पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। उल्लेखनीय है कि इस सम्मेलन का आयोजन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लांजी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला एवं नगर कांग्रेस कमेटी लांजी के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। आयोजकों ने क्षेत्र के सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं समर्थकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

सांसद भारती पारधी ने नए राम मंदिर में पूजा-अर्चना कर सुंदर कांड का पाठ किया

पद्मेश न्यूज। लांजी। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा के बड़े नेताओं द्वारा जनसंपर्क अभियान के तहत गांव-गांव दौरा किया जा रहा है। इसी क्रम में बालाघाट-सीवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी ने 11 एवं 12 जून 2026 को लांजी विधानसभा क्षेत्र का व्यापक दौरा किया। सांसद पारधी पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 11 जून गुरुवार को प्रातः 10:30 बजे लांजी के लिए रवाना हुई। इस दौरान उन्होंने डूंडासिवनी, मोहगांवखुर्द, भालवा, माटे (पोर्टीटोला), मोरवाही (दहेदी), आमगांव, किरनापुर, वारा, अकोला, कोकना, भानेगांव, बेनेगांव, ककोड़ी सहित अनेक गांवों में जनसंपर्क कार्यक्रमों में भाग लिया। वे विभिन्न गांवों में आयोजित विशेष कार्यक्रमों में शामिल हुईं, जहां स्थानीय आमजन, पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से मुलाकात की। सांसद ने हर जगह लोगों का हाल-चाल जाना, उनकी समस्याएं सुनीं और केंद्र सरकार की योजनाओं तथा विकास कार्यों की जानकारी दी।

लांजी के नए राम मंदिर में सुंदर कांड पाठ

दिनभर के व्यापक दौरे के बाद रात्रि करीब 9 बजे सांसद भारती पारधी लांजी पहुंचीं। यहां पुराना गुजरी चौक स्थित मां लंजकाई मंदिर ट्रस्ट के अधीन राम मंदिर में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सुंदर कांड पाठ का विशेष आयोजन किया गया था। सांसद श्रीमती पारधी मंदिर पहुंचते ही रामलला की पूजा-अर्चना की और भक्तिमय माहौल में सुंदर कांड का पाठ किया। इस दौरान विधायक राजकुमार करहि, भाजपा के जिला-मंडल पदाधिकारी, स्थानीय कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी को प्रसादी वितरित की गई।

13 जून से शुरू होगा बालाघाट-गर्रा रोड ओव्हर ब्रिज पर यातायात

रेलवे फाटक स्थायी रूप से होगा बंद, अब नए आरओबी से गुजरेंगे सभी वाहन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट-वारासिवनी मुख्य मार्ग पर वैनगंगा नदी पुल के पहले निर्मित रोड ओव्हर ब्रिज (आरओबी) से 13 जून 2026 से यातायात शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही रेलवे की मानवयुक्त लेवल क्रॉसिंग क्रमांक बीके-09, किलोमीटर 1048/0-1 को 13 जून को दोपहर 12 बजे से स्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, गोंदिया के सेक्शन इंजीनियर (अनुभाग अभियंता) द्वारा जारी सूचना के अनुसार 13 जून 2026 को दोपहर 12 बजे से उक्त रेलवे फाटक सभी प्रकार के सड़क यातायात के लिए हमेशा के लिए बंद कर दिया जायेगा। इसके बाद बालाघाट-गर्रा एवं वारासिवनी मार्ग से आने-जाने वाले छोटे-बड़े सभी वाहनों का आवागमन नव निर्मित रोड ओव्हर ब्रिज से कराया जाएगा। रोड ओव्हर ब्रिज शुरू होने से लंबे समय से लोगों को होने वाली परेशानी से राहत मिलने की उम्मीद है। पहले ट्रेन गुजरने के दौरान रेलवे फाटक बंद रहने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग जाती थी, जिससे यात्रियों और स्थानीय नागरिकों को काफी समय तक इंतजार करना पड़ता था। अब आरओबी बनने से यातायात अधिक सुगम, सुरक्षित और तेज हो जाएगा। आरओबी निर्माण के दौरान बस, ट्रक एवं अन्य बड़े वाहनों का यातायात डेंजर रोड से डायवर्ट किया गया था। इससे भारी वाहनों को शहर में प्रवेश और बाहर निकलने में अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती थी। अब रोड ओव्हर ब्रिज शुरू होने के बाद बड़े वाहनों को डेंजर रोड से होकर आने-जाने की आवश्यकता नहीं होगी। बस, ट्रक और अन्य भारी वाहन सीधे रोड ओव्हर ब्रिज के माध्यम से बालाघाट शहर में प्रवेश कर सकेंगे तथा बाहर जा सकेंगे, जिससे समय और ईंधन दोनों की बचत होगी। स्थानीय नागरिकों और वाहन चालकों ने इस निर्णय का स्वागत किया है। लोगों का कहना है कि आरओबी शुरू होने से शहर और आसपास के क्षेत्रों के बीच आवागमन में सुविधा बढ़ेगी तथा दुर्घटनाओं की संभावना भी कम होगी। प्रशासन और रेलवे विभाग ने वाहन चालकों से अपील की है कि 13 जून को दोपहर 12 बजे के बाद पुराने रेलवे फाटक मार्ग का उपयोग न करें तथा निर्धारित डायवर्ट मार्ग एवं यातायात संकेतों का पालन करें, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

बरबसपुर में दो मोटरसाइकिल आपस टकराई -दो युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरबसपुर के कोपे रोड पर दो मोटरसाइकिलों की आमने सामने टक्कर हो गई। इस सड़क दुर्घटना में दो युवक घायल हो गए।जिनमें एक युवक को गंभीर चोटें आने पर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह युवक डालीराम पिता दिलीपचंद सैय्याम 32 वर्ष पटेल टोला ग्राम कटंगझरी थाना लालबर्रा निवासी है वहीं दूसरे मोटरसाइकिल सवार को मामूली चोटें आईं।जो उपचार के दौरान अस्पताल से चला गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल युवक डालीराम सैय्याम

अपने परिवार के साथ खेती किसानी का कार्य करता है। बताया जा रहा है कि 12 जून को सुबह करीब 10 बजे डालीराम अपनी मोटरसाइकिल से ग्राम बरबसपुर अपनी मौसी के घर जा रहा था। इसी दौरान ग्राम बरबसपुर में एक मोड़ के पास सामने से तेज रफ्तार में आ रही दूसरी मोटरसाइकिल ने डालीराम की मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों मोटरसाइकिल सवार सड़क पर गिर पड़े और घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डालीराम को गंभीर चोटें होने के कारण भर्ती किया गया। वहीं दूसरी मोटरसाइकिल में सवार युवक जो ग्राम चिखोद निवासी बताया जा रहा है। जिसे मामूली चोटें आई थीं और वह अस्पताल से चला गया।फिलहाल घायल डालीराम का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

राम मंदिर दान विवाद-पीएमओ ने राम मंदिर ट्रस्ट से रिपोर्ट तलब की

पद्मनाभ मंदिर में कोर्ट की निगरानी, सांवलिया सेठ में भक्तों के सामने खुलता है खजाना

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की पारदर्शिता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। हाल ही में यूपी के पूर्व मंत्री पवन पांडेय और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने साढ़े सात करोड़ तक की चोरी का आरोप लगाया था, इसके बाद राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने ऑडिट जारी होने की बात कहकर आरोपों को खारिज किया। हालांकि, मामले की गंभीरता को देखकर 10 जून को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने राम मंदिर ट्रस्ट से रिपोर्ट तलब की है। यह घटनाक्रम देश के अन्य बड़े मंदिरों के सुव्यवस्थित और पारदर्शी दान प्रबंधन प्रणालियों के विपरीत है, जहां लाखों-करोड़ों का चढ़ावा बेहद सख्त निगरानी में गिना जाता है। राम मंदिर में चढ़ावे की गिनती सीसीटीवी की निगरानी में रोजाना होती है, लेकिन इसकी प्रक्रिया आम श्रद्धालुओं के लिए खुली नहीं है और न ही सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक होते हैं। गिनती के बाद दान की रकम को रजिस्टर में दर्ज कर लॉकर में रखा जाता है और अगले दिन बैंक में जमा कराया जाता है। हालांकि, मंदिर में कितना चढ़ावा आया, इसकी कोई आधिकारिक जानकारी नियमित रूप से सार्वजनिक नहीं की जाती। ट्रस्ट की अंतिम बैठक दिसंबर 2025 में हुई थी, जिसमें 4575 करोड़ के कुल दान की जानकारी दी गई थी, लेकिन उसके बाद की रकम का कोई हिसाब सार्वजनिक नहीं किया है। साथ ही, जहां अधिकतर बड़े मंदिरों में ऑडिट का काम सरकार या अंदरूनी विभाग करते हैं, वहीं राम मंदिर के चढ़ावे का ऑडिट एक निजी कंपनी (टीसीएस) द्वारा किया जाता है, जो एक और चिंता का विषय है। इसके विपरीत, देश के कई बड़े मंदिर दान प्रबंधन में उच्च्य पारदर्शिता के मॉडल पेश करते हैं। केरल का श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर, अपनी अपार संपदा के लिए विख्यात है, जहां चढ़ावे और वित्तीय प्रबंधन की निगरानी सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बनी प्रशासनिक समिति करती है, जिसकी अध्यक्षता तिरुवनंतपुरम के जिला जज करते हैं।दानपेटियां सीसीटीवी की निगरानी में बैंक अधिकारियों, सुरक्षाकर्मियों और समिति सदस्यों की मौजूदगी में खुलती हैं। आंध्र प्रदेश का तिरुमाला तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर भी अपने सुव्यवस्थित मॉडल के लिए जाना जाता है। यहां परकामणि भवन नामक एक हाई-टेक हॉल में शीशे की दीवारों के पीछे गिनती होती है, जिसे श्रद्धालु बाहर से देख सकते हैं। गिनती करने वालों को विशेष, बिना जेब वाले कपड़े पहनने होते हैं और मोबाइल या निजी सामान रखने की अनुमति नहीं होती। वहीं राजस्थान के सांवलिया सेठ मंदिर में पारदर्शिता का अनोखा उदाहरण मिलता है, जहां हर महीने कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को खुले हॉल में दानपेटियां खोली जाती हैं। यहां कोई भी आम श्रद्धालु अपना आधार कार्ड दिखाकर गिनती में शामिल हो सकता है। एडीएम स्तर के अधिकारी, मंदिर मंडल और बैंक अधिकारी पूरी प्रक्रिया की निगरानी करते हैं, जिसकी लाइव वीडियोग्राफी भी होती है। हर शाम गिनती का हिसाब प्रेस रिलीज के माध्यम से सार्वजनिक किया जाता है। महाराष्ट्र के शिरडी साईं बाबा मंदिर में भी गिनती बुलेटप्रूफ हॉल में होती है, जहां कर्मचारियों को बिना जेब वाले कपड़े पहनने होते हैं और ऑडिट निजी कंपनी नहीं, बल्कि महाराष्ट्र सरकार का स्थानीय निधि ऑडिट विभाग करता है। इसके बाद राम मंदिर ट्रस्ट से भी ऐसी ही पारदर्शिता और सख्त निगरानी व्यवस्था की उम्मीद की जा रही है।

देश में यह साफ संदेश जाये कि राहुल गांधी इंडिया गठबंधन के नेता है-गहलोत

कांग्रेस से बनी क्षेत्रीय पार्टियां वापस लौटें

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राऊत के उस सुझाव का समर्थन किया है, जिसमें कहा गया है कि कांग्रेस से निकली क्षेत्रीय पार्टियों को पार्टी में फिर से शामिल हो जाना चाहिए और राहुल गांधी के नेतृत्व का मिलकर समर्थन करना चाहिए। विपक्ष की एकजुटता की जरूरत पर बात करते हुए गहलोत ने कहा कि मौजूदा राजनीतिक हालात में लोकतंत्र को . के लिए एकजुट होकर लड़ने की जरूरत है। गहलोत ने कहा कि संजय राऊत की बात में दम है। अब लोकतंत्र को बचाने के लिए लड़ने का समय आ गया है। जब हम सभी लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए मैदान में हैं, तो मैं उनकी इस राय का समर्थन करता हूं कि जो पार्टियां कांग्रेस से अलग होकर बनी थीं, उन्हें फिर से साथ आने पर विचार करना चाहिए और पूरे दिल से राहुल गांधी को अपना नेता स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन को देश के सामने एक साफ और स्पष्ट नेतृत्व वाला चेहरा पेश करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरे देश में यह साफ संदेश जाना चाहिए कि राहुल गांधी इंडिया गठबंधन के नेता हैं। लोग नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी के बीच सीधा राजनीतिक मुकाबला देखते हैं। अगर सभी विपक्षी दल मिलकर और बिना किसी हिचकिचाहट के राहुल गांधी का नेतृत्व स्वीकार कर लें, तो देश में वोटिंग का पैटर्न काफी बदल सकता है। गहलोत ने साफ किया कि उनकी बात उन पार्टियों के लिए नहीं थी जिनकी ऐतिहासिक रूप से अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान रही है। उन्होंने कहा कि शिवसेना हमेशा से एक अलग पार्टी रही है। सीपीआई(एम) और सीपीआई ने भी अपने-अपने राजनीतिक रास्ते अपनाए हैं। हम उन पर ऐसा कोई दावा नहीं कर सकते। इसी तरह, समाजवादी पार्टी जैसी पार्टियों की अपनी शुरुआत और परंपराएं हैं। हमें उनसे कोई शिकायत नहीं है। हालांकि, जो पार्टियां कांग्रेस से अलग होकर बनी हैं, उन्हें इस अहम मोड़ पर व्यापक राष्ट्रीय हित के बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए। लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थिति पर चिंता जाहिर करते हुए गहलोत ने कहा कि मेरा मानना है कि इस देश में लोकतंत्र पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। हालात बेहद चिंताजनक हैं और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करना सभी राजनीतिक ताकतों की सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए।युवाओं को संबोधित करते हुए गहलोत ने छात्रों और युवा नागरिकों से वैचारिक सोच के आधार पर सार्वजनिक जीवन और राजनीति में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया।उन्होंने कहा कि मैं युवा पीढ़ी से बार-बार अपील करता हूं कि वे विचारधारा के आधार पर राजनीति में आएं। चाहे आप छात्र हों या युवा पेशेवर, यह आपके लिए भाग लेने का समय है। अलग-अलग राजनीतिक विचारधाराओं को समझें और उस पार्टी से जुड़ें जो आपको लगता है कि राष्ट्रीय हित में काम करती है। हमारे राजनीतिक विचार अलग हो सकते हैं, लेकिन जो मायने रखता है वह लोकतांत्रिक प्रक्रिया में आपकी भागीदारी है।उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियां का मूल्यांकन इस आधार पर किया जाएगा कि उन्होंने देश के इतिहास के अहम मौकों पर क्या भूमिका निभाई। इतिहास हममें से हर एक से पूछेगा कि हमने अपने समय में क्या भूमिका निभाई। उस जिम्मेदारी से पीछे न हटें। आगे आएं, राजनीति में भाग लें और लोकतंत्र व देश को मजबूत करने में योगदान दें।

मीनाक्षी नटराजन नामांकन रद्द मामले को लेकर कांग्रेस का दिल्ली में विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और विधायकों ने शुक्रवार को दिल्ली में सत्याग्रह विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन राज्यसभा के लिए मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के विरोध में किया गया था, इस नामाकंन रदद होने को कांग्रेस ने लोकतंत्र पर सीधा हमला बताया है। जंतर-मंतर पर जुटे प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के प्रयास में दिल्ली पुलिस ने कई प्रमुख नेताओं और विधायकों को हिरासत में ले लिया। मध्यप्रदेश में विपक्ष के नेता उमंग सिंघार के नेतृत्व में मध्य प्रदेश कांग्रेस विधायक दल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करने दिल्ली पहुंचा था, लेकिन उन्हें मिलने की अनुमति नहीं मिली, जिस पर नेताओं ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है। विरोध प्रदर्शन को देखकर जंतर-मंतर पर भारी संख्या में दिल्ली पुलिस बल तैनात किया गया था और प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए बैरिकेड्स लगे थे। कांग्रेस नेता राष्ट्रपति भवन तक मार्च करने की तैयारी में थे, लेकिन पुलिस ने उनके प्रयास को विफल कर कई नेताओं को रास्ते में ही हिरासत में ले लिया। इस दौरान, जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान, मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की पुलिस के साथ तीखी बहस हुई, जब उन्हें हिरासत में लेने का प्रयास किया गया। आखिरकार, पुलिस ने उन्हें खींचकर बस में डाला और हिरासत में ले लिया। मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के बाद से ही कांग्रेस नेताओं में गहरा आक्रोश है और वे लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। विपक्ष के नेता सिंघार ने सत्याग्रह प्रदर्शन के दौरान कहा कि राष्ट्रपति किसी पार्टी की नहीं, बल्कि देश की हैं, और जिस तरह से यह कदम उठाया गया है, उससे साफ है कि वह भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रही हैं।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

देश में महंगाई चरम पर, व्यवसाय हो रहे ठप...!

5 महीने में पहली बार 4 प्रतिशत के करीब पहुंची महंगाई...खाद्य पदार्थों, ईंधन और सेवाओं की बढ़ती कीमतों ने महंगाई को बढ़ाया

नई दिल्ली। देश में खुदरा महंगाई की रफ्तार एक बार फिर बढ़ गई है। मई महीने में यह बढ़कर 3.93 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो अप्रैल में 3.48 प्रतिशत थी। पिछले 5 महीनों में यह पहली बार है जब खुदरा महंगाई रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के मीडियम-टर्म टारगेट 4 प्रतिशत के बेहद करीब पहुंच गई है। 2026 की शुरुआत में महंगाई दर काफी कम थी। जनवरी में यह 2.74 प्रतिशत के स्तर पर थी, जो मई तक लगातार बढ़ते हुए 3.93 प्रतिशत पर आ गई है। पिछले महीने यानी अप्रैल के मुकाबले मई में खुदरा महंगाई में 0.75 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मासिक आधार पर कीमतों में आया यह उछाल पिछले 16 महीनों में सबसे तेज है, जो दिखाता है कि बाजार में लगातार प्राइस प्रेशर बढ़ रहा है। उधर, देश में महंगाई के कारण छोटे-छोटे व्यवसाय भी ठप हो रहे हैं।

महंगाई में लगातार बढ़ोतरी के बाद आरबीआई और सरकार की चिंता भी बढ़ गई है। केंद्रीय बैंक पहले ही चालू वित्त वर्ष के लिए महंगाई अनुमान बढ़ा चुका है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि खाद्य और ईंधन कीमतों में तेजी जारी रहती है तो आने वाले महीनों में महंगाई 4 फीसदी के स्तर को पार कर सकती है। महंगाई बढ़ने का सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ता है। खाद्य पदार्थ, ईंधन और परिवहन सेवाएं महंगी होने से घरेलू बजट पर दबाव बढ़ सकता है। हालांकि महंगाई अभी आरबीआई की निर्धारित सीमा के भीतर है, लेकिन लगातार बढ़ता रुझान संकेत दे रहा है कि आने वाले महीनों में खर्च और बढ़ सकता है। ऐसे में उपभोक्ताओं और नीति निर्माताओं दोनों की नजर अब खाद्य कीमतों, मानसून और वैश्विक तेल बाजार पर बनी रहेगी।

इस साल की सबसे तेज मासिक बढ़ोतरी

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मई में महंगाई में हुई बढ़ोतरी इस साल की सबसे तेज मासिक वृद्धि है। जनवरी में महंगाई 2.74 फीसदी थी, जो धीरे-धीरे बढ़ते हुए मई में 3.93 फीसदी तक पहुंच गई। इससे साफ है कि कीमतों पर दबाव लगातार बढ़ रहा है।

महंगाई बढ़ने की सबसे बड़ी वजह खाद्य पदार्थों की कीमतों में तेजी रही। मई में खाद्य महंगाई बढ़कर 4.78 फीसदी हो गई, जबकि अप्रैल में यह 4.20 फीसदी थी। ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य महंगाई 4.85 फीसदी रही, जो शहरी क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि सब्जियों और अन्य जरूरी खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों ने आम लोगों के बजट पर दबाव बढ़ाया है।

रेस्तरां और सेवाएं भी हुईं महंगी

खाद्य वस्तुओं के साथ-साथ सेवाओं की कीमतों में भी तेजी देखने को मिली है। रेस्तरां और खाने-पीने से जुड़ी सेवाओं की महंगाई 5.7 फीसदी से ऊपर पहुंच गई है। इससे बाहर खाना खाना और होटल सेवाओं का उपयोग करना पहले की तुलना में अधिक महंगा हो गया है।

भोपाल में रहकर पाकिस्तान के इशारे पर कर रहा था अफगानिस्तान में अंशाति फैलाने की तैयारी

- केंद्रिय जॉच एंजेसी से मिले इनपुट पर एटीएस ने पुराने शहर से संदिग्ध को किया गिरफ्तार- पाक से भेजे गए कथित देश विरोधी दस्तावेज बरामद

- विशेष ट्रेनिंग के लिए अफगानिस्तान जाने की तैयारी में था युवक

भोपाल। राजधानी भोपाल की एटीएस ने पुराने शहर के हनुमानगंज थाना इलाके में स्थित काजी कैंप क्षेत्र से एक ऐसे संदिग्ध पाकिस्तानी आंतकी संगठन से जुड़े एजेंट को गिरफ्तार किया है, जो भोपाल में रहकर पाकिस्तानी आतंकी संगठन के इशारे पर अफगानिस्तान में अशांति फैलाने की तैयारी में जुटा था। संदिग्ध युवक बीते काफी समय से पाकिस्तानी आंतकी संगठन के संपर्क में था। सूत्रो के मुताबिक युवक के लगातार पाकिस्तानी एंजेट से संपर्क में रहने पर इसकी भनक केंद्रीय जांच एजेंसी को लग गई। इसके बाद भोपाल एटीएस ने केंद्रीय जॉच एंजेसी से मिले इनपुट के आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया। लोकल सूत्रो के अनुसार पकड़ाये गये युवक का नाम मोहम्मद फराज बताया गया है, जो कॉग्रेस नगर में रहते हुए एक डॉक्टर के क्लिनिक पर काम करता है। टीम ने इनपुट मिलने के बाद घेराबंदी कर उसे नगर निगम कॉलोनी के पास से गिरफ्तार किया है। उस पर देश-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक युवक को पाकिस्तानी आंतकी संगठन के नेटवर्क से जुड़े होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सूत्र बताते है की शुरुआती जांच में उसके कब्जे से पाकिस्तान से भेजे गए कथित देश विरोधी दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। वहीं यह भी पता चला है, की पकड़ाया गया आरोपी युवक कथित तौर पर विशेष ट्रेनिंग के लिए अफगानिस्तान जाने की तैयारी कर रहा था। जानकारी के मुताबिक आरोपी मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग भी ले रहा था। जांच एजेंसियों को उसके उत्तर प्रदेश के देवबंद मदरसे से जुड़े कुछ संपर्कों की भी जानकारी मिली है, जिसे लेकर आगे की पड़ताल की जा रही है। फिलहाल एजेंसी उससे पूछताछ कर उसके लोकल नेटवर्क सहित स्थानीय और विदेशी संपर्कों के साथ ही उसके द्वारा की जा रही संभावित गतिविधियों की जांच में जुटी है।

इंदौर में सड़क हादसे में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के रिश्तेदार की मौत, शव दिल्ली एयरलिफ्ट

इंदौर। इंदौर में दर्दनाक सड़क हादसे में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के रिश्तेदार प्रभात सिंह (29) की मौत हो गई। देर रात तेज रफ्तार बस की टक्कर लगने से प्रभात के सिर में गंभीर चोट आई, जिसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित किया। प्रभात उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के रेवती, गाय घाट के रहने वाले थे और रिश्ते में राजनाथ सिंह के भाई प्रदीप सिंह के बेटे थे।

यह हादसा शिप्रा थाना क्षेत्र में रात करीब 11 बजे हुआ। प्रभात अपने तीन परिचितों के साथ देवास से इंदौर लौट रहे थे। जब वे शिप्रा के पास अपनी कार रोककर किसी काम से उतरने के बाद वापस गाड़ी में बैठने लगे, तभी पीछे से आई एक तेज रफ्तार बस ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल प्रभात को तुरंत अरबिंदो अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। हादसे की खबर मिलते ही सोनकच्छ विधायक राजेश सोनकर सहित कई भाजपा नेता और वरिष्ठ प्रशासनिक-पुलिस अधिकारी अस्पताल पहुंचे। शुक्रवार सुबह विशेष अनुमति लेकर शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। इसके बाद शव को एयरलिफ्ट कर दिल्ली भेजा गया, जहाँ से उसे उत्तर प्रदेश के वाराणसी ले जाकर अंतिम संस्कार किया जाएगा। पुलिस बस चालक की तलाश कर रही है, जो हादसे के बाद मौके से फरार हो गया था।

पाक पीएफआई तंजीम मिशन से जुड़े गुर्गे को एटीएस ने दबोचा

भोपाल। केंद्रीय जांच एजेंसियों से मिले सुराग के बाद भोपाल आतंक निरोधी दस्ते ने हनुमानगंज स्थित काजीकैंप से एक युवक को हिरासत में लिया है। प्राथमिक विवेचना प्रस्तावित अफगानिस्तान यात्रा को लेकर की जा रही है। खबर है कि वह पाकिस्तान के इशारे पर एजेंट बना था। वह पाकिस्तान से संचालित पीएफआई तंजीम मिशन के लिए लड़ाकों के दल को बनाने की मुहिम में जुटा था। एटीएस भोपाल ने बताया कि आरोपी मोहम्मद फराज उर्फ खालिद सैफुल्लाह पिता मोहम्मद फिरोज उम्र 34 साल है। वह काजी कैंप में ही एक डॉक्टर की क्लीनिक में नौकरी करता है। वह कांग्रेस नगर बैरसिया रोड पर रहता है। आरोपी मोहम्मद फराज पाकिस्तान से संचालित एक व्हाट्स एप ग्रुप से जुड़ा था। इस काम में उसका सहयोग नईम अब्दुल्ला ने किया। वह उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में स्थित देवबंद के मदरसे से जुड़ा है। उसने ही पाकिस्तान के हैंडलर से मुलाकात कराई थी। एटीएस ने उसे भी आरोपी बनाया है। मोहम्मद फराज ने बताया कि उसे पाकिस्तान में बैठे हैंडलर ने पीएफआई तंजीम मिशन 2047 के लिए तैयार किया गया है। उसके जैसे अन्य लोगों को जोड़ने का भी काम चल रहा था। उसको पाकिस्तान जाकर इंडियन मुजाहिद्दीन से लड़ाकों के प्रशिक्षण के लिए बुलाया गया था। वहां जाने के लिए उसने पासपोर्ट भी बना लिया था। उसको प्रशिक्षण से संबंधित वीडियो भी मिला था। इस मामले में एसटीएफ थाने में एटीएस ने देश विरोधी गतिविधियों का प्रकरण दर्ज कर लिया है। आतंक निरोधी दस्ते ने मोहम्मद फराज को अदालत में पेश करने के बाद 16 जून तक पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया है। इस मामले में एटीएस की टीम नईम अब्दुल्ला को दबोचने की तैयारी में रवाना हो गई है। वहीं कांग्रेस नगर स्थित गिरफ्तार आरोपी के घर पर जाकर छानबीन की जा रही है। एटीएस आरोपी के सोशल मीडिया अकाउंट को भी खंगालने का काम कर रही है।

ईडी ऑफिस में घुसकर पिता-पुत्र ने जमकर मचाया उत्पात

भोपाल। शहर की एमपी नगर थाना इलाके में स्थित ईडी ऑफिस में घुसकर पिता-पुत्र और उनके साथ आए लोगों ने जमकर उत्पात मचाया। घटना करीब आठ दिन पहले की है। जिसकी शिकायत मिलने पर पुलिस ने जॉच के बाद मामला दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस आगे की कार्यवाही में जुटी है। बताया गया है की मुख्य आरोपी सफाई कर्मचारी है, जिसे परिसर की सफाई ठीक तरीके से नहीं होने को लेकर अधिकारियों ने नाराजगी जताते हुए उसे फटकार लगा दी थी। इसी से गुस्सा होकर उसने वारदात को अंजाम दिया। थाना पुलिस के अनुसार नीतेश धौलपुरे भारत संचार निगम लिमिटेड कार्यालय के भीतर स्थित ईडी ऑफिस में सफाई कर्मचारी के रूप में काम करता है। वह कुछ दिनों की छुट्टी के बाद काम पर लौटा तो अधिकारियों ने उसे परिसर की सफाई व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताते हुए फटकार लगा दी। इसे लेकर नीतेश की अधिकारियों से कहासुनी हो गई। बहसबाजी के बाद बाद अगले दिन 2 जून को नीतेश अपने पिता मुकेश धौलपुरे और कुछ अन्य लोगों को लेकर ऑफिस पहुंच गया। वहां उसने कर्मचारियों और अधिकारियों से दुर्व्यवहार करते हुए सामान को उठाकर तोड़ना शुरु कर दिया। हंगामे के कारण परिसर में अफरा-तफरी मच गई। किसी तरह स्थिति को संभालते हुए पुलिस को सूचना दी गई। मामले की शिकायत ईडी कार्यालय के कर्मचारी दिलीप आर्य की और से दर्ज कराई गई। जांच के बाद बुधवार पुलिस ने नीतेश धौलपुरे, उसके पिता मुकेश धौलपुरे समेत अन्य के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

जुनेद / 12 जून

चैक बाउंस के आरोपी को 1 साल का कठोर कारावास

भोपाल। चैक बाउंस मामलों के विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी विजय कुमार पाठक की अदालत ने 7 लाख रुपए के चेक बाउंस मामले के आरोपियों जितेन्द्र नागर और प्रेम सिंह निवासी कुम्हार मोहल्ला सीहोर रोड बैरागढ़ भोपाल को दोषी ठहराते हुए एक साल के कठोर कारावास और 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से 12 लाख 61 हजार 750 रुपये की प्रतिकर राशि अदा किए जाने का फैसला सुनाया है। जानकारी के अनुसार परिवादी रामसिंह मीणा निवासी ग्राम बैरागढ़ कला तहसील हुजूर जिला भोपाल और आरोपियों के बीच अच्छी दोस्ती थी। आरोपी न्यू लीना फैशन साड़ी के नाम से बैरागढ़ भोपाल में व्यवसाय करते हैं। आरोपियों द्वारा परिवादी से निजी जरुरत के लिये 7 लाख रुपए उधार लिये थे। आरोपियों ने वह रकम वापस करने के लिये 12 सितंबर 2017 को 7 लाख रुपए का एक चेक दिया था। परिवादी ने जब उपरोक्त चेक भुगतान के लिए बैंक में पेश किया तो 13 सितंबर 2017 को आरोपियों के बैंक खाते में एक्सीड्स अरेंजमेंट होने के आधार पर बैंक ने परिवादी को चैक वापस लौटा दिया था।

हलालपुर पटाका दुकान में लगी भीषण आग

- लगातार धमाकों से दहला इलाका, बस्तियों में फैली दहशत, 70 फीट तक उठीं लपटें

भोपाल । भोपाल के बैरागढ़ रोड पर शुक्रवार तडके उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक पटाखा दुकान में भीषण आग भडक उठी। आग लगते ही दुकान में रखे पटाखे एक के बाद एक फटने लगे और पूरे इलाके में जोरदार धमाकों की आवाजें गूंजने लगीं। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और लपटें करीब 70 फीट ऊंचाई तक पहुंच गईं। घटना हलालपुरा स्थित मुख्य सडक किनारे संचालित एक पटाखा दुकान की है। तडके करीब 3:30 बजे लगी आग ने कुछ ही मिनटों में पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी भयावह थी कि दूर-दूर तक आसमान लाल दिखाई देने लगा। लगातार हो रहे धमाकों के कारण आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। गौरतलब है के हलालपुर पर करीब डेढ़ दर्जन होलसेल पटाका दुकानों को जिला प्रशासन के तत्कालीन अफसरो ने भ्रष्टाचार के चलते लाइसेंस दे दिया है हालांकि इस लाइसेंस का जनता पिछले 10 वर्षों से विरोध कर दी आ रही है लेकिन भ्रष्टाचार के सामने जनता का विरोध हमेशा फीका ही नजर आता है।

तीन घंटे तक चलता रहा

रेस्क्यू ऑपरेशन

आग की सूचना मिलते ही फतेहगढ़, बैरागढ़ और गांधीनगर समेत कई फायर स्टेशनों से दमकल वाहन मौके पर पहुंच गए। पटाखों में लगातार हो रहे विस्फोटों के बीच फायर ब्रिगेड कर्मियों ने मोर्चा संभाला। करीब साढ़े तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। सुबह तक दुकान से धुआं निकलता रहा।

दिन में लगती तो हो सकता था बड़ा हादसा

जिस स्थान पर आग लगी, वह शहर की व्यस्त सडकों में से एक है। दिनभर यहां भारी ट्रैफिक रहता है और सडक किनारे बड़ी संख्या में वाहन खड़े रहते हैं। राहत की बात यह रही कि हादसा देर रात हुआ, जब सडक पर आवाजाही बेहद कम थी। यदि दिन के समय आग लगती तो जनहानि और बड़े नुकसान की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता था।

जिस दुकान में आग लगी, वह हलालपुरा के बड़े पटाखा बाजार से कुछ ही दूरी पर स्थित है। इसके नजदीक पेट्रोल पंप भी मौजूद है। दुकान में बड़ी मात्रा में पटाखों का स्टॉक रखा हुआ था, जो आग की चपेट में आने से पूरी तरह जलकर खाक हो गया। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

सडक़ बंद कर रोका गया ट्रैफिक

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एहतियात के तौर पर सडक़ के एक हिस्से पर यातायात रोक दिया गया। धमाकों के साथ पटाखों के टुकड़े और चिंगारियां सडक़ तक पहुंच रही थीं। सुरक्षा के मद्देनजर बिजली कंपनी ने भी इलाके की बिजली आपूर्ति बंद कर दी, जिसके बाद दमकलकर्मियों को आग बुझाने में आसानी हुई।

आग लगने के कारणों की जांच शुरू

फिलहाल आग लगने की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस और संबंधित विभागों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आग के कारण दुकान में रखा पूरा पटाखा स्टॉक नष्ट हो गया, जबकि समय रहते आग पर काबू पा लेने से आसपास की दुकानों और अन्य प्रतिष्ठानों को सुरक्षित बचा लिया गया।

परिवहन आयुक्त कार्यालय ने तैयार किया कैडर रिव्यू का प्रस्ताव

भोपाल। मप्र में वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन उन्हें नियंत्रित और संचालित करने वाला परिवहन विभाग खुद गंभीर स्टाफ संकट से जूझ रहा है। ऐसे में अधिकारियों-कर्मचारियों का टोटा खत्म करने के लिए परिवहन विभाग कैडर रिव्यू की तैयारी कर रहा है। परिवहन आयुक्त कार्यालय ने करीब 15 वर्षों बाद कैडर रिव्यू का प्रस्ताव तैयार किया है। यह प्रस्ताव जल्द ही वित्त विभाग और राज्य मंत्रिमंडल की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। विभाग का मानना है कि मौजूदा स्टाफ के साथ करोड़ों वाहनों की निगरानी, कर वसूली, सडक़ सुरक्षा और प्रवर्तन कार्यों का प्रभावी संचालन संभव नहीं है। इसी कारण विभागीय ढांचे को मजबूत करने की आवश्यकता महसूस की गई है।

दरअसल, परिवहन विभाग में हालात इतने चिंताजनक हैं कि प्रदेश में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) के सभी स्वीकृत पद खाली पड़े हैं और जिलों में परिवहन व्यवस्था प्रभारी अधिकारियों के भरोसे संचालित हो रही है। विभाग में 51 प्रतिशत से अधिक पद रिक्त होने के कारण वाहन पंजीयन, फिटनेस, परमिट, प्रवर्तन कार्रवाई और सडक़ सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित हो रहे हैं। प्रदेश में वर्तमान में वाहनों की संख्या 4.42 करोड़ के पार पहुंच चुकी है। पिछले डेढ़ दशक में वाहनों की संख्या में दो गुना से अधिक वृद्धि हुई है, लेकिन उसी अनुपात में विभागीय ढांचे का विस्तार नहीं हो पाया। परिवहन विभाग में वर्ष 2011 के बाद से नए पदों का सृजन नहीं किया गया, जबकि वाहन संख्या और विभागीय जिम्मेदारियां लगातार बढ़ती रही हैं।

एक भी नियमित आरटीओ नहीं, सभी पद खाली

सरकारी आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में क्षेत्रीय और अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों के सभी 36 स्वीकृत पद रिक्त हैं। यही वजह है कि अधिकांश जिलों में प्रभारी अधिकारियों के माध्यम से कामकाज चलाया जा रहा है। इससे प्रशासनिक निर्णयों और प्रवर्तन कार्यों पर भी असर पड़ रहा है। स्थिति केवल आरटीओ पदों तक सीमित नहीं है। वाहन फिटनेस और तकनीकी परीक्षण से जुड़े मोटरयान परिवहन उप निरीक्षक (एमवीएसआई) के सभी 35 पद भी खाली हैं। हालांकि इन पदों पर भर्ती के लिए लोक सेवा आयोग द्वारा प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है।

परिवहन निरीक्षक (गैर तकनीकी) के 70 स्वीकृत पदों में से 65 पद रिक्त हैं और पूरे प्रदेश में महज पांच अधिकारी ही फील्ड में कार्यरत हैं। सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) के 64 पदों में से 24 खाली हैं।

कर्मचारी चयन मंडल की भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं एवं तकनीकी विफलताओं की सीबीआई/एसआईटी जांच की मांग

भोपाल। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षाओं में सामने आई तकनीकी विफलताओं, टेंडर प्रक्रिया में संभावित अनियमितताओं तथा लाखों बेरोजगार युवाओं के भविष्य के साथ हो रहे खिलवाड़ की निष्पक्ष जांच कराने की मांग को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखा है।

श्री सिंह ने कहा कि बेरोजगार युवाओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात कर भर्ती परीक्षाओं के संचालन में गंभीर खामियों और टेंडर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की जानकारी दी है। प्रतिनिधिमंडल के अनुसार वर्ष 2023 और 2024 में परीक्षा संचालन के लिए जारी निविदाओं में कंपनियों को तकनीकी रूप से पात्र घोषित किया गया, लेकिन दोनों बार टेंडर निरस्त कर दिए गए। बाद में नई निविदा में महत्वपूर्ण शर्तों में बदलाव कर टेंडर कंपनी को प्रदान किया गया, जिससे पूरी प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हाल ही में ईएसबी द्वारा आयोजित विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में तकनीकी समस्याओं के कारण लाखों अभ्यर्थियों को मानसिक, आर्थिक और समय की भारी क्षति उठानी पड़ी है। उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार जिस कंपनी को परीक्षा संचालन का कार्य सौंपा गया, उसके विरुद्ध पूर्व में भी शासन द्वारा कार्रवाई की जा चुकी है। ऐसे में यह आशंका और गंभीर हो जाती है कि टेंडर प्रक्रिया में बार-बार बदलाव और निरस्तीकरण का उद्देश्य किसी विशेष कंपनी को लाभ पहुंचाना रहा हो सकता है। दिग्विजय सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश पहले भी व्यापम घोटाले जैसी घटनाओं से देशभर में बदनामी झेल चुका है। ऐसे में भर्ती प्रक्रियाओं की पारदर्शिता और युवाओं के विश्वास को बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि पूरे मामले की सीबीआई जांच अथवा उच्चस्तरीय एसआईटी से निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि प्रदेश के लगभग 40 लाख बेरोजगार युवाओं के हितों और भविष्य को ध्यान में रखते हुए मामले की गंभीरता से जांच कराई जाए, ताकि युवाओं का शासन और भर्ती व्यवस्था पर विश्वास कायम रह सके।

ट्विशा शर्मा की मौत का मामला

एसआई पर 5 हजार रुपये का अर्थदण्ड

भोपाल। राजधानी के बहुचर्चित ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में पुलिस विभाग ने प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए कटारा हिल्स थाने के एसआई दिनेश शर्मा पर 5 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया है। बताया जा रहा है कि टिवशा शर्मा द्वारा कथित रूप से आत्महत्या में इस्तेमाल किए गए फंदे (लिगेचर बेल्ट-कॉर्ड) को लेकर हुई लापरवाही के चलते यह कार्रवाई की गई है। विभागीय जांच में सामने आया कि संबंधित सामग्री को जब्त किए जाने के बावजूद उसकी अभिरक्षा और दस्तावेजी प्रक्रिया में गंभीर त्रुटियां बरती गईं। जानकारी के अनुसार पुलिस ने 13 मई की सुबह करीब पौने 10 बजे उक्त फंदे को जब्त किया था, लेकिन उसके जब्ती पंचनामे में आवश्यक उल्लेख नहीं किया गया। आरोप है कि जब्त सामग्री बाद में एसआई दिनेश शर्मा अपने वाहन में लेकर घूमते रहे, जिससे साक्ष्यों की सुरक्षा और जांच की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हुए। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने उनके खिलाफ अर्थदंड की कार्रवाई की है।

तबादलों में नहीं चलेगी मनमानी, कोर ग्रुप की मुहर के बाद ही आदेश

विधायकों और जिला नेताओं की शिकायतों के बाद प्रभारी मंत्रियों की शक्तियों पर अंकुश

भोपाल। प्रदेश में तबादला सत्र के बीच भाजपा संगठन ने जिलों के भीतर होने वाले तबादलों को लेकर नई व्यवस्था लागू कर दी है। अब प्रभारी मंत्री अकेले या उनके स्टाफ की सिफारिश पर तबादला सूची अंतिम रूप नहीं ले सकेगी। संगठन ने स्पष्ट कर दिया है कि जिलों में होने वाले तबादलों के लिए कोर ग्रुप की बैठक में तय किए गए नामों को ही प्राथमिकता दी जाएगी और उन्हीं के आधार पर अंतिम सूची जारी होगी।

सूत्रों के अनुसार, विधायकों और जिला संगठन पदाधिकारियों की लगातार शिकायतों के बाद यह निर्णय लिया गया है। सरकार ने तबादलों की अंतिम तिथि 15 जून निर्धारित की है और इसी अवधि में प्रदेशभर में बड़ी संख्या में स्थानांतरण प्रस्तावित हैं। जिलों के भीतर होने वाले तबादलों का अधिकार प्रभारी मंत्रियों को दिया गया है, लेकिन अब इस अधिकार पर संगठनात्मक निगरानी भी सुनिश्चित की गई है।

विधायकों की नाराजगी बनी वजह

बताया जा रहा है कि कई विधायकों ने अपने विधानसभा क्षेत्रों से संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादलों की सिफारिशें प्रभारी मंत्रियों को भेजी थीं। वहीं जिला संगठन के पदाधिकारियों ने भी कार्यकर्ताओं और उनके परिजनों से जुड़े मामलों में अनुशंसा की थी। संगठन के समक्ष यह शिकायत पहुंची थी कि कई मामलों में मंत्रियों के स्टाफ द्वारा स्थानीय जनप्रतिनिधियों की अनुशंसाओं को नजरअंदाज कर अपने स्तर पर नाम जोड़े या हटाए जाते हैं। इससे जिला संगठन और विधायकों में असंतोष बढ़ रहा था। कुछ नेताओं ने यह आरोप भी लगाया कि कई बार तबादलों के माध्यम से मंत्रियों के करीबी लोगों को लाभ पहुंचाया जाता है।

कोर ग्रुप की राय होगी निर्णायक

नई व्यवस्था के तहत प्रभारी मंत्रियों को अपने-अपने जिलों के कोर ग्रुप की बैठक बुलाने के निर्देश दिए गए हैं। इन बैठकों में सांसद, विधायक, जिला अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ संगठन पदाधिकारी शामिल होंगे। तबादलों से संबंधित प्रस्तावों पर चर्चा के बाद कोर ग्रुप जिन नामों पर सहमति देगा, उन्हीं को अंतिम सूची में शामिल किया जाएगा। संगठन का मानना है कि इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की राय को उचित महत्व मिलेगा। विशेष रूप से विधायकों की अनुशंसाओं को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया है।

तबादला प्रक्रिया शुरू होते ही संगठन के पास कुछ मंत्रियों के निजी स्टाफ को लेकर भी शिकायतें पहुंची हैं। नेताओं का आरोप है कि कई जगह मंत्री कार्यालयों में पदस्थ कर्मचारी संगठन और जनप्रतिनिधियों की बातों को महत्व नहीं देते और तबादलों की प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं। कुछ मंत्रियों के यहां ऐसे कर्मचारी अब भी कार्यरत बताए जा रहे हैं, जो पूर्व में भी विभिन्न मंत्रियों के स्टाफ में रह चुके हैं। जबकि सरकार और संगठन पहले ही निर्देश दे चुके थे कि लंबे समय से मंत्रियों के यहां पदस्थ कर्मचारियों को स्टाफ में रखने से बचा जाए। हालांकि कुछ मामलों में ऐसे कर्मचारी दोबारा प्रभावशाली भूमिका में लौट आए हैं और तबादलों से जुड़ा कामकाज संभाल रहे हैं।

15 जून को खत्म होगा अधिकमास

- सिर्फ 36 दिन मिलेंगे शादी-विवाह के लिए

- बाजारों में बढ़ेगी खरीदारी, व्यापार को मिलेगा बड़ा लाभ

भोपाल। धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टि से आने वाले कुछ दिन बेहद महत्वपूर्ण रहने वाले हैं। 15 जून को अधिकमास (पुरुषोत्तम मास) समाप्त हो जाएगा। इसके साथ ही विवाह, गृह प्रवेश और अन्य मांगलिक कार्यों पर लगा विराम भी खत्म हो जाएगा। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार 19 जून से एक बार फिर शहनाइयों की गूंज सुनाई देने लगेगी। शुभ मांगलिक कार्यों का सिलसिला शुरू हो जाएगा।

इस वर्ष जून-जुलाई का विवाह सीजन छोटा रहेगा। अधिकमास समाप्त होने के केवल चार दिन बाद 19 जून को पहला प्रमुख शुभ मुहूर्त मिलेगा। इसके बाद 23 जून तक लगातार शुभ अवसर रहेंगे। इस दौरान विवाह, सगाई, गृह प्रवेश, नए व्यापार का शुभारंभ और अन्य मांगलिक कार्य बड़ी संख्या में होंगे। व्यापार के नजरिए से भी यह अवधि काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सराफा बाजार, कपड़ा व्यापार, ऑटोमोबाइल सेक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रॉपर्टी कारोबार में तेजी आने की संभावना जताई जा रही है। विवाह सीजन शुरू होने से बाजारों में खरीदारी बढ़ेगी। व्यावसायिक गतिविधियों को गति मिलेगी।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार 19 जून से 12 जुलाई तक का समय शुभ एवं मांगलिक कार्यों के लिए विशेष रूप से अनुकूल रहेगा। इस दौरान विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, नामकरण और नए व्यवसाय की शुरुआत जैसे कार्य किए जा सकेंगे। हालांकि यह शुभ अवधि ज्यादा लंबी नहीं रहेगी। 25 जुलाई से देवशयनी एकादशी के साथ चातुर्मास का आरंभ हो जाएगा। चातुर्मास शुरू होते ही अगले चार महीनों तक विवाह सहित अधिकांश मांगलिक कार्यों पर फिर से विराम लग जाएगा।

14 जून भारतीय महिला टीम करेगी पाकिस्तान के खिलाफ आगाज

नई दिल्ली । आगामी महिला टी20 विश्व कप 2026 का विस्तृत शेड्यूल पहले ही जारी कर दिया गया था, लेकिन भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण जानकारी यह है कि वे इन रोमांचक मुकाबलों को किस समय देख पाएंगे। इंग्लैंड की मेजबानी में होने वाले इस टूर्नामेंट के मैचों का समय भारतीय समयानुसार अब स्पष्ट हो गया है, जिससे प्रशंसकों को अपने पसंदीदा मैचों का आनंद लेने में सुविधा होगी। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट आज शुक्रवार, 12 जून, 2026 से शुरू होकर रविवार, 5 जुलाई, 2026 को फाइनल मुकाबले के साथ समाप्त होगा। उद्घाटन मैच मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा। भारतीय महिला टीम, जो ग्रुप ए का हिस्सा है, अपना पहला मुकाबला रविवार, 14 जून को खेलेगी। भारतीय टीम के ग्रुप में पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, नीदरलैंड और बांग्लादेश जैसी मजबूत टीमें शामिल हैं।

भारत और इंग्लैंड के स्थानीय समय में लगभग साढ़े चार घंटे का अंतर है। जब इंग्लैंड में शाम के साढ़े छह बजते हैं, तब भारत में रात के ग्यारह बज चुके होते हैं। इसका मतलब है कि कई शुरुआती मुकाबले, जो इंग्लैंड के स्थानीय समय के अनुसार शाम को 6:30 बजे शुरू होंगे, भारतीय दर्शकों के लिए रात 11:00 बजे से लाइव उपलब्ध होंगे। हालाँकि, भारतीय प्रशंसकों के लिए एक सुखद खबर यह है कि भारतीय महिला टीम के मैचों का समय भारतीय समयानुसार शाम को रखा गया है। इंग्लैंड के स्थानीय समय के अनुसार ये मैच दोपहर 2:30 बजे शुरू होंगे, जिसका अर्थ है कि भारतीय समयानुसार आप इन्हें शाम 7:00 बजे से देख पाएंगे। सेमीफाइनल और फाइनल मैच भी स्थानीय समय के अनुसार दोपहर में ही खेले जाएंगे, ताकि भारतीय दर्शकों को ये मुकाबले शाम 7:00 बजे से देखने को मिलें। यह ध्यान रखना दिलचस्प होगा कि अगर आप रात 10:00 बजे भारत में मैच देख रहे हों और आपको स्क्रीन पर धूप दिख रही हो, तो चौंकने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि उस समय इंग्लैंड में दोपहर का समय होगा। प्रशंसकों को इन महत्वपूर्ण तिथियों और समय को अभी से नोट कर लेना चाहिए।

महिला टी20 विश्व कप 2026 के मैचों का पूरा शेड्यूल और प्रसारण समय

महिला टी20 विश्व कप 2026 का शेड्यूल भारत के समय के अनुसार

तारीख	मैच	भारतीय समय	वेन्यू
12 जून, शुक्रवार	इंग्लैंड बनाम श्रीलंका	रात 11:00 बजे	एजबेस्टन
13 जून, शनिवार	स्कॉटलैंड बनाम आयरलैंड	दोपहर 3:00 बजे	ओल्ड ट्रैफर्ड
13 जून, शनिवार	ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका	शाम 7:00 बजे	ओल्ड ट्रैफर्ड
13 जून, शनिवार	वेस्टइंडीज बनाम न्यूजीलैंड	रात 11:00 बजे	हैम्पशायर
14 जून, रविवार	बांग्लादेश बनाम नीदरलैंड	दोपहर 3:00 बजे	एजबेस्टन
14 जून, रविवार	भारत बनाम पाकिस्तान	शाम 7:00 बजे	एजबेस्टन
15 जून, सोमवार	न्यूजीलैंड बनाम श्रीलंका	शाम 7:00 बजे	हैम्पशायर
16 जून, मंगलवार	इंग्लैंड बनाम आयरलैंड	रात 11:00 बजे	हैम्पशायर
17 जून, बुधवार	ऑस्ट्रेलिया बनाम बांग्लादेश	दोपहर 3:00 बजे	हेडिंग्ले
17 जून, बुधवार	भारत बनाम नीदरलैंड	शाम 7:00 बजे	हेडिंग्ले
17 जून, बुधवार	दक्षिण अफ्रीका बनाम पाकिस्तान	रात 11:00 बजे	एजबेस्टन
18 जून, गुरुवार	वेस्टइंडीज बनाम स्कॉटलैंड	रात 11:00 बजे	हेडिंग्ले
19 जून, शुक्रवार	न्यूजीलैंड बनाम आयरलैंड	रात 11:00 बजे	हैम्पशायर
20 जून, शनिवार	ऑस्ट्रेलिया बनाम नीदरलैंड	दोपहर 3:00 बजे	हैम्पशायर
20 जून, शनिवार	पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश	शाम 7:00 बजे	हैम्पशायर
20 जून, शनिवार	इंग्लैंड बनाम स्कॉटलैंड	रात 11:00 बजे	हेडिंग्ले
21 जून, रविवार	वेस्टइंडीज बनाम श्रीलंका	दोपहर 3:00 बजे	ब्रिस्टल
21 जून, रविवार	साउथ अफ्रीका बनाम भारत	शाम 7:00 बजे	ओल्ड ट्रैफर्ड
23 जून, मंगलवार	न्यूजीलैंड बनाम स्कॉटलैंड	दोपहर 3:00 बजे	ब्रिस्टल
23 जून, मंगलवार	श्रीलंका बनाम पाकिस्तान	शाम 7:00 बजे	ब्रिस्टल
23 जून, मंगलवार	ऑस्ट्रेलिया बनाम पाकिस्तान	रात 11:00 बजे	हेडिंग्ले
24 जून, बुधवार	इंग्लैंड बनाम वेस्टइंडीज	रात 11:00 बजे	लॉर्ड्स
25 जून, गुरुवार	भारत बनाम बांग्लादेश	शाम 7:00 बजे	ओल्ड ट्रैफर्ड
25 जून, गुरुवार	दक्षिण अफ्रीका बनाम नीदरलैंड	रात 11:00 बजे	ब्रिस्टल
26 जून, शुक्रवार	श्रीलंका बनाम स्कॉटलैंड	रात 11:00 बजे	ओल्ड ट्रैफर्ड
27 जून, शनिवार	पाकिस्तान बनाम नीदरलैंड	दोपहर 3:00 बजे	ब्रिस्टल
27 जून, शनिवार	वेस्टइंडीज बनाम आयरलैंड	शाम 7:00 बजे	ब्रिस्टल
27 जून, शनिवार	इंग्लैंड बनाम न्यूजीलैंड	रात 11:00 बजे	द ओवल
28 जून, रविवार	दक्षिण अफ्रीका बनाम बांग्लादेश	दोपहर 3:00 बजे	लॉर्ड्स
28 जून, रविवार	ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत	शाम 7:00 बजे	लॉर्ड्स
30 जून, मंगलवार	सेमीफाइनल 1	शाम 7:00 बजे	द ओवल
2 जुलाई, गुरुवार	सेमीफाइनल 2	रात 11:00 बजे	द ओवल
5 जुलाई, रविवार	फाइनल	शाम 7:00 बजे	लॉर्ड्स

अफगानिस्तान 'ए' से हार के बाद तिलक वर्मा निराश

- बोले- बारिश नहीं होती तो नतीजा अलग हो सकता था

नई दिल्ली । दांबुला में खेली जा रही त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला में अफगानिस्तान 'ए' ने बड़ा उलटफेर करते हुए भारत 'ए' को डकवर्थ-लुईस-स्टर्न नियम के आधार पर चार रन से हरा दिया। वर्षा से प्रभावित इस मुकाबले में भारत 'ए' ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 349 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था, लेकिन बारिश के कारण बदले समीकरणों ने अंततः अफगानिस्तान 'ए' को जीत दिला दी। हार के बाद भारतीय कप्तान तिलक वर्मा ने निराशा जताते हुए कहा कि यदि मैच पूरा खेला जाता तो परिणाम कुछ और हो सकता था। मुकाबले में भारत 'ए' के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने 69 गेंदों पर 84 रन बनाए, जबकि उपकप्तान रुतुराज गायकवाड़ और कप्तान तिलक वर्मा ने 66-66 रन की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने भी आक्रामक अंदाज में 22 गेंदों पर 44 रन बनाकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई। बारिश के कारण मुकाबले को 50 के बजाय 49 ओवर का कर दिया गया था, लेकिन इसके बावजूद भारतीय बल्लेबाजों ने नौ विकेट पर 349 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। जवाब में अफगानिस्तान 'ए' ने भी आक्रामक शुरुआत की। कप्तान इमरान और हसन इसाखिल ने तेज रन बटोरते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। बाद में बहीर शाह और इमरान ने पारी को संभालते हुए स्कोर को 25.5 ओवर में दो विकेट पर 177 रन तक पहुंचा दिया। इसी दौरान एक बार फिर बारिश शुरू हो गई और खेल रोकना पड़ा। जब आगे खेल संभव नहीं हो सका तो डकवर्थ-लुईस-स्टर्न नियम के आधार पर परिणाम घोषित किया गया। उस समय अफगानिस्तान 'ए' की टीम निर्धारित पार-स्कोर से चार रन आगे थी, जिसके चलते उसे विजेता घोषित कर दिया गया। मैच के बाद तिलक वर्मा ने कहा कि उनकी टीम ने बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया और इस पिच पर 349 रन का स्कोर प्रतिस्पर्धी माना जा सकता था। उन्होंने कहा कि बारिश और डकवर्थ-लुईस-स्टर्न नियम के कारण मुकाबले की दिशा बदल गई। उनके अनुसार टीम के खिलाड़ियों को कुछ मौके भी मिले, लेकिन गेंद फील्डरों तक पहुंचने से पहले ही गिर गई, जिससे अहम सफलताएं हाथ से निकल गईं। तिलक ने स्वीकार किया कि अफगानिस्तान ने बेहतरीन क्रिकेट खेला, लेकिन उनका मानना है कि यदि मुकाबला 39 ओवर तक पहुंचता तो भारतीय टीम के पास वापसी का अवसर होता। उन्होंने कहा कि टीम अपनी रणनीतियों की समीक्षा करेगी और आगामी मैचों में बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करेगी। कप्तान ने स्पष्ट किया कि उनका ध्यान अब अगले दो मुकाबलों पर है और टीम का लक्ष्य दोनों मैच जीतकर फाइनल में जगह बनाना है। भारतीय पारी में वैभव सूर्यवंशी और प्रभसिमरन सिंह के बीच पहले विकेट के लिए 74 रन की तेज साझेदारी हुई। इसके बाद प्रभसिमरन और रुतुराज गायकवाड़ ने तीसरे विकेट के लिए 79 रन जोड़े, जबकि गायकवाड़ और तिलक वर्मा के बीच 78 रन की साझेदारी हुई। अंत में सूर्यांश शेडगे ने 40 रन की उपयोगी पारी खेलकर टीम को 300 के पार पहुंचाने में अहम योगदान दिया। हालांकि बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के बावजूद बारिश और डकवर्थ-लुईस-स्टर्न नियम ने भारत 'ए' की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। अब टीम की नजरें अगले मुकाबलों पर टिकी हैं, जहां जीत हासिल कर फाइनल में पहुंचने का लक्ष्य होगा।

बांग्लादेश ने रचा इतिहास, ऑस्ट्रेलिया को हराकर पहली बार जीती वनडे द्विपक्षीय सीरीज

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर पहली बार किसी द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में कंगारू टीम पर विजय हासिल की। इस ऐतिहासिक जीत के साथ बांग्लादेश ने तीन मैचों की श्रृंखला में अजेय बढ़त बना ली और देशभर में जश्न का माहौल बन गया। कप्तान मेहदी हसन मिराज के विजयी छक्के ने इस यादगार सफलता पर मुहर लगा दी। बारिश से प्रभावित मुकाबले में बांग्लादेश को डकवर्थ-लुईस-स्टर्न पद्धति के तहत 41 ओवर में 192 रन का लक्ष्य मिला था। मैच के अंतिम चरण में कप्तान मेहदी हसन मिराज और तौहीद हृदॉय क्रीज पर मौजूद थे। 35वें ओवर की अंतिम गेंद पर मिराज ने राइली मेरेडिथ की गेंद को डीप लॉन्ग लेग के ऊपर से शानदार छक्के के लिए भेज दिया। इस शॉट के साथ बांग्लादेश ने 35 ओवर में पांच विकेट खोकर 195 रन बनाते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज कर ली।

इससे पहले टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। पारी के पहले ही ओवर में मैथ्यू शॉर्ट बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद कूपर कॉनोली और मैट रेनशॉ भी शून्य पर पवेलियन लौट गए। शुरुआती झटकों के बाद कप्तान जोश इंग्लिस ने 34 रन बनाकर पारी को संभालने का प्रयास किया, लेकिन वह भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। एलेक्स कैरी 13 रन बनाकर आउट हुए और ऑस्ट्रेलिया का शीर्ष क्रम पूरी तरह लड़खड़ा गया। टीम संकट में थी तब मार्नस लाबुशेन और जेवियर बार्टलेट ने जिम्मेदारी संभाली। लाबुशेन ने 85 गेंदों पर नाबाद 55 रन बनाए, जबकि बार्टलेट ने 48 गेंदों में 52 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। दोनों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया 42 ओवर में आठ विकेट पर 187 रन तक पहुंचने में सफल रहा। बांग्लादेश की ओर से तास्किन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि तनवीर इस्लाम ने दो बल्लेबाजों को आउट किया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और तंजीद हसन तमीम बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद सौम्य सरकार और नजमुल हुसैन शांतो ने पारी को संभाला। सौम्य ने 42 और शांतो ने 41 रन बनाए। मध्यक्रम में लिटन दास ने 21 रन का योगदान दिया, जबकि तौहीद हृदॉय ने नाबाद 40 रन बनाकर जीत की नींव मजबूत की। अंत में मेहदी हसन मिराज ने 22 रन की उपयोगी पारी खेलते हुए टीम को ऐतिहासिक मंजिल तक पहुंचाया। यह जीत बांग्लादेश क्रिकेट के लिए केवल एक श्रृंखला विजय नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत और निरंतर प्रगति का प्रतीक मानी जा रही है। विश्व क्रिकेट की सबसे मजबूत टीमों में शामिल ऑस्ट्रेलिया को द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में हराकर बांग्लादेश ने साबित कर दिया है कि वह अब बड़े मंचों पर किसी भी टीम को चुनौती देने की क्षमता रखता है।

टीम में जगह नहीं मिलने से निराश नहीं - भुवनेश्वर

मुम्बई । आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन के बाद भी भारतीय टीम में वापसी नहीं कर पाने के बाद भी अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार निराश नहीं हैं। भुवनेश्वर को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की आगामी टी20 टीम में शामिल नहीं किये गया है जबकि प्रशंसकों के साथ ही कई अनुभवी खिलाड़ियों का कहना था कि उन्हें टीम में जगह मिलनी चाहिये। इसके बाद भी भुवनेश्वर ने चयनकर्ताओं के फैसले पर किसी भी तरह की नाराजगी नहीं जताई है। उनका कहना है कि चयनकर्ता अपना काम कर रहे हैं, जबकि उनका ध्यान सिर्फ अपने प्रदर्शन पर केंद्रित है।

भुवनेश्वर के लिए आईपीएल 2026 बेहद सफल रहा। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए खेलते हुए 16 मैचों में 28 विकेट लिए। उनके इस बेहतरीन प्रदर्शन को देखते हुए क्रिकेट पंडितों और प्रशंसकों को उम्मीद थी कि इस अनुभवी खिलाड़ी को एक बार फिर टीम में जगह मिलेगी पर ऐसा नहीं हुआ। चयनकर्ताओं ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए युवा प्रतिभाओं को ही अवसर दिया।

भुवनेश्वर ने कहा , मेरा स्वभाव ऐसा है कि मैं कभी यह नहीं दिखाना चाहता कि मुझे टीम में खेलना है। हर कोई अपना काम कर रहा है। चयनकर्ता अपना काम कर रहे हैं और मैं अपना। उन्होंने जोर देकर कहा, टीम चुनना उनकी जिम्मेदारी है। अगर उन्हें लगता है कि मैं खेलने के योग्य हूं तो वे अपना काम करेंगे। यह बयान उनकी परिपक्वता और खेल के प्रति उनके शांत दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसमें व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से अधिक टीम की जरूरतों और चयन प्रक्रिया का सम्मान झलकता है।

भुवनेश्वर ने अपने लंबे और सफल अंतरराष्ट्रीय करियर पर विचार करते हुए कहा कि वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें इतने लंबे समय तक भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा, मैं भारत के लिए खेल चुका हूं और जो करना था वह कर चुका हूं। अगर मुझे कभी खेलने का मौका नहीं मिला होता तो शायद मैं आज भी एक मैच खेलने के लिए तरस रहा होता।

मुंबई के वर्ली में श्रेयस अय्यर ने किराए पर लिया लग्जरी अपार्टमेंट

- तीन साल में देंगे 7 करोड़ से अधिक किराया

नई दिल्ली । भारतीय टी-20 क्रिकेट टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने मुंबई के सबसे प्रतिष्ठित और महंगे रिहायशी इलाकों में शामिल वर्ली में एक शानदार लग्जरी अपार्टमेंट किराए पर लिया है। संपत्ति पंजीकरण से जुड़े दस्तावेजों के अनुसार, अय्यर ने यह आलीशान फ्लैट तीन वर्ष की अवधि के लिए लीज पर लिया है। इस अवधि के दौरान उन्हें कुल मिलाकर लगभग 7.14 करोड़ रुपये किराये के रूप में चुकाने होंगे। हाल ही में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा उन्हें टी-20 टीम की कमानी सौंपी गई है और इसी बीच उनकी इस हाई-प्रोफाइल रिहायशी डील ने भी ध्यान आकर्षित किया है।

दस्तावेजों के मुताबिक, यह अपार्टमेंट वर्ली स्थित प्रीमियम रिहायशी टावर 'आर्टेशिया' में मौजूद है। करीब 3,875 वर्ग फुट क्षेत्रफल वाले इस फ्लैट के साथ चार कार पार्किंग स्लॉट भी उपलब्ध हैं। यह लीज एग्रीमेंट 10 जून 2026 को पंजीकृत किया गया। इसके लिए 1.84 लाख रुपये की स्टांप ड्यूटी और 1,000 रुपये का रजिस्ट्रेशन शुल्क जमा कराया गया है। लीज समझौते के अनुसार अपार्टमेंट की किराया अवधि 36 महीनों की है। पहले वर्ष के लिए मासिक किराया 18.50 लाख रुपये निर्धारित किया गया है। दूसरे वर्ष में किराया लगभग 7 प्रतिशत बढ़कर 19.79 लाख रुपये प्रतिमाह हो जाएगा। वहीं तीसरे वर्ष में इसमें फिर 7 प्रतिशत की वृद्धि होगी और मासिक किराया 21.18 लाख रुपये तक पहुंच जाएगा। इस तरह तीन वर्षों में कुल भुगतान 7.14 करोड़ रुपये के करीब होगा।

वर्ली को मुंबई के सबसे प्रीमियम रियल एस्टेट बाजारों में गिना जाता है। समुद्र तट के किनारे स्थित इस क्षेत्र में कई लक्जरी टावर, आधुनिक सुविधाएं और शहर के प्रमुख व्यावसायिक केंद्रों तक आसान पहुंच उपलब्ध है। बांद्रा-वर्ली सी लिंक के अलावा यह इलाका लोअर परेल, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स और नरीमन पॉइंट जैसे महत्वपूर्ण कारोबारी क्षेत्रों से सीधे जुड़ा हुआ है। यही कारण है कि उद्योग जगत, मनोरंजन जगत और कॉर्पोरेट क्षेत्र की कई नामचीन हस्तियां यहां निवास करना पसंद करती हैं। रियल एस्टेट विशेषज्ञों के अनुसार वर्ली सी-फेस इलाके में लग्जरी अपार्टमेंट्स की कीमतें सामान्यतः 80 हजार रुपये से लेकर 1 लाख रुपये प्रति वर्ग फुट तक पहुंचती हैं। वहीं समुद्र के सामने स्थित अत्यंत प्रीमियम आवासों की कीमत 2.80 लाख रुपये प्रति वर्ग फुट या उससे अधिक भी हो सकती है। हाल के महीनों में वर्ली की रियल एस्टेट डील्स लगातार चर्चा में रही हैं, जिससे यह क्षेत्र देश के सबसे महंगे आवासीय बाजारों में अपनी मजबूत स्थिति बनाए हुए है।

श्रीलंका दौरे के लिए भारत की अंडर-19 टीम घोषित, राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय को मिला मौका

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की जूनियर क्रिकेट चयन समिति ने श्रीलंका के आगामी दौरे के लिए भारत की पुरुष अंडर-19 टीम की घोषणा कर दी है। इस दौरे में भारतीय अंडर-19 टीम को तीन एकदिवसीय और दो बहु-दिवसीय मैच खेलने हैं। यशवर्धन सिंह चौहान को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि लक्ष्य रायचंदानी उपकप्तान की भूमिका निभाएंगे। इस चयन की सबसे बड़ी बात यह है कि भारत के पूर्व कप्तान और वर्तमान कोच राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ को एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है। अन्वय ने किशोर क्रिकेट में लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। एकदिवसीय मुकाबलों के लिए रजत बघेल के साथ अन्वय द्रविड़ को विकेटकीपर के तौर पर चुना गया है। वहीं, बहु-दिवसीय मैचों के लिए विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी मानव कृष्णा और आर्यन संदेश सकपाल को दी गई है।

गौरतलब है कि बीसीसीआई की चयन समिति ने हाल ही में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली टीम के खिलाड़ियों को इस दल में तरजीह नहीं दी है। इसके बजाय, चयनकर्ताओं ने नए खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है, ताकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव प्रदान किया जा सके। अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के कई खिलाड़ी आईपीएल खेल चुके हैं, लेकिन इस मौजूदा टीम का कोई भी सदस्य अभी तक आईपीएल में नहीं खेला है। ऐसे में इन युवाओं के पास अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने और राज्य छोड़ने का एक सुनहरा अवसर है। इस दौरे पर अच्छा प्रदर्शन उन्हें आईपीएल के लिए पंजीकरण कराने, फ्रैंचाइजियों का ध्यान आकर्षित करने और अपने-अपने राज्य बोर्डों से घरेलू टी20 लीग में खेलने के अवसर दिला सकता है। कई राज्य संघों ने अपनी टी20 लीग शुरू कर दी हैं, जहाँ इन युवा खिलाड़ियों को खेलने का मौका मिल सकता है।

भारत की अंडर-19 वनडे टीम इस प्रकार है

यशवर्धन सिंह चौहान (कप्तान), सागर विर्क, लक्ष्य रायचंदानी (उप कप्तान), विनीत वीके, अर्जुन राजपूत, कुशाग्र ओझा, रजत बघेल (विकेटकीपर), अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), अनमोलजीत सिंह, चुतुकुरी यशवीर गौड़, रोहित अनिल यादव, शविन वी, काव्य परेश पटेल, मोहित उलवा, ईशान सूद।

भारत अंडर-19 बहु-दिवसीय मुकाबलों के लिए टीम इस प्रकार है

यशवर्धन सिंह चौहान (कप्तान), सागर विर्क, लक्ष्य रायचंदानी (उप कप्तान), पटेल कुश, मनाल चौहान, कुशाग्र ओझा, मानव कृष्णा (विकेटकीपर), आर्यन संदेश सकपाल (विकेटकीपर), हेमचुदेशन जे, बीके किशोर, रोहित अनिल यादव, काव्य परेश पटेल, प्रियांशु सिंह, प्रणव राघवेंद्र, चिगुरुपति वेंकट।

अफगानिस्तान के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में शुभमन, रोहित और कुलदीप बना सकते हैं रिकार्ड

धर्मशाला। भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 जून से धर्मशाला में शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के पहले मुकाबले में कई रिकार्ड बन सकते हैं। इस मैच में कप्तान शुभमन गिल के अलावा अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और स्पिनर कुलदीप यादव भी नये रिकार्ड बना सकते हैं। इस मैच में शुभमन को अपने 3000 एकदिवसीय रन पूरे करने के लिए केवल 43 रनों की जरुरत है। उन्होंने जनवरी 2019 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया था और तब से अब तक 61 पारियों में 2953 रन बना चुके हैं। यदि गिल धर्मशाला में पहले ही मुकाबले में यह उपलब्धि हासिल कर लेते हैं, तो वह एकदिवसीय इतिहास में 3000 रन तक पहुंचने वाले दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन जाएंगे। इससे पहले ये आंकड़ा दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज हाशिम अमला ने 57 पारियों में पूरा किया था। इस मुकाम को हासिल करते ही शुभमन वेस्टइंडीज के शाई होप, पाकिस्तान के फखर जमान और इमाम-उल-हक जैसे दिग्गजों को भी पीछे छोड़ देंगे, जिन्होंने यह उपलब्धि 67-67 पारियों में हासिल की थी। साथ ही, गिल भारत के लिए सबसे तेज 3000 एकदिवसीय रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन जाएंगे, इस समय यह रिकॉर्ड शिखर धवन के नाम है, जिन्होंने 72 पारियों में यह आंकड़ा हासिल किया था। इस सीरीज में सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के पास भी एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने का अच्छा मौका है। रोहित को एकदिवसीय क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के महान ऑलराउंडर जैक्स कैलिस के कुल रनों को पीछे छोड़ने के लिए सिर्फ 3 रनों की जरूरत है। कैलिस ने अपने शानदार करियर में 328 एकदिवसीय मैचों में 11,579 रन बनाए थे, जबकि रोहित शर्मा 282 मैचों में 11,577 रन तक पहुंच चुके हैं। मात्र तीन रन बनाते ही रोहित कैलिस से आगे निकल जाएंगे। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो स्टार स्पिनर कुलदीप यादव भी एक खास रिकॉर्ड के करीब हैं। कुलदीप ने अब तक 120 एकदिवसीय मैचों में 194 विकेट हासिल किए हैं और उन्हें 200 विकेट पूरे करने के लिए महज 6 विकेट की जरुरत है। यदि कुलदीप पहले वनडे में छह विकेट लेने में सफल रहते हैं, तो वह एकदिवसीय क्रिकेट में 200 विकेट पूरे करने वाले दूसरे सबसे तेज भारतीय गेंदबाज बन जाएंगे। यह रिकॉर्ड फिलहाल मोहम्मद शमी के नाम दर्ज है।

मुंबई एयरपोर्ट पर 11.82 करोड़ रुपये की ड्रग्स बरामद, बैंक मैनेजर और ब्यूटी पेजेंट रनर-अप युवती गिरफ्तार

मुंबई.। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क (कस्टम्स) विभाग ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी के नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। खबर है कि बैंकॉक से मुंबई पहुंची 29 वर्षीय युवती हर्षा सनी को 11.824 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा (हाइड्रोपोनिक वीड) के साथ गिरफ्तार किया गया है। जब्त किए गए इस मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 11 करोड़ 82 लाख रुपये बताई जा रही है। जांच में सामने आया है कि हर्षा सनी एक प्रतिष्ठित निजी बैंक में रिलेशनशिप मैनेजर के पद पर कार्यरत है। इसके अलावा वह ग्लैमर इंडस्ट्री से भी जुड़ी हुई है। बताया जा रहा है कि उसने पिछले वर्ष आयोजित एक नामी ब्यूटी पेजेंट में रनर-अप का खिताब भी हासिल किया था। इस वजह से उसकी गिरफ्तारी ने जांच एजेंसियों के साथ-साथ आम लोगों को भी हैरान कर दिया है। कस्टम्स अधिकारियों के अनुसार, हर्षा

सनी कल तड़के करीब 4 बजे बैंकॉक से मुंबई एयरपोर्ट पहुंची थी। नियमित जांच के दौरान अधिकारियों को उसकी गतिविधियों और यात्रा प्रोफाइल संदिग्ध लगीं। इसके बाद पैसेंजर प्रोफाइलिंग के आधार पर उसे विस्तृत जांच के लिए रोका गया। एनडीपीएस कानून के प्रावधानों के तहत एक राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में उसकी व्यक्तिगत तलाशी ली गई, लेकिन उसके शरीर से कोई आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई। इसके बाद अधिकारियों ने उसके सामान की गहन जांच की। जांच के दौरान उसकी ट्रॉली बैग में बेहद चालाकी से छिपाकर रखे गए 12 वैक्यूम-सीलबंद पैकेट बरामद हुए। पैकेट खोलने पर उनमें हरे रंग का उच्च गुणवत्ता वाला हाइड्रोपोनिक गांजा मिला। एनडीपीएस फील्ड टेस्टिंग किट से जांच करने पर पुष्टि हुई कि बरामद पदार्थ गांजा ही है। कुल बरामद ड्रग्स का वजन 11.824 किलोग्राम पाया गया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 11.82 करोड़ रुपये आंकी गई है।

- एनडीपीएस कोर्ट ने भेजा न्यायिक हिरासत में

गिरफ्तारी के बाद कस्टम्स विभाग ने हर्षा सनी को एनडीपीएस अदालत में पेश किया। अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। जांच एजेंसियों ने अदालत को बताया कि मामला अभी शुरुआती जांच के चरण में है और इस अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और तलाश की जा रही है।

- युवती का दावा- बैग में क्या था, मुझे पता नहीं था

मामले में आरोपी की ओर से पेश वकील प्रभाकर त्रिपाठी ने अदालत में दावा किया कि उनकी मुवक्किल को बैग में रखे सामान की कोई जानकारी नहीं थी। वकील के अनुसार, हर्षा सनी बैंककॉक घूमने और नेल-आर्ट तथा मॉडलिंग के क्षेत्र में करियर की संभावनाएं तलाशने गई थी। वहां उसकी मुलाकात एक व्यक्ति से हुई, जिसने उसका विश्वास जीतकर उसे भारत तक एक बैग पहुंचाने के लिए दिया। बचाव पक्ष का कहना है कि युवती को यह बिल्कुल पता नहीं था कि बैग में कोई प्रतिबंधित या अवैध सामग्री रखी गई है और वह कथित तौर पर तस्करों के जाल में फंस गई।

- अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स नेटवर्क की जांच जारी

कस्टम्स और अन्य जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि बरामद ड्रग्स का अंतिम गंतव्य क्या था, इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं और क्या यह किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट का हिस्सा है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और एजेंसियां इस नेटवर्क से जुड़े अन्य संदिग्धों की तलाश कर रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट से मिला झटका, मीनाक्षी ने कहा, जनता की अदालत में अपनी लड़ाई लड़ूंगी

नई दिल्ली.। मध्य प्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के मामले में सुप्रीम कोर्ट से उनकी याचिका खारिज हुई है। इस फैसले के बाद कांग्रेस नेत्री नटराजन ने अपनी लड़ाई जनता की अदालत में लड़ने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा, हम अपनी लड़ाई जारी रखने वाले है। लोकतंत्र में एक और अदालत होती है, जनता की अदालत। हम अपनी लड़ाई उनके पास ले जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर टिप्पणी को उन्होंने अनुचित बताया।

कांग्रेस नेता नटराजन ने चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने आयोग की चुप्पी पर नाराजगी जताकर आरोप लगाया कि चुनाव आयोग पूरी तरह से प्रभावित है और रिटर्निंग ऑफिसर भी प्रभावित थे। उन्होंने दावा किया कि कॉरपोरेट जगत के लोगों और संवैधानिक मूल्यों के लिए लड़ने वालों के लिए अलग-अलग कानून बनते हैं।

गौरतलब है कि नटराजन का नामांकन लंबित आपराधिक मामले की जानकारी न देने के आधार पर खारिज किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज कर स्पष्ट किया कि उसके फैसले का हाई कोर्ट स्तर पर होने वाली किसी भी संभावित चुनावी याचिका पर कोई असर नहीं पड़ेगा। कांग्रेस ने वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी के नेतृत्व में तर्क दिया था कि नटराजन के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय नहीं किए गए थे। इस फैसले के विरोध में कांग्रेस सदस्यों ने चुनाव आयोग द्वारा मामले को संभालने के तरीके के खिलाफ नई दिल्ली में सत्याग्रह भी किया। नटराजन ने कहा कि पार्टी के निर्णय के अनुसार आगे की लड़ाई लड़ी जाएगी।

भारतीय सेना को मिले 106 कामिकाजे ड्रोन

नई दिल्ली.। भारतीय सेना की मारक क्षमता बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए स्वदेशी रक्षा कंपनी एसएमपीपी ने सेना को 106 टर्बोजेट इंजन से चलने वाले 'कामिकाजे' ड्रोन सौंप दिए हैं। इन्हें 'पोसकॉप्टर (अग्निवेग)' नाम दिया गया है। यह ड्रोन 180 किमी की रेंज तक हमला कर सकते हैं। साथ ही 450 किमी प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ सकते हैं। यानी इसकी रफ्तार दुनिया में सबसे तेज उड़ने वाले पेरेग्रिन फाल्कन पक्षी की रफ्तार 320 किमी प्रति घंटा से भी ज्यादा है। इतना ही नहीं इन पर ना जैमिंग का असर होगा, न कोई स्पूफिंग के जरिए इन्हें टारगेट से भटका सकेगा। कंपनी ने कहा है कि उसने 100 ऑपरेशनल और 6 ट्रेनिंग ड्रोन सेना को सौंप दिए हैं। यह डिलीवरी भारत की स्वदेशी रक्षा निर्माण क्षमता और अनमैन्ड वारफेयर में उपलब्धि मानी जा रही है। इन्हें बेलारूसी फर्म केबी इंडेला की मदद से तैयार किया गया है।

कंपनी का दावा है कि यह ड्रोन पूरी तरह ऑटोनॉमस प्रिसिजन स्ट्राइक मिशन अंजाम दे सकता है। यानी लक्ष्य निर्धारित होने के बाद यह बिना किसी इंसानी दखल के मिशन पूरा कर देगा। कामिकाजे ड्रोन ऐसे ड्रोन होते हैं जो लक्ष्य पर हमला करते समय खुद भी नष्ट हो जाते हैं। इन्हें लॉइटरिंग म्यूनिशन भी कहा जाता है। कामिकाजे नाम सेकेंड वर्ल्ड वार के कामिकाजे अटैक से लिया गया है। जब जापानी पायलट अपने विमानों को दुश्मन के जहाजों से टकराकर आत्मघाती हमला करते थे।

विस्फोट का दायरा केवल 5 मीटर

अग्निवेग में अहम मिलिट्री इंफास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स हब, कमांड सेंटर, रडार इंस्टॉलेशन और दूसरे रणनीतिक ठिकानों पर सटीक हमला करने की क्षमता है। ट्रायल के दौरान अग्निवेग ने जैमिंग और स्पूफिंग वाले माहौल में काम करते हुए 5 मीटर से कम का सर्कुलर एरर प्रोबेबल हासिल किया। सरल शब्दों में कहें तो यह ड्रोन अपने टारगेट को बेहद करीब जाकर हमला करने में सक्षम है। इससे किसी सैन्य ठिकाने के केवल एक हिस्से को निशाना बनाया जा सकता है। इससे टारगेट के आसपास मौजूद सिविलियन स्ट्रक्चर का कम नुकसान होता है।

राम मंदिर के दान में गबन मामले में सीबीआई जांच की मांग को लेकर लखनऊ हाईकोर्ट में पीआईएल दाखिल

लखनऊ.। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दानपात्रों से चढ़ावे की संपत्ति के कथित गबन मामले की सीबीआई जांच की जनहित याचिका (पीआईएल) शुक्रवार को हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में दाखिल हुई है। इस पर अगले सप्ताह सुनवाई संभावित है। स्थानीय अधिवक्ता मोहित अशोक ने व्यक्तिगत रूप से यह जनहित याचिका दाखिल की है। इसमें, कथित गबन मामले की जांच समेत केस दर्ज करने के निर्देश सी बी आई को देने का कोर्ट से आग्रह किया गया है। साथ ही श्रीरामजन्मभूमि मंदिर के दानपात्रों में चढ़ावे के रूप में मिलने वाली नकद धनराशि, सोने चांदी के आभूषणों व अन्य कीमती वस्तुओं का आडिट महालेखा परीक्षक नियंत्रक (कैग) से कराने की मांग भी की गई है।

याचिकाकर्ता का कहना है कि करोड़ों हिंदुओं की आस्था के प्रतीक भगवान श्रीराम जी के मंदिर में दान व चढ़ावे की संपत्ति के कथित गबन के आरोपों का मामला अखबारों में छपा। इससे भक्तों की भावनाओं को ठेस पंहुची। ऐसे में इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच और ऑडिट होना आवश्यक है। याचिका में केंद्र-राज्य सरकार समेत सीबीआई, कैग व श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भी पक्षकार बनाया गया है।

राम मंदिर में दान राशि के कथित गबन के आरोप का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। मंदिर की व्यवस्था और वित्तीय पारदर्शिता को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर मंथन शुरू हो गया है। सूत्रों के अनुसार, मामले में जांच प्रक्रिया के साथ-साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी पूरे घटनाक्रम की रिपोर्ट तलब की है। माना जा रहा है कि रिपोर्ट के आधार पर मंदिर प्रबंधन और व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की जाएगी। जांच के दायरे में आए कुछ कर्मचारियों की भूमिका को लेकर सवाल उठने के बाद उनकी सेवाएं समाप्त करने अथवा उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों से हटाने पर भी विचार किया जा रहा है। इसके अलावा मंदिर परिसर में कार्यरत कई कर्मचारियों के दायित्वों में भी बदलाव किया जा सकता है, ताकि व्यवस्था को और अधिक जवाबदेह तथा पारदर्शी बनाया जा सके।

उल्लेखनीय है कि बुधवार को कथित तौर पर गबन हुई डेढ़ करोड़ की राशि के बरामद होने की बात सामने आई। संदिग्धों से पूछताछ, उनके बैंक डिटेल आदि की जांच का क्रम जारी होने की चर्चा भी जोरों पर रही है। गबन के मामले में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के मैनेजर ने कुछ भी बोलने से इन्कार कर दिया। माना जा रहा है कि दान के पैसों की गिनती में लगे बैंक कर्मियों की भी जांच हो रही है।

पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर जांच : सुप्रीम कोर्ट ने 6 महीने की समय सीमा तय की

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार और केंद्र को निर्देश दिया कि वे पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर के खिलाफ लंबित सभी चार अनुशासनात्मक कार्यवाहियों को अगले छह महीने के भीतर पूरा करें। यह निर्देश उन याचिकाओं के संदर्भ में आया है जिसमें ठाकुर ने अपनी सेवानिवृत्ति से जुड़े बकाया भुगतान में देरी और सालों से चल रही जांचों पर सवाल उठाए थे।

1992 बैच के यूपी कैडर के आईपीएस अधिकारी ठाकुर को केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा 23 मार्च 2021 को जनहित में सेवा में बनाए रखने के लिए अनुपयुक्त होने के आधार पर अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त किया गया था। यह फैसला कई विभागीय जांचों और अनुशासनात्मक शिकायतों के बाद लिया गया था। अगर यह कदम नहीं उठाया जाता, तब वे 2028 तक सेवा में रहते।

जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस संजीव सचदेवा की पीठ ने राज्य सरकार की ओर से पेश वकील रुचिरा गोयल की दलील पर गौर किया कि ठाकुर के खिलाफ चार अनुशासनात्मक कार्यवाहियां लंबित हैं। दूसरी ओर, पूर्व आईपीएस अधिकारी ने आरोप लगाया कि कारण बताओ नोटिस का जवाब देने के बावजूद बीते 10 सालों से इन कार्यवाहियों को अनावश्यक रूप से खींचा जा रहा है। नतीजतन, ग्रेच्युटी फंड के 10 लाख रुपये सहित उनकी सेवानिवृत्ति से जुड़ी बकाया राशि का भुगतान अभी तक नहीं हुआ है। पूर्व आईपीएस अधिकारी ने सुप्रीम कोर्ट की बेंच से अनुरोध किया था कि अधिकारियों को अनुशासनात्मक कार्यवाही तीन महीने में पूरी करने का निर्देश दिया जाए, लेकिन अदालत ने केंद्र और राज्य सरकार से छह माह में पूरा करने को कहा।

मोगावीरा को-ऑपरेटिव बैंक पर आरबीआई की सख्ती, छह महीने के लिए लगाए प्रतिबंध

नई दिल्ली.। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कर्नाटक स्थित मोगावीरा को-ऑपरेटिव बैंक पर छह महीने के लिए कई नियामकीय प्रतिबंध लगा दिए हैं। केंद्रीय बैंक ने बैंक की वित्तीय स्थिति और निगरानी संबंधी चिंताओं को देखते हुए यह कदम उठाया है। इन प्रतिबंधों का उद्देश्य जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा करना और बैंकिंग व्यवस्था में स्थिरता बनाए रखना बताया गया है। आरबीआई के निर्देशों के तहत बैंक बिना पूर्व अनुमति के नए ऋण नहीं दे सकेगा, नई जमा राशि स्वीकार नहीं कर सकेगा और न ही कोई बड़ा वित्तीय दायित्व ले सकेगा। बैंक की कई सामान्य बैंकिंग गतिविधियों पर भी निगरानी और नियंत्रण रखा जाएगा। हालांकि, आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि इन प्रतिबंधों का अर्थ बैंक का लाइसेंस रद्द होना नहीं है। बैंक अपनी सीमित बैंकिंग सेवाएं जारी रख सकेगा और ग्राहकों के हितों की सुरक्षा के लिए नियामक लगातार स्थिति की समीक्षा करता रहेगा। आरबीआई समय-समय पर उन सहकारी बैंकों पर इस तरह की कार्रवाई करता है जिनकी वित्तीय स्थिति, तरलता या नियामकीय अनुपालन को लेकर चिंता होती है। ऐसे मामलों में केंद्रीय बैंक का उद्देश्य बैंक को सुधार का अवसर देना और जमाकर्ताओं के धन की सुरक्षा सुनिश्चित करना होता है।

अब 'कॉकरोचों' ने लखनऊ में प्रदर्शन कर धर्मेन्द्र प्रधान का मांगा इस्तीफा

लखनऊ। केन्द्रीय मानव संसाधन मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रदर्शन करने के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने शुक्रवार को उप की राजधानी लखनऊ में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने पेपर लीक और परीक्षाओं में हो रही अनियमितता को पुरजोर तरीके से उठाया। इस मौके पर बड़ी संख्या में युवा एकत्रित हुए। युवाओं ने प्रदर्शन करते हुए नीट पेपरलीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

वहीं, प्रदर्शन को देखते हुए इंको गार्डेन और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पुलिस बल व आरएएफ की टीमों की तैनाती की गई थी। लखनऊ आगमन पर सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि हम शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे। अभिजीत जब इंको गार्डेन में प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे तो भीड़ में फंस गए। हालांकि, कुछ देर बाद प्रदर्शनकारियों से मिले और उन्हें संबोधित किया और फिर धरने पर बैठ गए। हालांकि पहले खबर आई थी कि कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन को लखनऊ में अनुमति नहीं मिली। बाद में कॉकरोच पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके के लखनऊ पहुंचने के बाद पुलिस के प्रदर्शन में भाग लेने की अनुमति की खबर सामने आई। इस बीच लखनऊ में शुक्रवार को भीषण गर्मी का असर दिखा। प्रदर्शनकारी छात्र पेड़ों की छांव तलाशते दिखे। वहीं, अभिजीत दीपके भी कार्यक्रम स्थल पर महज 28 मिनट ही टिक पाए। इसके बाद इनोवा गाड़ी पर सवार होकर चलते बने। इस दौरान छात्रों ने कॉकरोच पार्टी प्रमुख के रवैये की नाराजगी जताई।

छात्र रुप ने कॉकरोच जनता पार्टी पर छात्रों के आंदोलन का क्रेडिट चुराने का आरोप लगाया है। छात्रों का कहना है कि हमलोगों ने प्रयागराज में आंदोलन का ऐलान किया था। प्रयागराज में प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी के मुद्दे पर लगातार छात्र राजनीति गरमाई रही है। 29 मई के आंदोलन के दौरान 12 जून को लखनऊ में प्रदर्शन का निर्णय लिया गया। छात्र गुट का कहना है कि यह शिक्षकों और छात्रों का प्रोटेस्ट है। हम अपनी लड़ाई लड़ रहे हैं। इससे कॉकरोच पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है। छात्र संगठनों ने दावा किया कि आंदोलन में भाग लेने आए कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके महज 28 मिनट ही आंदोलन स्थल पर टिक पाए।

कल्याण के अल्टीमेटम से टीएमसी में छिड़ा नया विवाद, विरोधी ले रहे मजे

ममता से नहीं टीएमसी के नेताओं को भाईपो से समस्या

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में एक नया राजनीतिक घमासान मच गया है, जब वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी ने सार्वजनिक रूप से पार्टी के दूसरे सबसे शक्तिशाली नेता और ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी की आलोचना की और सीधे ममता बनर्जी को चेतावनी दे दी। इस घटनाक्रम ने पार्टी के भीतर लंबे समय से सुलग रही दरारों को सामने ला दिया है, जिससे विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं, जिन्होंने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी के अंत का संकेत बताया है।

दरअसल वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी ने अभिषेक पर अहंकारी रवैया अपनाने और पार्टी को बर्बाद कर देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए बहुत अपमानजनक है। उनके अहंकारी रवैये ने पार्टी को बर्बाद किया है। उन्हें हर दिन लगता है कि वहीं राजा हैं। अपनी नाराजगी जाहिर कर कल्याण ने ममता बनर्जी से स्पष्ट रूप से कहा कि उन्हें फैसला लेना होगा अगर वह अभिषेक के बिना पार्टी को आगे नहीं बढ़ा सकतीं, तब मैं उनके साथ नहीं रहूंगा। उन्होंने बताया कि बुरे वक्त में भी जब वे ममता का साथ देते रहे हैं, तब अभिषेक के रवैये के कारण उनके लिए काम करना मुश्किल हो गया है। वहीं अभिषेक बनर्जी की आलोचना ममता के बजाय अभिषेक पर केंद्रित लग रही है। सपा प्रवक्ता वर्मा ने बताया कि कल्याण बनर्जी चार बार के सांसद हैं और ममता के सबसे भरोसेमंद नेताओं में से एक रहे हैं, जो हमेशा पार्टी और ममता बनर्जी के हित के लिए खड़े रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि बागी सांसदों को ममता बनर्जी से कोई निजी समस्या नहीं है, बल्कि समस्या अभिषेक बनर्जी से है। उत्तर प्रदेश के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने इस अवसर पर कहा कि लोगों को अब एहसास हो गया है कि टीएमसी ने जो रास्ता चुना था, वह सही दिशा में नहीं था।

बनर्जी की सरकार मजबूती से सत्ता में थी, तब अभिषेक का कहा ही नियम बन जाता था, जिससे टीएमसी सांसद सालों तक दबाव में काम करते रहे, लेकिन अब उन्हें खुलकर बोलने का मौका मिल रहा है। वहीं समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता आशुतोष वर्मा ने कहा कि कल्याण बनर्जी जैसे अनुभवी नेता की आलोचना ममता के बजाय अभिषेक पर केंद्रित लग रही है। सपा प्रवक्ता वर्मा ने बताया कि कल्याण बनर्जी चार बार के सांसद हैं और ममता के सबसे भरोसेमंद नेताओं में से एक रहे हैं, जो हमेशा पार्टी और ममता बनर्जी के हित के लिए खड़े रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि बागी सांसदों को ममता बनर्जी से कोई निजी समस्या नहीं है, बल्कि समस्या अभिषेक बनर्जी से है। उत्तर प्रदेश के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने इस अवसर पर कहा कि लोगों को अब एहसास हो गया है कि टीएमसी ने जो रास्ता चुना था, वह सही दिशा में नहीं था।

भारतीय सेना को मिले 106 अग्निवेग सुसाइड ड्रोन

नई दिल्ली। भारतीय सेना को अपनी मानवरहित युद्ध क्षमताओं को मजबूत करने के लिए 106 अत्याधुनिक अग्निवेग टर्बोजेट-चालित कामिकेज ड्रोन मिल गए हैं। रक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी एसएमपीपी ने इन स्वदेशी ड्रोनों को भारतीय सेना को सौंप दिया है, जो देश की रक्षा तैयारियों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इन ड्रोनों को दुश्मन के इलाके में गहराई तक घुसकर महत्वपूर्ण ठिकानों को सटीक निशाना बनाने और जटिल विद्युत-चुंबकीय वातावरण में भी प्रभावी ढंग से काम करने के लिए तैयार किया है।

अग्निवेग ड्रोन 180 किलोमीटर तक की मारक क्षमता रखते हैं और 450 किलोमीटर प्रति घंटे तक की तीव्र गति से हमला करने की ताकत रखते हैं। ये ड्रोन महत्वपूर्ण सैन्य अवसंरचना, साजो-सामान केंद्र, कमांड सेंटर, रडार प्रतिष्ठानों और अन्य रणनीतिक लक्ष्यों पर स्वयं संचालित सटीक हमले करने की अनूठी क्षमता रखते हैं। एसएमपीपी ने 100 जेट-आधारित अग्निवेग सुसाइड ड्रोन के साथ-साथ छह प्रशिक्षण ड्रोन भी सेना को सौंपे हैं। इन्हें विशेष रूप से इसतरह के विद्युत-चुंबकीय वातावरण में काम करने के लिए तैयार किया है जहां दुश्मन इलेक्ट्रॉनिक युद्ध शैलियों, जैसे जैमिंग और स्पूफिंग, का उपयोग कर सकता है, फिर भी ये अपने मिशन को जारी रखने में सक्षम हैं।

कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने उपलब्धि को भारत के स्वदेशी रक्षा निर्माण परिवेश के लिए मील का पत्थर बताया, खासकर छह महीने की रिकॉर्ड समय-सीमा में इनकी आपूर्ति की गई है। सफल उपयोगकर्ता परीक्षणों के बाद इनकी डिलीवरी की गई है, जिसमें ड्रोन ने भारी जैमिंग वाले माहौल में भी अपनी ऑपरेशनल रेंज का प्रदर्शन किया। ये लंबी दूरी, सटीक हमले और तेज रफ्तार के संयोजन से भारतीय सेना को संवेदनशील लक्ष्यों पर हमला करने का एक महत्वपूर्ण और लागत-प्रभावी विकल्प प्रदान करते हैं, साथ ही सैन्य कर्मियों के लिए जोखिम को भी कम करते हैं। आधुनिक युद्ध के बदलते स्वरूप को देखते हुए, जहां सटीक निशाना लगाने वाले मानवरहित प्रणालियों का महत्व बढ़ रहा है, ये ड्रोन पारंपरिक तोपखाने और लंबी दूरी की मिसाइल प्रणालियों के बीच की कमी को पूरा करेंगा।

घुसपैठ की कोशिश में जैश के आतंकी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर से सटे अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक बार फिर घुसपैठ की आशंका को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े आतंकियों द्वारा 13 से 15 जून के बीच घुसपैठ की कोशिश की जा सकती है। खुफिया एजेंसियों को मिले इनपुट्स के अनुसार आतंकियों द्वारा कठुआ जिले के दलातर-करपुर सेक्टर में उन्ह नदी के रास्ते भारत में प्रवेश करने का प्रयास किया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक, इस होने वाले घुसपैठ को अंजाम देने वाला समूह पाकिस्तान के सीमा से सटे चक काजियां मसूर इलाके में डेरा डाले हुए हैं और भारत की सीमा के भीतर घुसने के मौके की तलाश में है। इनपुट मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों और सीमा पर तैनात बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। सीमा सुरक्षा बल समेत अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है। नदी मार्गों, घुसपैठ संभावित रास्तों और सीमा के नजदीकी इलाकों में विशेष रूप से निगरानी की जा रही है।

ज्यादा सतर्क रहने की जरुरत

सूत्रों का कहना है कि हाल के दिनों में सीमा पार आतंकी लॉन्च पैड्स पर गतिविधियां बढ़ी हैं, जिसको ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है।साथ ही ड्रोन,नाइट विजन इक्विपमेंट और अन्य तकनीकी संसाधनों की मदद से संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

ममता बनर्जी पर अब कसा कानूनी शिकंजा

भड़काऊ बयान मामले में कोलकाता में एफआईआर दर्ज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पराजय के बाद ममता बनर्जी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पार्टी के विधायक और सांसद बगावत पर उतारू हैं। बागी विधायकों ने विधानसभा में अलग गुट बना लिया है, तो बागी सांसद भी अलग गुट बनाने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं, शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ भड़काऊ बयान देने के आरोप में कोलकाता के हेयर स्ट्रीट थाने में एफआईआर दर्ज की गयी।

पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोप लगा कि उन्होंने 2 जून को कोलकाता के रानी रासमनी रोड पर एक मीटिंग से बांग्लादेश में उम्मान हादी की हत्या के बारे में बिना नाम लिए विवादित बयान दिया है। उस घटना में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। पहले एफआईआर सिलीगुड़ी में दर्ज की गयी थी और अब कोलकाता में एफआईआर दर्ज की गयी है। एक वकील ने उनके आरोप में कोलकाता के हेयर स्ट्रीट थाने में एफआईआर दर्ज की गयी।

पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोप लगा कि उन्होंने 2 जून को कोलकाता के रानी रासमनी रोड के हेयर स्ट्रीन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

ममता बनर्जी पर लगा भड़काऊ बयान देने का आरोप

इस साल की शुरुआत में, ममता बनर्जी पर चुनाव प्रचार के दौरान धर्मतला के मंच से विवादित बयान देने का आरोप लगा है। उन्होंने मंच से कहा कि आप सब ठीक हैं क्योंकि हम यहां हैं। अगर हम यहां नहीं होते, तो एक सेकंड लगता! जब कोई कम्युनिटी अलायंस नहीं बनाती, अगर वे उसे घेर लेते हैं। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर पल भर में वायरल हो गया और सियासत गरमा गई। विपक्षी पार्टियों ने पूर्व सीएम के बयान पर सवाल उठाए और कहा कि कोई भी मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए ऐसा बयान कैसे दे सकता है।

न्यूज गैलरी

इलाज कराकर लौट रही मां-बेटी पर गिरा पलाश का पेड़-14 वर्षीय बेटी की दर्दनाक मौत

नागपुर से उपचार कर घर लौट रहा था परिवार, गांव पहुंचते ही हुआ दर्दनाक हादसा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के लामता थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चरेगांव में शुक्रवार दोपहर एक बेहद दर्दनाक हादसा हो गया। इलाज कराकर घर लौट रही मां बेटी पर अचानक पलाश का पेड़ गिर पड़ा। इस हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर ने

14 वर्षीय रुचि पंचतिलक को मृत घोषित कर दिया। वहीं उसकी मां महेश्वरी पंचतिलक का उपचार नगर के एक निजी अस्पताल में जारी है।घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। जिस परिवार ने बेटी के बेहतर स्वास्थ्य की उम्मीद में नागपुर जाकर इलाज कराया था।उसी परिवार पर घर लौटते समय दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम चरेगांव निवासी नारायण पंचतिलक मुंबई में जॉब करते हैं। उनके परिवार में पत्नी महेश्वरी पंचतिलक, 14 वर्षीय बेटी रुचि और एक बेटा है। परिवार गांव में जनरल स्टोर्स और किराना दुकान संचालित करता है।जिसमें रुचि भी अपनी मां का हाथ बंटाती थी। वह कक्षा 11वीं की छात्रा थी और पढ़ाई में भी अच्छी बताई जा रही थी।बताया गया है कि पिछले कुछ महीनों से रुचि का स्वास्थ्य खराब चल रहा था। जिसका इलाज नागपुर में कराया जा रहा था। चार दिन पहले नारायण पंचतिलक अपनी पत्नी और बेटी को इलाज के लिए नागपुर लेकर गए थे। उपचार के बाद 12 जून को तीनों ट्रेन से बालाघाट पहुंचे और वहां से बस के माध्यम से अपने गांव चरेगांव लौट रहे थे।दोपहर करीब 3:30 बजे तीनों गांव के लवेरी चौक में बस से उतरे। इसके बाद वे पैदल अपने घर की ओर जा रहे थे। नारायण पंचतिलक थोड़ा पीछे चल रहे थे।जबकि रुचि अपनी मां महेश्वरी के साथ आगे बढ़ रही थी। चौक से महज 50 मीटर दूर पहुंचे ही थे कि सड़क किनारे खड़ा पलाश का एक पेड़ अचानक भरभराकर मां-बेटी के ऊपर गिर पड़ा।पेड़ गिरते ही दोनों गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर गईं। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। तत्काल दोनों को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया। लेकिन तब तक रुचि की सांसें थम चुकी थीं। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल मां महेश्वरी को बेहतर उपचार के लिए नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।शाम होने के कारण पोस्टमार्टम नहीं हो सका। इसलिए जिला अस्पताल पुलिस ने रुचि पंचतिलक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया है। 13 जून को पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।इस हृदयविदारक घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। जिसने भी यह खबर सुनी उसकी आंखें नम हो गईं। परिवार जिस बेटी को स्वस्थ कर घर वापस ला रहा था उसी बेटी की गांव पहुंचते ही दर्दनाक मौत हो गई।

बंजर नदी के उद्गम स्थल बंजारपुर पहुंचे मंत्री प्रहलाद पटेल, जल संरक्षण का दिया संदेश

नदियों के उद्गम स्थल अपूर्व ऊर्जा से भरे होते हैं, इन्हें बचाना हम सबकी जिम्मेदारी-मंत्री श्री पटेल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ जिले के ग्राम बंजारपुर स्थित नर्मदा की प्रमुख सहायक बंजर नदी के उद्गम स्थल पर पहुंचकर विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। इस दौरान उन्होंने उद्गम स्थल की परिक्रमा कर जल, जंगल और जमीन के संरक्षण का संदेश दिया तथा आमजन से नदियों को प्रदूषण मुक्त और जीवंत बनाए रखने के लिए जनभागीदारी का आह्वान किया। उद्गम स्थल पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जहां नदियों का उद्गम होता है, वे स्थल अपूर्व ऊर्जा से भरे होते हैं और जहां नदियों का संगम होता है, वहां जीवन की अनंत संभावनाएं जन्म लेती हैं। नदियां केवल जलधाराएं नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, सभ्यता और जीवन का आधार हैं। इन्हें संरक्षित रखना वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा दायित्व है। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, अनियंत्रित दोहन और वनों की कटाई के कारण देश की अनेक नदियां संकट का सामना कर रही हैं। ऐसे समय में जल स्रोतों के संरक्षण और संवर्धन के लिए व्यापक जनजागरूकता आवश्यक है। नदियों के किनारे बड़े पैमाने पर पौधारोपण, जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण तथा प्राकृतिक जल स्रोतों की रक्षा ही नदियों को पुनर्जीवित करने का प्रभावी माध्यम बन सकती है।

सभी नदी उद्गम स्थलों तक पहुंचने का लिया संकल्प

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि बंजर नदी के उद्गम स्थल पर पहुंचना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के दौरान वे पहले बेतवा नदी के उद्गम स्थल की यात्रा कर चुके हैं। इसके बाद उन्होंने मध्यप्रदेश से जुड़ी सभी नदियों के उद्गम स्थलों तक पहुंचने का संकल्प लिया है। उन्होंने बताया कि अब तक वे 112 नदियों के उद्गम स्थलों का भ्रमण कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश नदियों का मायका है। यहां से निकलने वाली नदियां देश के विशाल भूभाग को जीवन प्रदान करती हैं।

नर्मदा में सर्वाधिक जल लाने वाली प्रमुख सहायक नदी है बंजर

अपने संबोधन में मंत्री श्री पटेल ने कहा कि बंजर नदी विशेष महत्व रखती है क्योंकि यह नर्मदा नदी की ऐसी प्रमुख सहायक नदी है जो छत्तीसगढ़ राज्य से निकलकर मध्यप्रदेश में प्रवेश करती है और नर्मदा में सर्वाधिक जल लेकर आने वाली नदियों में शामिल है। उन्होंने उद्गम स्थल के आसपास निवास करने वाले ग्रामीणों की सराहना करते हुए कहा कि स्थानीय लोगों ने इस पवित्र स्थल की प्राकृतिक सुंदरता और गरिमा को सुरक्षित रखा है, जो अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र प्रकृति और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है।

नदियों को पुनर्जीवित करने में सहायक बनेगा जल गंगा संवर्धन अभियान

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि वर्षों से हो रही अंधाधुंध पेड़ों की कटाई के कारण नदियों के प्राकृतिक तट और जलग्रहण क्षेत्र प्रभावित हुए हैं, जिससे अनेक नदियां गर्मी के मौसम में सूखने लगी हैं। आज सबसे बड़ी आवश्यकता नदियों को पुनर्जीवित करने की है और जल गंगा संवर्धन अभियान इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने उपस्थित नागरिकों से आह्वान किया कि वे संकल्प लें कि नदियों के दोनों किनारों पर बड़ी संख्या में पौधारोपण करेंगे तथा पौधों को वृक्ष बनने तक उनकी देखभाल और सुरक्षा का दायित्व भी निभाएंगे।

नदी बचेगी तो जीवन बचेगा

कार्यक्रम के अंत में मंत्री श्री पटेल ने कहा कि नदियां केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि प्रकृति की धरोहर हैं। इनके संरक्षण के लिए शासन के साथ-साथ समाज की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने सभी नागरिकों से जल संरक्षण, पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।

छत्तीसगढ़ से निकलकर बालाघाट और मंडला तक पहुंचती है बंजर नदी

उल्लेखनीय है कि बंजर नदी का उद्गम बालाघाट जिले की सीमा से लगे छत्तीसगढ़ राज्य के खैरागढ़ जिले के ग्राम बंजारपुर में स्थित है। उद्गम के बाद यह नदी कुछ दूरी तक मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमा का निर्धारण करती हुई बालाघाट जिले में प्रवेश करती है। धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण यह नदी अपने प्रवाह क्षेत्र में लाखों लोगों की आस्था का केंद्र है। नदी के किनारे स्थित रानीधार, खर्राधार और दर्रीघाट जैसे स्थलों पर प्रतिवर्ष कार्तिक मास में विशाल मेलों का आयोजन होता है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

कान्हा टाइगर रिजर्व की जीवनरेखा है बंजर

बंजर नदी का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि यह विश्व प्रसिद्ध कान्हा। टाईगर रिजर्व के विस्तृत वन क्षेत्र से होकर प्रवाहित होती है। यह नदी वन्यजीवों और जैव विविधता के लिए जीवनदायिनी भूमिका निभाती है तथा जंगल में निवास करने वाले असंख्य वन्य प्राणियों के लिए पेयजल का प्रमुख स्रोत है। लगभग 150 किलोमीटर की यात्रा तय करने के बाद बंजर नदी बालाघाट से मंडला जिले के महाराजपुर क्षेत्र में पहुंचती है और अंततः पवित्र नर्मदा नदी में समाहित हो जाती है।

आस्था का प्रमुख केंद्र है बंजर-नर्मदा संगम

नर्मदा और बंजर नदी का संगम स्थल धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यहां वर्षभर श्रद्धालुओं का आगमन होता है। विशेष रूप से अस्थि विसर्जन, पिंडदान एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठानों के लिए लोग बड़ी संख्या में इस पवित्र संगम स्थल पर पहुंचते हैं। कार्यक्रम में नगर पालिका मलाजखंड के अध्यक्ष मानसिंह मेरावी, उपाध्यक्ष श्रीमती त्रिवेणी गोस्वामी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य उमेश देशमुख, जनपद सदस्य देवन मरकाम, आनंद कोछड़, ढालसिंह चौधरी, योगेश ठाकरे, टोपराम पटले, स्थानीय जनप्रतिनिधि, सरपंचगण तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

आवश्यकता है
फिल्ड कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक, बालाघाट

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
- कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
- माईनिंग इंजीनियरिंग
- सिविल इंजीनियरिंग
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेढ़ापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि
सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवादी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट